निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

पश्चिम बंगाल के कोटासुर सैंथिया में भाजपा प्रत्याशियों के साथ केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह

• बोकारो, सोमवार 13 अप्रैल 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 324 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

झारखंड में हर जिले के कोषागार की होगी जांच, एक-एक पैसे की होगी रिकवरी : वित्त मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बोकारो और हजारीबाग में हुए ट्रेजरी घोटाले को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 2000 से 2026 तक हुए सभी ट्रेजरी घोटाले की जांच होगी। इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार के पैसे का एक-एक रुपया वसूला जाएगा। झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर गढ़वा पहुंचे जहां उन्होंने जरूरी मुद्दों पर बात की। वित्त मंत्री ने कहा कि झारखंड में अब तक 30 से 40 करोड़ रुपये के ट्रेजरी घोटाले सामने आए हैं जिसमें बोकारो और हजारीबाग में सबसे ज्यादा घोटाले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री से भी बात की और वह बहुत गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि वह किसी को नहीं छोड़ेंगे। झारखंड सरकार का एक-एक रुपया ट्रेजरी में वापस जमा किया जाएगा चाहे वह मकान, जमीन या किसी और चीज से हो, सभी से रिकवरी की जाएगी। उन्होंने कहा

कि 24 जिलों के सभी 33 ट्रेजरी की जांच की जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। चल-अचल संपत्ति जब्त करके पैसे वसूले जाएंगे। वहीं जेएसएससी उत्पाद सिपाही भर्ती पेपर लीक के बारे में उन्होंने कहा कि मुझे इसकी जानकारी नहीं है। मुझे इसके बारे में मीडिया से ही पता चला। यह मेरे विभाग के तहत नहीं आता। फिर भी मैं चाहूंगा कि सरकार इस मामले में सख्त कार्रवाई करे।

नया इतिहास रचने जा रही देश की संसद : मोदी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज विज्ञान भवन में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत 21वीं सदी के सबसे बड़े निर्णयों में से एक लेने जा रहा है, एक ऐसा निर्णय जो नारी शक्ति को समर्पित है। प्रधानमंत्री ने इस क्षण को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि देश की संसद एक नया इतिहास रचने के निकट है जो अतीत के विजन और भविष्य के संकल्पों को पूरा करेगा। सामाजिक न्याय के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि देश एक समतावादी भारत की कल्पना करता है जहां सामाजिक न्याय केवल एक नारा नहीं बल्कि कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य विधानसभाओं से लेकर देश की संसद तक, दशकों की प्रतीक्षा अब समाप्त होने वाली है। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2023 में नए संसद भवन में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने का स्मरण करते हुए कहा कि इसे सर्वसम्मति से पारित किया गया था और सभी दलों ने इस बात पर सहमति जताई थी कि इसे हर हाल में 2029 तक क्रियान्वित किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को समय पर लागू किया जाना चाहिए ताकि महिलाओं की भागीदारी से हमारा लोकतंत्र सुदृढ़ हो। इसके लिए संसद के बजट सत्र का विशेष सत्र 16 अप्रैल से आरंभ होगा। श्री मोदी ने कहा कि हमारा प्रयास और प्राथमिकता यह है कि यह कार्य संवाद, सहयोग और भागीदारी के माध्यम से पूरा किया जाए, जिससे संसद की गरिमा बढ़ेगी। इस मुद्दे पर महिलाओं के बीच व्याप्त राष्ट्रव्यापी उत्साह की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश भर की महिलाएं विधानसभाओं और लोकसभा

तक पहुंचने की अपनी आकांक्षाओं को व्यक्त कर रही हैं। उनके सपनों को नई उड़ान मिली है और देश में सकारात्मक माहौल का निर्माण हुआ है। प्रधानमंत्री ने सभी महिलाओं से इस पूरी प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी बनाए रखने और अपने सांसदों से मिलकर अपने विचार और अपेक्षाएं साझा करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर संविधान सभा तक महिलाओं के योगदान का उल्लेख करते हुए स्वतंत्र भारत की नींव रखने में नारी शक्ति की असीम भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज हमारे देश में राष्ट्रपति से लेकर वित्त मंत्री तक, महिलाएं इतने महत्वपूर्ण पदों पर आसीन हैं। प्रधानमंत्री ने पंचायती राज संस्थाओं को महिला नेतृत्व का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि आज स्थानीय सरकारी निकायों में 14 लाख से अधिक महिलाएं सफलतापूर्वक कार्यरत हैं। लगभग 21 राज्यों में पंचायतों में उनकी भागीदारी लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजनीति और सामाजिक जीवन में लाखों महिलाओं की यह सक्रिय भागीदारी विश्व के अग्रणी नेताओं और राजनीतिक विशेषज्ञों को भी आश्चर्यचकित करती है और भारत के गौरव को बढ़ाती है। प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि स्थानीय निकायों और संस्थानों में वर्षों से कार्यरत लाखों महिलाओं के पास व्यापक अनुभव है और वे बड़ी भूमिकाओं के लिए तैयार और उत्सुक हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का कार्यान्वयन इन सभी महिलाओं के जीवन में एक बड़ा अवसर साबित होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पंचायत से संसद तक की यात्रा सुगम होने वाली है। प्रधानमंत्री ने एक विशेष अपील के माध्यम से महिलाओं से आग्रह किया कि वे नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम की चर्चा को व्यक्तिगत मुलाकातों और सोशल मीडिया के माध्यम से देश के हर गांव तक पहुंचाएं। देश को इस महत्वपूर्ण निर्णय के बारे में हर महिला को जागरूक करना होगा ताकि वे इसकी शक्ति को समझ सकें, अपनी भूमिका को जान सकें और आने वाले समय में राज्यों से लेकर देश की संसद तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का स्पष्ट रूप से सपना देख सकें।

संक्षिप्त समाचार

आइएएस अधिकारी विनय चौबे को मिली सशर्त जमानत

रांची(नबिटा ब्यूरो)। सुप्रीम कोर्ट ने निलंबित आइएएस अधिकारी विनय चौबे को जमानत प्रदान करते हुए उन्हें जेल से रिहा करने का आदेश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि आरोपी जांच में पूर्ण सहयोग करेंगे और गवाहों को प्रभावित करने का प्रयास नहीं करेंगे। सुप्रीम कोट के न्यायाधीश जस्टिस बीवी नागरथना और उज्ज्वल भुयान की पीठ ने जमानत याचिका पर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि यह प्रकरण वर्ष 2009-10 से जुड़ा हुआ है जिसमें कथित तौर पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं।

झारखंड में लोकायुक्त की नियुक्ति जल्द

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड में लंबे समय से लंबित लोकायुक्त की नियुक्ति को लेकर राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण अपडेट दिया है। सरकार ने झारखंड हाईकोर्ट को बताया कि लोकायुक्त की नियुक्ति संबंधी अनुशंसा एक सप्ताह के भीतर राज्यपाल को भेज दी जाएगी। सोमवार को मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने यह भी जानकारी दी कि मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त के कुछ नाम पहले ही राज्यपाल को भेजे जा चुके हैं। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 23 अप्रैल को तय की है।

बीसीसीएल आउटसोर्सिंग डंप में मिला शव

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। झरिया के जोड़ापोखर थाना अंतर्गत डिगवाडीह कांटा घर के समीप आउटसोर्सिंग डंप में सोमवार को एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए हंगामा करने लगे। मृतक की पहचान जेलगोड़ा 7 नंबर खपड़ाधौड़ा निवासी 45 वर्षीय शमीम अंसारी उर्फ गुड्डू के रूप में हुई है। लोगों ने आशंका जताई है कि यह मामला हत्या का हो सकता है।

क्रेन से गिरकर मजदूर की मौत

बोकारो(नबिटा ब्यूरो)। बोकारो स्टील प्लांट में एक ठेका मजदूर की मौत हो गई। यह घटना प्लांट के आईएमएफ विभाग में उस समय हुई जब मजदूर क्रेन के सहारे ऊंचाई पर काम कर रहा था। संतुलन बिगड़ने के कारण वह अचानक नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में उसे बोकारो जनरल अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिला अंतर्गत जयपुर निवासी 38 वर्षीय गणेश महतो के रूप में हुई है।

बहन को टांगी से काट खुद को ट्रेन से कट दी जान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले के मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र में फुफ़ेरे भाई ने अपनी ममेरी बहन की टांगी से काट कर हत्या कर दी। इसके बाद उसने घर से दो किमी दूर ट्रेन से कट कर जान दे दी। यह घटना बखारी स्थित रेलवे लाइन और पिपरडीह गांव में हुई है। घटना का खुलासा तब हुआ जब पुलिस को बखारी स्थित रेलवे लाइन से एक युवक का शव बरामद हुआ। इसके बाद जांच के क्रम में रेलवे लाइन से कुछ ही दूरी पर स्थित पिपरडीह गांव में युवक के घर के एक कमरे में बिस्तर पर नाबालिग लड़की का खून से लथपथ शव मिला। लड़की की हत्या बेहद निर्ममता से की गई थी। घटना की जांच के क्रम में सदर थाना पुलिस ने दोनों स्थानों का मुआयना कर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया। मृतक युवक की पहचान पिपरडीह निवासी 23 वर्षीय बिट्टू कुमार सिंह के रूप में हुई है। उसके पिता का नाम स्वर्गीय शिव शंकर कुमार सिंह है। वहीं मृतका की पहचान 16 वर्षीय खुशबू कुमारी के रूप में हुई है। उसके पिता का नाम दीपक सिंह है। वह लातेहार जिले के बरवाडीह थाना क्षेत्र के डोरामी गांव की रहने वाली थी। बताया गया कि बिट्टू, खुशबू का बुआ का बेटा था। जानकारी के अनुसार, बिट्टू और उसके परिवार ने खुशबू को करीब एक

सप्ताह पहले काम करने के लिए अपने घर बुलाया था। पूरी वारदात देर रात करीब 1 बजे की बताई जा रही है। लड़की की मौत की सूचना पुलिस को सुबह करीब 3 बजे मिली। सदर थाना प्रभारी लालजी के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला प्रेम संबंध से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। हालांकि हत्या और आत्महत्या के पीछे के वास्तविक कारणों का अभी स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहन जांच कर रही है। युवक ग्रेजुएशन का छात्र बताया जा रहा है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

पेड़ से लटका मिला जीजा-साली का शव, इलाके में सनसनी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। जिले के बुंडू थाना स्थित माझीटोला में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक पेड़ पर युवक और युवती के शव लटके मिले। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक युवक और युवती रिश्ते में जीजा-साली थे। दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध होने की बात सामने आ रही है। मृतकों की पहचान आरती कुमारी और अर्जुन पाहन के रूप में हुई है। आरती की उम्र 19 वर्ष जबकि अर्जुन की उम्र 28 वर्ष बताई गई है। दोनों कुछ समय से अपने-अपने घरों से लापता थे। बताया जा रहा है कि आरती की शादी की बातचीत चल रही थी। इसी बीच दोनों अचानक गायब हो गए थे। वहीं अर्जुन पाहन पहले से शादीशुदा था और उसके पारिवारिक जीवन को लेकर भी विवाद की बातें सामने आ रही हैं जिससे मामले को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस इस मामले में हत्या और आत्महत्या, दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ही घटना की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी तथ्यों की जांच की जा रही है। घटना के बाद पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ शुरू कर दी है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि दोनों घटनास्थल तक कैसे पहुंचे और घटना से पहले किन-किन लोगों के संपर्क में थे। पूरे मामले की जांच अभी जारी है और पुलिस हर पहलू पर बारीकी से नजर बनाए हुए है।

छापेमारी में 50 लाख की अफीम-डोडा जब्त, माफिया फरार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चतरा। चतरा पुलिस ने अफीम माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन क्लीन' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए कुंदा थाना क्षेत्र के बटुकुईया गांव में छापेमारी कर करीब 50 लाख रुपए मूल्य के नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 840 ग्राम शुद्ध अफीम, 17 बोरों में भरा 315 किलोग्राम डोडा और 35 किलोग्राम पोस्ता दाना जब्त किया। इसके अलावा अवैध अफीम की खेती और प्रोसेसिंग में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी बरामद किए गए, जिनमें मोटर पंप, सेक्शन पाइप, फीता पाइप का बंडल और कीटनाशक स्प्रे मशीन शामिल हैं। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है। नशा तस्करों में भय का माहौल बन गया है। पुलिस को लंबे समय से इलाके में अफीम के अवैध

कारोबार की सूचना मिल रही थी। इसी कड़ी में वरीय अधिकारियों को बटुकुईया गांव में एक तस्कर के घर में भारी मात्रा में अफीम और डोडा छिपाकर रखने की सटीक सूचना मिली। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल के निर्देश पर सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से देर रात गांव की घेराबंदी कर संदिग्ध ठिकाने पर छापेमारी की जहां से बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ और उपकरण बरामद किए गए। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गए। बरामदगी से यह स्पष्ट हुआ है कि कुंदा और आसपास के क्षेत्रों में न केवल अफीम का संग्रहण बल्कि बड़े पैमाने पर इसकी खेती और प्रोसेसिंग भी की जा रही थी। चतरा एसपी सुमित अग्रवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जब्त नशीले पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 50 लाख रुपए आंकी गई है। उन्होंने कहा कि माफियाओं के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। जिले से नशे का कारोबार पूरी तरह खत्म किया जाएगा। फिलहाल कुंदा थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। फरार आरोपियों की पहचान कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

प्रज्ञा केंद्र संचालिका और उसके पति को अपराधियों ने मारी गोली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र में लूटपाट का विरोध करने पर अपराधियों ने प्रज्ञा केंद्र संचालक और उसके पति को गोली मार दी है। प्रज्ञा केंद्र संचालक को पैर में गोली लगी है जबकि उनके पति को गोली कान से छूते हुए निकल गई है और पिस्टल के बट से पीटा है। दोनों को इलाज के लिए लातेहार के बरवाडीह में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया है जहां डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए दोनों को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज और हॉस्पीटल रेफर कर दिया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद रामगढ़ थाना प्रभारी ओमप्रकाश शाह के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंची और पूरे मामले में छानबीन शुरू की है। पुलिस ने मौके से खोखा बरामद किया है और कुछ संदिग्ध को हिरासत में लिया है। पुलिस अपराधियों के धर पकड़ के लिए छापेमारी कर रही है और इलाके में सर्च अभियान चला रही है। रामगढ़ के थाना प्रभारी ओमप्रकाश शाह ने बताया अपराधियों ने गोली मारी है। पूरे मामले में छानबीन की जा रही है। अपराधियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। मौके से गोली का खोखा बरामद हुआ है और संदिग्धों से पूछताछ जारी है। दरअसल रामगढ़ थाना क्षेत्र के हूंटार में शमा परवीन नामक महिला प्रज्ञा केंद्र का संचालन करती है। वो बरवाडीह की रहने वाली है। वे अपने पति इसराफिल के साथ हूंटार जा रही थी इसी क्रम में अपराधियों ने गोली मारी है और लूट की घटना को अंजाम दिया है। जख्मी इसराफिल ने बताया कि वे बाइक से हूंटार जा रहे थे। बाइक सवार अपराधियों ने उन्हें रोका और लूट का प्रयास करने लगे। लूट का विरोध करने पर फायरिंग की गई। अपराधी पैसों से भरा बैग लेकर चले गए हैं जिसमें लगभग तीन लाख रुपए थे। अपराधियों ने इस दौरान तीन से चार राउंड फायरिंग भी की है। अपराधी दो बाइक पर सवार थे। लातेहार के बरवाडीह के जिला परषिद सदस्य संतोषी शेखर जख्मी प्रज्ञा केंद्र संचालक और पति का हाल चाल जानने पहुंची थी उन्होंने जख्मी के इलाज में मदद की है।

रांची का तपोवन मंदिर बनेगा 'वर्ल्ड क्लास' : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सोमवार को सीएम आवास में श्री राम जानकी तपोवन मंदिर नवनिर्माण समिति के सदस्यों ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान समिति ने मुख्यमंत्री को मंदिर के चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों की प्रगति से अवगत कराया और उन्हें जायजा लेने के लिए मंदिर आने का निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंदिर निर्माण से जुड़े सभी पहलुओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि तपोवन मंदिर रांची की ऐतिहासिक धरोहर और हमारी अटूट आस्था का केंद्र है। इसके रिनोवेशन और ब्यूटीफिकेशन (सौंदर्यीकरण) कार्य में सरकार हर संभव सहयोग देगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि मंदिर को इतना भव्य और आकर्षक बनाया जाए कि देश-दुनिया के श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए खिंचे चले आएं। नवनिर्माण समिति ने मुख्यमंत्री को

बताया कि मंदिर का फाउंडेशन कार्य पूरा हो चुका है और वर्ष 2029 तक पूरा निर्माण कार्य संपन्न कर लिया जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस मंदिर का निर्माण अयोध्या के राम मंदिर के प्रसिद्ध आर्किटेक्ट आशीष सोमपुरा के निर्देशन में किया जा रहा है। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में श्री राम जानकी तपोवन मंदिर के महंत ओमप्रकाश, समिति के सचिव प्रणय कुमार, सदस्य प्रवीण कुमार वर्मा, अयोध्या दास और प्रसिद्ध आर्किटेक्ट आशीष सोमपुरा शामिल थे।

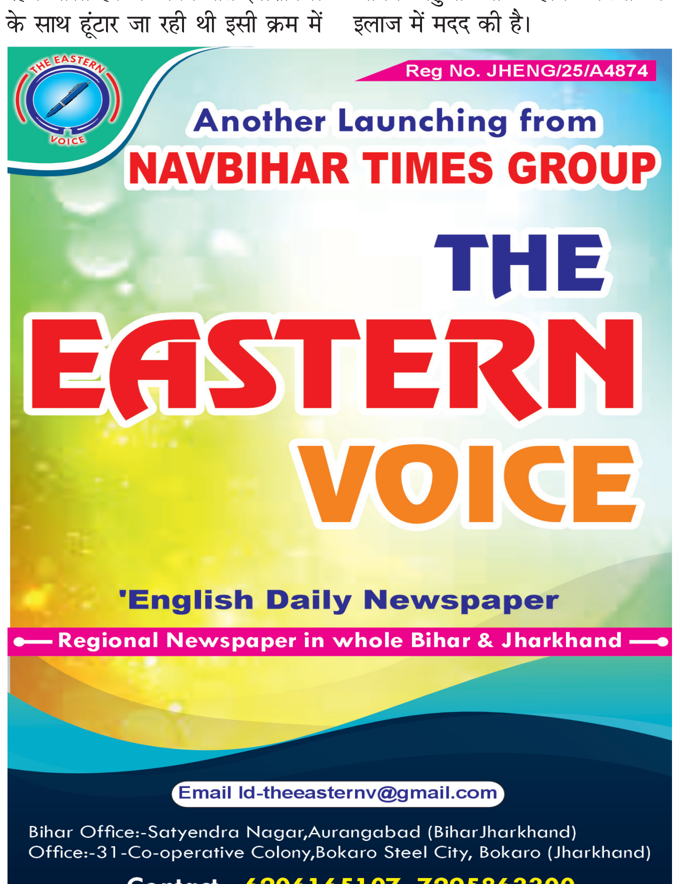

C M Y K

हजारीबाग में विकास की नई रफ्तार : एक महीने में बदली तस्वीर, महापौर ने पेश की प्रगति रिपोर्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। नगर निगम क्षेत्र में विकास कार्यों ने रफ्तार पकड़ ली है। महापौर अरविंद कुमार राणा ने अपने कार्यकाल के पहले एक महीने का रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए शहर में हुए बदलावों और आने वाली योजनाओं की जानकारी दी। नगर निगम कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि हजारीबाग को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और आधुनिक शहर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

महापौर ने बताया कि शहर की जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने के लिए निर्माणाधीन वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के कार्य में तेजी लाई गई है। इन्द्रपुरी चौक क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा हो चुका है और जल्द ही आसपास के इलाकों में पानी की आपूर्ति शुरू की जाएगी। इसके अलावा इंटेक वेल में अतिरिक्त मोटर लगाने की प्रक्रिया जारी है, जिससे जल आपूर्ति क्षमता में वृद्धि होगी। सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए नगर निगम ने विशेष अभियान चलाया है। मई माह तक सभी नालियों की दो बार सफाई का लक्ष्य तय किया गया है। प्रमुख और सहायक नालों की सफाई के जरिए जलजमाव की समस्या को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, कई क्षेत्रों में नालियों की आपसी कनेक्टिविटी की कमी एक चुनौती बनी हुई है। वार्ड 13, 32, 34 और 35 के साथ शिवपुरी, दीपुगढ़ा, विकास नगर, विष्णुपुरी, हुरहुरू, सुभाष नगर और आश्रम रोड को प्राथमिकता में रखा गया है। यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए कालीबाड़ी चौक, जिला परिषद परिसर और बस स्टैंड के पास लगने वाले अनियमित सब्जी बाजारों को हटाकर अन्य स्थानों पर शिफ्ट किया गया है, जिससे जाम की समस्या में राहत मिली है।

साथ ही खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत और नई लाइट लगाने का कार्य भी तेजी से चल रहा है। राजस्व संग्रह के क्षेत्र में भी नगर निगम ने बेहतर प्रदर्शन किया है। महापौर के अनुसार निर्धारित लक्ष्य का करीब 97 प्रतिशत राजस्व वसूली की जा चुकी है, जिससे निगम की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। शहर में स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं के रखरखाव पर भी ध्यान दिया जा रहा है। नियमित सफाई और मरम्मत सुनिश्चित की गई है। वहीं, शहर को जाम मुक्त बनाने के लिए 10 प्रमुख चौक-चौराहों पर ट्रैफिक लाइट मैनेजमेंट सिस्टम लगाने की योजना पर काम जारी है, जिसे नवरात्र तक लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। नागरिक सुविधाओं को आसान बनाने के लिए एकल विंडो सिस्टम को सशक्त किया गया है। जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र अब व्हाट्सएप और ईमेल के जरिए भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

प्रमाण पत्र आपके घर तक योजना को भी चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। इसके अलावा 12 सड़कों के निर्माण के लिए डीएमएफटी मद से स्वीकृति मिल चुकी है और टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो गई है। प्रेस वार्ता में वार्ड पार्षद विकास यादव, मीना देवी, मोना देवी और कुणाल चौरसिया सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। अंत में महापौर अरविंद कुमार राणा ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य हजारीबाग को एक आदर्श और आधुनिक शहर के रूप में विकसित करना है, और इस दिशा में निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

नारी शक्ति वंदन अभियान पर जागरूकता कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहर के व्हिट बाजार स्थित हीरो शोरूम के प्रथम तल पर सोमवार को ह्नारी शक्ति वंदन अभियानह्न एवं नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की कई सक्रिय एवं सम्मानित महिला प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही इस अवसर पर तुलिका सरावगी, भावना जैन, रेखा सरावगी, सोनी गोयल, मिक्कू अग्रवाल, रीता संथालिया, डॉली जालान, शीतल डालमिया, प्रिया जैन एवं लीना झुनझुनवाला सहित अन्य महिलाओं ने भाग लिया और महिला सशक्तिकरण एवं अधिकारों के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए वक्ताओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को देश के लोकतांत्रिक इतिहास में एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि इस कानून के तहत लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया है।

इससे महिलाओं की निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ेगी और वे नीति निर्माण में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी कार्यक्रम के दौरान यह भी कहा गया कि जब-जब महिलाओं को अवसर मिला है, उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक नेतृत्व जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी अहम भूमिका निभाई है। वर्तमान समय में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी

समाज के लिए एक सकारात्मक संकेत है।वक्ताओं ने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों से महिलाओं को आत्मनिर्भर, सुरक्षित और सशक्त बनने में मदद मिली है। अब जरूरत है कि यह सशक्तिकरण राजनीतिक एवं नीति निर्माण के उच्च स्तर तक भी पहुंचे कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों, सम्मान एवं नेतृत्व क्षमता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। अंत में सभी वक्ताओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन करते हुए इसे महिलाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम सकारात्मक एवं प्रेरणादायक माहौल में संपन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व सदर विस प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने कटकमदाग प्रखंड के दो शोकाकुल परिवारों से की मुलाकात

हजारीबाग (नबिटाब)। सदर विधानसभा क्षेत्र में हाल ही में हुई दुखद घटनाओं को लेकर पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह सोमवार को प्रभावित परिवारों के बीच पहुँचे और अपनी संवेदनाएँ व्यक्त किया। सबसे पहले वे कटकमदाग प्रखंड के पसाई गांव पहुँचे, जहाँ कुछ दिनों पूर्व राजेश साव की हत्या कर दी गई थी। उन्होंने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने कटकमदाग थाना प्रभारी से दूरभाष पर बात कर मामले में शामिल सभी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग

की। उन्होंने कहा कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाना चाहिए।इसके बाद मुन्ना सिंह जी ने कटकमसांडी प्रखंड के गद्दोखर पंचायत पहुँचे, जहाँ कांग्रेस जिला सचिव गुलाम सबीर उर्फ बबलू अंसारी की पत्नी के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मिलकर गहरी संवेदना प्रकट की और इस दुख की घड़ी में हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। सिंह ने दोनों ही घटनाओं पर दुख जताते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को शांति मिले और उनके परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य एवं शक्ति प्राप्त हो। मुख्य रूप से उपस्थित निशार अहमद ,मुंशी साव, पवन साव, राजन साव, विजय साव, अंसारी जी, आशीष कुमार, उमेश कुमार, मुन्ना सिंह जी के निजि प्रतिनिधि विक्की कुमार सहित अन्य थे।

महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम : भाजपा

गिरिडीह (नबिटासं)। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारतीय जनता पार्टी भाजपा की ओर से परिसदन भवन में सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस दौरान अधिनियम को महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया गया कार्यक्रम में जमुआ विधायक मंजू कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं, जबकि अध्यक्षता प्रदेश मंत्री शालिनी वैशाखियार ने की। मौके पर महिला मोर्चा उपाध्यक्ष विनीता कुमारी, जिला अध्यक्ष ऊषा देवी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे प्रेस वार्ता के दौरान विधायक मंजू कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि केंद्र सरकार के प्रयासों से आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और उन्हें उचित सम्मान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा आने वाले समय में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य करती रहेगी।उन्होंने बताया कि गिरिडीह जिले में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। जमुआ से वे स्वयं विधायक हैं, कोडरमा से महिला सांसद हैं और कई पंचायतों में महिला मुखिया चुनी गई हैं। ऐसे में यह अधिनियम महिलाओं को राजनीति में आगे बढ़ने के नए अवसर प्रदान करेगा। भाजपा महिला मोर्चा, गिरिडीह ने भी इस पहल के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए इसे महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम बताया गौरतलब है कि महिला आरक्षण अधिनियम 2023 नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत लोकसभा, राज्यसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का प्रावधान किया गया है। हालांकि, इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होना आवश्यक होगी।विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले से राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी और देश के विकास में उनकी भूमिका और अधिक मजबूत होगी।

केरेडारी में भीषण जल संकटः कई गांवों में पेयजल के लिए हाहाकार

केरेडारी/हजारीबाग (नबिटासं)। देश के कई हिस्सों में बढ़ती गर्मी के बीच झारखंड के हजारीबाग जिले का केरेडारी प्रखंड गंभीर जल संकट की चपेट में आ गया है। यहां पाण्डु, काबेद,पगार,चट्टीबरियातु, पेटो, बसरिया और बेंगवरी सहित कई गांवों में पेयजल की भारी किल्लत उत्पन्न हो गई है। लगातार बढ़ते तापमान और वर्षा की कमी के कारण क्षेत्र के नदी-नाले पूरी तरह सूख चुके हैं, जिससे हालात दिन-ब-दिन बिगड़ते जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पारंपरिक जल स्रोत खत्म होने के कगार पर हैं और अधिकांश हैंडपंप भी पर्याप्त पानी नहीं दे पा रहे हैं। नतीजतन लोगों को कई किलोमीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ रहा है। सुबह से ही जलस्रोतों पर लंबी कतारें लग रही हैं, जिससे महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। सबसे चिंताजनक स्थिति बसरिया गांव की है, जहां साप्ताहिक बाजार लगता है। दूर-दराज से आने वाले लोगों और दुकानदारों के लिए पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। भीषण गर्मी में पानी के अभाव ने बाजार की गतिविधियों को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि वे लंबे समय से इस समस्या से जूझ रहे हैं और अब उन्हें एनटीपीसी से टैंकर के माध्यम से पेयजल आपूर्ति शुरू होने का इंतजार है। लोगों को उम्मीद है कि कंपनी और प्रशासन मिलकर जल्द राहत पहुंचाएंगे, ताकि इस भीषण गर्मी में पेयजल संकट से निजात मिल सके। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार संबंधित विभाग और प्रशासन को इस समस्या से अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। जल संकट के बढ़ते हालात को देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते प्रभावी जल प्रबंधन और वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में स्थिति और विकराल हो सकती है। दीर्घकालिक समाधान के तहत जल संरक्षण और नए जलस्रोत विकसित किए जाएं। भीषण गर्मी के इस दौर में केरेडारी का जल संकट प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। अब यह देखना अहम होगा कि जिम्मेदार विभाग कितनी जल्दी सक्रिय होकर लोगों को राहत पहुंचा पाते हैं।

डीलर फेडरेशन की बैठक में कई मुद्दों पर मंथन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर फेडरेशन, झारखंड की गिरिडीह इकाई की एक अति आवश्यक बैठक सोमवार को जिला आपूर्ति कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजेश कुमार बंसल ने की। इसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए प्रखंड अध्यक्षों ने भाग लिया बैठक के दौरान सभी सदस्यों ने राजेश कुमार बंसल को फेडरेशन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मनोनीत किए जाने पर बधाई दी।

इस अवसर पर संगठन से जुड़े विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई डीलरों ने डोर स्टेप डिलीवरी (डीएसडी) व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए कहा कि समय पर खाद्यान्न नहीं पहुंचाया जा रहा है। साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिनियम की अनदेखी करते हुए जन वितरण प्रणाली की दुकानों पर खाद्यान्न का वजन कर वितरण नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा बकाया बैकलॉग, डीलर मार्जिन समेत अन्य समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया जिला अध्यक्ष राजेश कुमार बंसल ने कहा कि डोर स्टेप डिलीवरी के संवेदक अपनी कार्यशैली में सुधार लाएं, अन्यथा संगठन आंदोलनात्मक कार्रवाई करने को बाध्य होगा बैठक में देवरी प्रखंड अध्यक्ष, जिला कार्यकारी अध्यक्ष पांडे, नगर अध्यक्ष अमित कुमार (गिरिडीह), बेंगाबाद प्रखंड अध्यक्ष राजेश राज, गांडेय प्रखंड अध्यक्ष रामनरेश भारती, पीरटांड़ प्रखंड अध्यक्ष दिगंबर सिंह, डुमरी प्रखंड अध्यक्ष केदार बरनवाल, बगोदर प्रखंड अध्यक्ष भुनेश्वर यादव, सरिया प्रखंड अध्यक्ष अनूप तरवे, राजधनवार अध्यक्ष नकुल राय, गांवा प्रखंड अध्यक्ष धीरज सिंह, तीसरी प्रखंड अध्यक्ष रामचरित्र यादव, जमुआ प्रखंड अध्यक्ष मुकेश चौधरी सहित जिला उपाध्यक्ष दीपक पांडे, चेतन दास एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

राशन वितरण व्यवस्था सुधार को लेकर डीलरों के साथ बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा सोमवार को आपूर्ति कार्यालय में जिले के सभी राशन डीलरों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आम लोगों तक समय पर राशन उपलब्ध कराना तथा एलपीजी गैस की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करना रहा। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने डीलरों को निर्देश देते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ हर पात्र लाभुक तक समय पर और पारदर्शिता के साथ पहुंचना चाहिए। उन्होंने वितरण प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी इस दौरान राशन वितरण में आ रही समस्याओं, स्टॉक प्रबंधन, तथा गैस आपूर्ति से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही डीलरों से सुझाव भी लिए गए, ताकि व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सके बैठक में प्रखंड स्तर के पीडीएस अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष सहित कई जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया और अपने अपने क्षेत्र की समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि सभी समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

गिरिडीह में शिक्षा व्यवस्था को लेकर उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। निजी और सरकारी स्कूलों में व्याप्त समस्याओं को लेकर सोमवार को माले नेताओं ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान माले नेता राजेश सिन्हा ने कहा कि छात्रों और अभिभावकों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन अभिभावक खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते हैं। ऐसे में जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि वे इन समस्याओं को जिला प्रशासन के समक्ष रखें।

उन्होंने कहा कि शिक्षा हर छात्र का मौलिक अधिकार है, लेकिन वर्तमान में कुछ निजी स्कूलों में री-एडमिशन को लेकर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि ऐसे स्कूलों को चिह्नित कर अभिभावकों से ली गई राशि वापस कराई जाए या आगामी माह की फीस में समायोजित किया जाए राजेश सिन्हा ने यह भी कहा कि जिला प्रशासन द्वारा ड्रॉपआउट छात्रों को लेकर हाल के दिनों में की गई पहल सराहनीय है और इससे सरकारी विद्यालयों में छात्रों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने गिरिडीह प्रखंड के पचंबा थाना क्षेत्र अंतर्गत मुसफडीह का उदाहरण देते हुए बताया कि एक वर्ष में करीब 100 छात्र-छात्राएं ड्रॉपआउट हुए हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है और संबंधित जिम्मेदारों पर सवाल खड़े करता है वहीं, आईसा के गिरिडीह शहर प्रभारी रेहान ने कहा कि झारखंड सरकार शिक्षा को बढ़ावा देने के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति संतोषजनक नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग निजी और सरकारी विद्यालयों को सही दिशा देने में विफल साबित हो रहा है माले के ब्रांच कमेटी सदस्य नौशाद आलम ने भी कहा कि अधिकांश स्कूलों में सुधार दिख रहा है, लेकिन कुछ स्कूलों की मनमानी और दबंगई नीति के खिलाफ माले लगातार आवाज उठाता रहेगा। उन्होंने सरकार और प्रशासन से शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और सुधार लाने की मांग की।

ओवरलोडेड वाहनों पर प्रशासन का डंडा, एक जब्त, चार से 86 हजार जुर्माना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर जिले में ओवरलोडेड वाहनों के खिलाफ सख्ती तेज कर दी गई है। इसी कड़ी में सोमवार को जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष कुमार के नेतृत्व में बगोदर थाना क्षेत्र के पास जीटी रोड पर सघन जांच अभियान चलाया गया।

जांच के दौरान भारी मालवाहक वाहनों ट्रक, ट्रेलर और डंपर की विशेष रूप से जांच की गई। इस अभियान में एक ओवरलोडेड वाहन को जब्त किया गया, जबकि चार अन्य वाहनों से कुल 86 हजार रुपये का चालान वसूला गया। जांच में पाया गया कि ये वाहन निर्धारित क्षमता से अधिक माल लेकर चल रहे थे, जो न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन है, बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करता है मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी ने वाहनों के कागजातों की भी जांच की और नियमों के उल्लंघन पर तत्काल कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि ओवरलोडिंग सड़क दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण है, इसलिए वाहन चालक और मालिक निर्धारित मानकों का पालन करें इस अभियान में पुलिस विभाग की भी सक्रिय भागीदारी रही, जिससे जांच कार्य और अधिक प्रभावी ढंग से संपन्न हुआ। प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।जिला परिवहन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि आगे भी इस तरह का अभियान जारी रहेगा। प्रशासन का मानना है कि इस पहल से न केवल यातायात व्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

21 थाना प्रभारियों का तबादला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले के पुलिस महकमे में व्यापक फेरबदल करते हुए एसपी डॉ. विमल कुमार ने 21 थाना प्रभारियों का तबादला कर दिया है। इस कदम को प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार सभी नवपदस्थापित अधिकारियों को अविलंब अपने-अपने थाना क्षेत्र में योगदान देने का निर्देश दिया गया है।

नगर थाना में पदस्थापित एसआई एलुल हक को अहिल्यापुर थाना का नया प्रभारी बनाया गया है, जबकि भरकट्टा ओपी प्रभारी अमन कुमार को बेंगाबाद थाना की जिम्मेदारी सौंपी गई है इसके अलावा जितेंद्र सिंह को पीरटांड़, श्रीकांत कुमार को डुमरी, बृजेश उरांव को ताराटांड़, बृजेश कुमार को धनवार, सोनू कुमार को पचंबा ओपी, क्षेत्रा कुमारी को देवरी, पिंटू कुमार को सरिया तथा राजेश कुमार को बगोदर थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है एसपी द्वारा किए गए इस बड़े फेरबदल को प्रशासनिक दृष्टिकोण से अहम माना जा रहा है। माना जा रहा है कि इस बदलाव से जिले में कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। साथ ही विभागीय स्तर पर अन्य तबादलों की सूची भी जारी की गई है और अधिकारियों को शीघ्र नई जिम्मेदारी संभालने के निर्देश दिए गए हैं।

सिन्दूर, हजारीबाग में शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवीन सिन्हा (हजारीबाग ब्यूरो)। हजारीबाग जिले के सिन्दूर गांव में 13 अप्रैल 2026 से श्री श्री 1008 शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन प्रारंभ हो गया, जिसके अंतर्गत सह रुद्र महायज्ञ भी विधिवत शुरू हुआ। पहले दिन सोमवार को श्रद्धा एवं भक्ति के माहौल में भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं एवं श्रद्धालु शामिल हुए। कलश यात्रा में पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, कांग्रेसी नेता मुन्ना सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

यात्रा पूरे गांव में भ्रमण कर यज्ञ स्थल पहुंची, जहां वैदिक रीति-रिवाजों के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान मंडप प्रवेश, वेदी पूजन, जलाधिवास एवं अन्नाधिवास जैसे वैदिक अनुष्ठान संपन्न हुए। संध्या के समय आरती, पुष्पांजलि, भोग निवेदन एवं प्रसाद वितरण किया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा। आयोजकों के अनुसार यह पांच दिवसीय आयोजन 17 अप्रैल तक चलेगा, जिसमें सह रुद्र महायज्ञ के अंतर्गत प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 14 अप्रैल को अग्नि उत्पन्न कर हवन आरंभ, नगर भ्रमण एवं अन्य अनुष्ठान होंगे। 15 अप्रैल को शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा, 16 अप्रैल को माता का भव्य जागरण तथा 17 अप्रैल को देवी-देवताओं का विसर्जन, ब्राह्मण भोजन एवं भंडारा के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। महायज्ञ के यज्ञाचार्य मनोज पांडेय (महंत एवं धमाचार्य, झारखंड प्रदेश) हैं, जबकि आचार्य धीरज पाण्डेय (वेदज, पदमा) एवं आचार्य दिनेश पाण्डेय (सिन्दूर) द्वारा वैदिक अनुष्ठानों का संचालन किया जा रहा है। आयोजन समिति में अध्यक्ष बसंत मेहता, उपाध्यक्ष रामटहल मेहता, सचिव निर्मल मेहता, कोषाध्यक्ष राकेश प्रसाद उर्फ पप्पू के मुख्य संरक्षक वकील महतो बृज किशोर प्रसाद मेहता दसों प्रसाद मेहता सरजू प्रसाद संरक्षक रामपाहाल मेहता जागेश्वर मेहता जय लाल मेहता सुरेंद्र मेहता अर्जुन मेहता श्रीकांत कुमार भोला मेहता राम जी मेहता नरेश मेहता अशोक कुशवाहा प्रकाश मेहता राजेश कुमार पिंटू यादव संतोष सहित अन्य सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वहीं पुजारी के रूप में राजेश मेहता, दिलीप कुमार, राकेश प्रसाद, सत्येन्द्र मेहता एवं उमेश मेहता अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मुख्य अतिथियों में सांसद मनीष जायसवाल, विधायक प्रदीप प्रसाद, बालेश्वर प्रसाद मेहता सहित अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति भी प्रस्तावित है। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस धार्मिक अनुष्ठान में भाग लें और धर्म लाभ प्राप्त करे।

शाहाबाद की संस्कृति से ओतप्रोत है झारखंड

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मोरहाबादी मैदान स्थित प्रेस क्लब सभागार में "शाहाबाद का गौरवशाली इतिहास और इसका झारखंड से सम्बन्ध" विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें बिहार के शाहाबाद प्रक्षेत्र और झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों से आए बुद्धिजीवियों ने शिरकत की। कार्यक्रम का उद्घाटन आयोजन समिति के अध्यक्ष अखिलेश कुमार जस्टिस एस एन पाठक, आइआरएस अधिकारी विजय मुंडा, प्रिया मुंडा, गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के सचिव गोविंद नारायण सिंह और कर्नल राजेश कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद सभी आगंतुकों को अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। उद्घाटन भाषण में आयोजन समिति के अध्यक्ष अखिलेश कुमार ने कहा कि प्रशासनिक रूप से विभाजन होकर भले हीं राज्य अलग हो गया है परंतु झारखंड शाहाबाद के संस्कृति से ओतप्रोत है। उन्होंने कहा कि झारखंड के हर कोने में बसे खासकर उरांव समाज के

लोगों के पूर्वज रोहतासगढ़ के मूल निवासी थे और सांस्कृतिक तथा भावनात्मक प्रभाव आज भी क़ायम है। जिसमें निरंतरता बनाए रखते हुए उसे और मजबूती प्रदान करने की जरूरत है। अखिलेश कुमार ने कहा कि झारखंड के निर्माण में शाहाबाद तथा भोजपुरी भाषी लोगों ने भी अहम भूमिका निभाई है। जस्टिस डॉ एस ए पाठक ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर हमला करते हुए कहा कि वे चुनाव के दौरान असम में जाकर वहां रह रहे आदिवासियों के हालात पर तो आंसू बहा रहे हैं परंतु पड़ोसी राज्य बिहार के कैमूर पहाड़ी पर बसे आदिवासियों की सुध नहीं ली। डॉ पाठक ने कहा कि हमारे बिहार और झारखंड में हीं इतने प्राकृतिक सौंदर्य है कि इसके लिए काश्मीर शिमला या किसी हिल स्टेशन पर जाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने शाहाबाद से झारखंड के ऐतिहासिक सांस्कृतिक सम्बंधों पर विस्तार से चर्चा की। वहीं आइआरएस अधिकारी विजय कुमार मुंडा ने कहा कि झारखंड के आदिवासी संस्कृति और शाहाबाद के संस्कृति में काफी समानता है और इसे और प्रगाढ़ करने की जरूरत है। सेमिनार में बिहार से आए गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के सचिव गोविंद नारायण सिंह ने शाहाबाद के ऐतिहासिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं सेवानिवृत्त जिला जज शिवनारायण सिंह, समाजिक कार्यकर्ता प्रिया मुंडा, रांची सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ विमलेश सिंह, कर्नल राजेश कुमार, धर्मेंद्र तिवारी, आदि ने भी संबोधित किया। जबकि संचालन संजय पासवान तथा धन्यवाद ज्ञापन भूषण उरांव ने की। सेमिनार में झारखंड के रांची, रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो, धनबाद सहित विभिन्न जिलों के अलावा बिहार से आए लोगों ने भी शिरकत की।

मुरहू में सरहुल महापर्व की भव्य शोभायात्रा, हजारों लोग हुए शामिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। मुरहू प्रखंड में प्रकृति के पावन पर्व सरहुल के अवसर पर भव्य शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। प्रखंड की सभी 16 पंचायतों से आए ग्रामीण पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित होकर गीत-संगीत और नृत्य के साथ उत्सव में शामिल हुए।

शोभायात्रा मुरहू लक्ष्मी नारायण विद्यालय मैदान से शुरू होकर गोड़ाटोली मैदान में समाप्त हुई। मार्ग में विभिन्न संगठनों द्वारा पानी और शर्बत का वितरण किया गया। सरहुल पर्व प्रकृति पूजा का प्रतीक है, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक नियमों के पालन का संदेश दिया जाता है। इस दौरान आयोजित सरहुल मिलन समारोह में सभी वर्गों के लोगों ने एक साथ उत्सव का आनंद लिया। कार्यक्रम में गौतम मुंडा, देवमन पुर्ति, चन्द्र प्रभात मुंडा, विनय गुप्ता, डीएन तिवारी, रामहरि साव सहित हजारों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने कोषागार से राशि निकासी में पूर्ण सतर्कता बरतने के दिये निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त आर० रॉनिटा की अध्यक्षता में वित्तीय अनुशासन एवं विपत्रों की निकासी से पूर्व आवश्यक सावधानियों के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, सभी प्रखंड एवं अंचल अधिकारी, सभी डीडीओ सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा कोषागार से राशि निकासी में पूर्ण सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। उन्होंने विशेष रूप से स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पुलिस विभाग जैसे अधिक कर्मी संख्या वाले विभागों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता पर बल दिया। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में ओटीपी को

असावधानीपूर्वक साझा न किया जाए, ताकि वित्तीय अनियमितताओं से बचाव सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही सभी पदाधिकारियों को वित्तीय वर्ष 2025-26 में किए गए निकासी का मिलान कर सत्यापन रिपोर्ट अनिवार्य रूप से साझा करने का निर्देश दिया गया। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि जिन बिलिंग क्लर्कों की एक ही स्थान पर तीन वर्षों से अधिक अवधि से पदस्थापन है, उनकी विस्तृत जानकारी अविलंब उपलब्ध कराई जाए। उपायुक्त ने कहा कि बिना पे-स्लिप के किसी भी प्रकार की वेतन निकासी कदापि न की जाए तथा सभी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

आशा भोसले के निधन पर श्रद्धांजलि, संगीत जगत को अपूरणीय क्षति

खूंटी/नबिटा संवाददाता। बॉलीवुड की सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका आशा भोसले के निधन पर अखिल भारतीय संस्कृति विकास महासंघ, झारखंड प्रदेश द्वारा गहरा शोक व्यक्त किया गया। संगठन के सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष तपन कुमार घोष ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि लता मंगेशकर के बाद आशा भोसले का निधन संगीत जगत के लिए एक बड़ी क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। इस अवसर पर महासचिव मार्शल बारला, उपाध्यक्ष डॉ. पी.के. विश्वास, डॉ. दीपक कुमार घोष, संगठन सचिव जितेंद्र कुमार पांडेय, सचिव प्रशांत कुमार, जयराम महतो, विश्वनाथ गंझू, गणेश लोहार, बिरसा लोहरा, कोषाध्यक्ष किशोर ठाकुर सहित कई सदस्यों ने शोक व्यक्त किया और श्रद्धांजलि अर्पित की।

झारखंड में 48 घंटे के भीतर 5 डिग्री उछला पारा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में गर्मी अब तेजी से तेवर दिखाने लगी है। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में पिछले 24 घंटे के दौरान तापमान में स्पष्ट बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मौसम केंद्र, रांची के ताजा आंकड़ों के अनुसार कई शहरों में पारा सामान्य के आसपास या उससे ऊपर पहुंच गया है, जिससे लोगों को गर्मी का एहसास बढ़ने लगा है। खास बात है कि पिछले 48 घंटों में अधिकतम तापमान में 5 डिग्री का इजाफा रिकॉर्ड हुआ है।

जमशेदपुर का पारा 39 डिग्री पहुंचा

सबसे ज्यादा गर्मी पलामू प्रमंडल के डाल्टनगंज में रिकॉर्ड की गई, जहां अधिकतम तापमान 39।8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। यह राज्य

में बीते 24 घंटे का सबसे अधिक तापमान रहा। वहीं, जमशेदपुर भी पीछे नहीं रहा, यहां पारा 39.0 डिग्री तक दर्ज किया गया, जो सामान्य से थोड़ा कम होने के बावजूद लगातार बढ़त दिखा रहा है। राजधानी रांची की बात करें तो यहां अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 1.1 डिग्री कम है, लेकिन पिछले 24 घंटे में इसमें 2.8 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। बोकारो में अधिकतम तापमान 38.1 डिग्री और चाईबासा में 36.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम तापमान की बात करें तो गुमला में सबसे कम 16.8 डिग्री दर्ज किया गया, जिससे यहां सुबह-शाम हल्की ठंडक बनी हुई है। रांची में न्यूनतम तापमान 20.2 डिग्री और जमशेदपुर में 24.7 डिग्री दर्ज किया गया।

भगवान महावीर की पावन धरा जमुई पर अत्या-पत्या खेल हुआ अवतरित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। जिला के खेल इतिहास में पहली बार ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल जमुई के मैदान पर पारंपरिक एवं स्वदेशी अत्या -पात्या खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला अत्या-पात्या खेल संघ के अध्यक्ष सह अवकाश प्राप्त पुलिस अधिकारी अजय कुमार सिंह, विद्यालय के निदेशक सह संगठन के सचिव डॉ. मनोज कुमार सिन्हा, विद्यालय की सचिव कुसुम सिन्हा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और नारियल फोड़कर खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। खेल कुंभ उत्सवी माहौल में जारी है। जिलाध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने मौके पर कहा कि यह खेल भारत के खेल संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। फुर्ती , संतुलन , सहनशक्ति और टीम भावना को जागृत करता है। नामित खेल खो खो और कबड्डी का मिश्रण है। कम संसाधनों में इसे खेला जा सकता है। स्कूली पढ़नहारों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए यह खेल अत्यंत लाभकारी है।

श्री सिंह ने विभिन्न विद्यालयों के साथ जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में इस खेल को बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने बाजीगरों के स्वर्णिम भविष्य की कामना की। निदेशक सह सचिव डॉ. मनोज कुमार सिन्हा ने मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि रग्बी के बाद इस खेल को जमुई की धरती पर अवतरित करने में उन्हें और उनके विद्यालय को गर्व हो रहा है। उन्होंने इस खेल के समुचित विकास किए जाने की बात कही। वहीं राज्य उद्घोषक सह ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के मुख्य संरक्षक डॉ.निरंजन कुमार ने कहा कि ओलंपिक , कॉमनवेल्थ और एशिया खेल प्रतियोगिता से अत्या-पात्या को विलग करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने संगठन के ओहदेदारों से आग्रह करते हुए कहा कि वे इस तथ्य को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उजागर कर पुनः प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में शामिल कराएं ताकि इसके बाजीगरों को भी मेडल लाओ-नौकरी पाओ की दौड़ में शामिल होने का अवसर मिले। डॉ.कुमार ने अत्या-पात्या खेल के बाजीगरों को ह्रदयतल से शुभकामना दी। विद्यालय सचिव कुसुम सिन्हा, प्रशिक्षक अंकुर कुमार आदि ने भी उद्घाटन सत्र को संबोधित किया और अंकित खेल की विस्तार से चर्चा की। खेल शिक्षक अनिल कुमार सिन्हा ने आगंतुकों को पुष्प गुच्छ और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। साथ ही मंच संचालन का दायित्व निभाया। उद्घाटन सत्र के बाद शिवाजी हाउस और टैगोर हाउस के बीच नामित खेल खेला गया। शिवाजी हाउस ने जीत हासिल की वहीं टैगोर हाउस को उप विजेता घोषित किया गया। मेहमानों ने विजेता टीम के कप्तान प्रिंस कुमार और उप विजेता टीम के कैप्टन विकास कुमार के साथ नामित बाजीगरों को ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर भारी संख्या में छात्र-छात्रा उपस्थित थे। सबों ने इस पारंपरिक खेल का जमकर आनंद लिया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर महिलाओं ने सुना पीएम का संबोधन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर आज सोमवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नारी शक्ति वंदन' सम्मेलन में दिए गए संबोधन का लाइव प्रसारण सुना गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। पीएम ने कहा कि यह पहल देश की राजनीति और निर्णय-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी को और अधिक मजबूत करेगी।

पीएम ने इस बात पर जोर दिया कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में महिला नेतृत्व की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी तथा महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से देश के विकास को नई

गति और दिशा मिलेगी। प्रधानमंत्री के संबोधन से महिलाएं उत्साहित दिखीं। सभी ने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक नई शुरुआत और दूरगामी प्रभाव डालने वाला निर्णय बताया। पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर ने कहा कि आगामी 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र स्वर्णाक्षरों में अंकित होगा। जब कभी भी देश की प्रगति का इतिहास लिखा गया है महिलाओं का योगदान अतुलनीय है। आजाद भारत में फिर एकबार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में नारी शक्ति को भारत को विकसित भारत बनाने की जिम्मेदारी मिलने जा रही है।

बीपीएससी सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी परीक्षा की तैयारियां पूर्ण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी प्रतियोगिता परीक्षा को पूरी तरह कदाचारमुक्त, स्वच्छ और पारदर्शी वातावरण में संपन्न कराने के लिए जमुई जिला प्रशासन ने अपनी सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इसी कड़ी में आज से शुरू होने वाली इस महत्वपूर्ण परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर समाहरणालय स्थित संवाद कक्ष में जिलाधिकारी नवीन कुमार और पुलिस अधीक्षक की संयुक्त अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई। इस बैठक के माध्यम से जिले के सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों और केन्द्राधीक्षकों को परीक्षा की गरिमा अक्षुण्ण रखने हेतु कड़े दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता परीक्षा की शुचिता को बनाए रखना है। उन्होंने

सभी अधिकारियों को आयोग द्वारा निर्धारित नियमों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि समय की पाबंदी इस परीक्षा का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी और पुलिस बल सुबह 07:30 बजे ही अपने आवंटित केंद्रों पर उपस्थिति दर्ज कराएंगे। अभ्यर्थियों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे प्रथम पाली के लिए सुबह 09:00 बजे और द्वितीय पाली के लिए दोपहर 01:30 बजे से पूर्व अपनी एंट्री सुनिश्चित कर लें, क्योंकि निर्धारित समय सीमा के पश्चात किसी भी परिस्थिति में केंद्र के भीतर प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए बताया कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है और सुरक्षा के दृष्टिकोण से त्रि-स्तरीय घेरा तैयार किया गया है।

सभी केंद्रों के आसपास बीएनएसएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी, जिससे अनधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश पूर्णतः वर्जित होगा। अभ्यर्थियों की सघन तलाशी के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं, जिसमें महिला अभ्यर्थियों की जांच हेतु महिला पुलिस कर्मियों की विशेष प्रतिनियुक्ति की गई है। आधुनिक तकनीकी निगरानी के तहत सभी केंद्रों पर जैमर, सीसीटीवी कैमरे और वीडियोग्राफी की व्यवस्था की गई है ताकि किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या अनुचित साधनों के प्रयोग को पूरी तरह विफल किया जा सके। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखने के लिए जिला मुख्यालय में एक नियंत्रण कक्ष क्रियाशील रहेगा। जिला प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा में सम्मिलित हों और किसी भी भ्रामक सूचना या अनुचित साधनों के प्रभाव में न आएं। इस व्यापक तैयारी का उद्देश्य मेधावी छात्रों को एक ऐसा निष्पक्ष वातावरण प्रदान करना है जहाँ वे बिना किसी बाधा के अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर सकें।

यूथ विंग का रक्तदान शिविर, एक दिन में 250 यूनिट रक्त संग्रह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। 'रक्तदान महादान' इसे हजारीबाग वासियों ने साबित कर दिखाया है। यूथ विंग और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 250 यूनिट रक्त रक्तदाताओं ने दान किया है। यह अब तक का हजारीबाग में सबसे बड़ा रक्तदान शिविर बताया जा रहा है।

लगातार तीन वर्षों से रक्तदान शिविर का आयोजन

हजारीबाग में यूथ विंग के द्वारा रक्तदान शिविर में लगभग 250 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। हजारीबाग में यह अब तक का सबसे बड़ा रक्तदान शिविर बताया जा रहा है। यूथ विंग हजारीबाग में युवाओं की टोली है जो छात्र, पत्रकार, व्यवसायी और राजनेताओं का समूह है। यूथ विंग पिछले 3 वर्षों से लगातार रक्तदान

शिविर का आयोजन कर रहा है। इस बार लगभग 250 यूनिट रक्त रक्तदाताओं ने दान किया है। निर्धारित समय से ही हजारीबाग के लोग खुद से रक्तदान करने के लिए पहुंचते हुए दिखे। जिला में इन दिनों रक्त की कमी भी है। खासकर थैलेसीमिया मरीजों को काफी अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है।

रघुबिगहा ने कुरमा को क्रिकेट टूर्नामेंट में किया पराजित

दाउदनगर (औरंगाबाद)/ नबिटा संवाददाता। । प्रखंड के सिंदुआर ग्राम में सिंदुआर प्रीमियर लीग नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन रविवार की रात को किया गया। इसमें कुल 16 टीमों ने भाग लिया। टूर्नामेंट का फाइनल मैच रघुबिगहा और कुरमा के बीच खेला गया। कुरमा ने पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए आठ ओवर में 10 विकेट गंवाकर कुल 105 रन बनाया। वहीं सामना करते हुए रघुबिगहा की टीम ने सात ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए जीत हासिल कर लिया। टूर्नामेंट के मैन ऑफ द मैच रघुबिगहा टीम के कल्लू कुमार और मैन ऑफ द सीरीज कुरमा के गोलू कुमार को दिया गया। विजेता टीम रघुबिगहा में कैप्टन भोला पटेल के अलावा राजा पटेल, निशांत पटेल, कल्लू, छोटू, बिट्टू अंकुश, अंकित, जट्टा, यशवंत, चिंटू आदि ने भाग लिया।

18 अप्रैल से औरंगाबाद में शुरू होगा श्री रुद्र महायज्ञ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। शहर के वार्ड नंबर 4 स्थित रामाबांध में 18 अप्रैल से श्री श्री 1008 श्री शिव प्राण प्रतिष्ठा सह श्री रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ होगा। इस महायज्ञ में 18 से लेकर 23 अप्रैल तक अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक श्याम दास जी महाराज के द्वारा शाम 7 बजे से प्रतिदिन श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा।

यज्ञ समिति के सदस्यों ने बताया कि परम पूज्य त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के शिष्य पूज्य जीयर स्वामी जी महाराज के सानिध्य में यह महायज्ञ काशी, प्रयागराज, वृंदावन, अयोध्या से आए हुए आचार्य द्वारा संपन्न किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 18 अप्रैल को जल यात्रा, 19 अप्रैल को हवन प्रारंभ, 20 अप्रैल को अन्नाधिवास, 21 अप्रैल को फलाधिवास, 22 अप्रैल को नगर भ्रमण, 23 अप्रैल को प्राण प्रतिष्ठा एवं 24 अप्रैल को पूर्णाहुति के साथ महाभंडारा का आयोजन किया जाएगा। इस महायज्ञ का आयोजन होने से आसपास का माहौल भक्तिमय में हो गया है और सभी लोग इसकी तैयारी में दिन-रात लगे हुए हैं।

अंबेडकर विचार मंच की अंतिम समीक्षा बैठक संपन्न

रफीगंज/नबिटा संवाददाता। प्रखंड क्षेत्र के एक निजी भवन में अंबेडकर विचार मंच द्वारा अंबेडकर जयंती के सफल आयोजन को लेकर अंतिम समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रामा शिश दास ने की। बैठक में आगामी 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। खासकर गांव-गांव से आने वाली झांकियों को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही नई प्रतिमा लाने की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। 14 अप्रैल को भव्य बाबासाहेब का झांकी निकाली जाएगी जिसमें रफीगंज विभिन्न पंचायत गांव से लोग आकर इसमें शामिल होंगे।

अंबेडकर जयंती से पूर्व भाजपा कार्यकर्ताओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के पूर्व सोमवार को रफीगंज प्रखंड परिसर में एक सराहनीय पहल देखने को मिली। भाजपा कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर परिसर में स्थापित बाबा साहब की प्रतिमा एवं आसपास के स्थल की साफ-सफाई की। इस स्वच्छता अभियान के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने समाज को स्वच्छता और सम्मान का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने पूरे परिसर की सफाई करते हुए प्रतिमा स्थल को सुसज्जित किया, जिससे जयंती समारोह के पूर्व वातावरण स्वच्छ एवं आकर्षक बन सके। इस मौके पर स्वच्छता

के प्रति समर्पित स्वच्छताग्राहियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यकर्ताओं ने उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि समाज को स्वच्छ रखने में इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर दीनानाथ विश्वकर्मा, सुबोध कुमार सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष सह प्रखंड कार्यान्वयन समिति उपाध्यक्ष संतोष कुमार साहू, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष बबलू सिंह, महामंत्री बालगोविंद साहू, लड्डू खान सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने कहा कि बाबा साहब के विचार आज भी समाज को दिशा देने का काम कर रहे हैं। उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए स्वच्छता, समानता और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना हम सभी की जिम्मेदारी है।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

ई-निविदा सूचना सं.: टीआरडी-एडीए-ई-टेंडर-03-2026, दिनांक 09.04.2026; भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से सहायक मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, दक्षिण पूर्व रेलवे/आद्रा द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का विवरण:** आद्रा-कॉन्टैक्ट वायर की ऊँचाई में सुधार। **अनुमानित निविदा मूल्य:** रु. 6,72,53,616.30; उपरोक्त कार्यों के लिए **ई-निविदा के बंद होने की तारीख एवं समय:** 30.04.2026 को अपराह्न 3.00 बजे तथा **निविदा** दिनांक 30.04.2026 को अपराह्न 3.00 बजे के उपरांत **खोली जाएगी।** उपरोक्त ई-निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। **(PR-38)**

सड़क हादसा में बाइक सवार युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा। एकमा थाना क्षेत्र में छपरा-सिवान नेशनल हाईवे-531 पर माने मठिया गांव के समीप सोमवार अपराह्न एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बाइक पर सवार दो युवक सामने से आ रहे अज्ञात वाहन से टक्कर के बाद गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। बताया गया है कि दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों एवं पुलिस की मदद से घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, एकमा लाया गया। जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉ. कौशलेंद्र कुणाल ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, छपरा रेफर कर दिया।

मृतक की पहचान रसूलपुर थाना क्षेत्र के देवपुरा गांव निवासी प्रताप प्रसाद के 22 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक की पहचान उसी गांव के रामेश्वर साह के 22 वर्षीय पुत्र विशाल कुमार साह के रूप में की गई है। चिकित्सकों के अनुसार घायल विशाल की हालत भी नाजुक बनी हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही एकमा थानाध्यक्ष रामबालक यादव के निर्देश पर पुलिस मौके पर पहुंची आवश्यक कार्यवाही और जांच में जुट गई। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद परिजन थाने एवं अस्पताल पहुंच गए। इस दौरान परिजनों में चीख-पुकार मच गई और माहौल गमगीन हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि दोनों युवक बाइक से घायल युवक विशाल कुमार साह की बहन के घर जा रहे थे। इसी दौरान एकमा से दाउदपुर की ओर जाते समय माने मठिया गांव के पास सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, छपरा भेज दिया है। वहीं फरार वाहन एवं चालक की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है।

जनगणना-2027 को ले तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

चार चरणों में 24 अप्रैल तक चलेगा प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। बारुण प्रखंड स्थित केशव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,सोननगर के प्रांगण में भारत की जनगणना 2027 कार्यक्रम के निमित्त प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकान की गणना करने वास्ते प्रखंड स्तरीय प्रगणक एवं पर्यवेक्षक का त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड चार्ज जनगणना अधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी नीरज कुमार, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी उपेंद्र कुमार एवं अन्य प्रशिक्षकों ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन के क्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि यह अति महत्वपूर्ण कार्यक्रम है और इसके प्रशिक्षण ले रहे हैं सभी प्रशिक्षु अपना-अपना दायित्व जिम्मेवारी पूर्वक निभाएंगे। उन्होंने बताया कि 2011 अर्थात 15 वर्षों के बाद यह जनगणना

कार्यक्रम समायोजित किया जा रहा है। इस लिहाज से भी यह महत्वपूर्ण है कि जनगणना के माध्यम से भारत सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाएं इसी से संचालित होती हैं। साथ-साथ यह भी बताया कि जनगणना हमारे मानव विकास सूचकांक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके माध्यम से यह पता चलता है कि विभिन्न स्त्रोतों का संचालन किस माध्यम से किया जाना है।

प्रशिक्षु अपने-अपने दायित्वों का करें निर्वहन : बीडीओ

प्रशिक्षण का कार्यक्रम चार चरणों में आयोजित किया गया है। प्रथम चरण 15 अप्रैल तक, द्वितीय चरण 16 अप्रैल से 18 अप्रैल तक, तृतीय चरण 19 अप्रैल से 21 अप्रैल तक तथा चतुर्थ चरण 22 अप्रैल से 24 अप्रैल तक आयोजित की गई है।

प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी ने बताया कि 2 मई से सभी प्रगणक अपने-अपने चिन्हित कार्यस्थल पर जाएंगे और मकान सूचीकरण का कार्य की शुरूआत करेंगे साथ ही साथ या सारी जनगणना का कार्यक्रम डिजिटलाइजेशन मोड में किया जाएगा। प्रशिक्षक के रूप में ज्योति शंकर,योगेंद्र कुमार दुबे, हेमंत कुमार निराला,अमित कुमार सिंहा,गुड्डु कुमार, शशि भूषण लाल ने सराहनीय भूमिका निभाई। मौके पर विजेंद्र कुमार, प्रशांत प्रियदर्शी, अख्तर खान, उमेश कुमार सिंह, उपेंद्र कुमार,सहित अन्य उपस्थित थे।

नोट डबलिंग के नाम पर लाखों की ठगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेतिया। पश्चिमी चंपारण जिले के इनरवा थाना क्षेत्र के पिराडी गांव में नोट डबलिंग के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाली महिला और उसके दामाद को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मैनाटांड़ थाना क्षेत्र के बस्ठा गांव निवासी वोजरे आजम की पत्नी बेबी खातून अपने दामाद मोहम्मद राजबाबू के साथ गिरफ्तार की गई है। गिरफ्तार राजाबाबू उत्तर प्रदेश के लखनऊ का रहने वाला है।

दोनों ने मिलकर पिराडी गांव की करीब एक दर्जन महिलाओं से नोट डबलिंग के नाम पर ठगी की है। रविवार को दोनों फिर से अन्य महिलाओं को शिकार बनाने के उद्देश्य से पिराडी गांव पहुंचे थे।

इसी दौरान ग्रामीणों को शक हुआ और उन्होंने दोनों को पकड़कर इनरवा पुलिस के हवाले कर दिया। ठगी की शिकार एक महिला ने इनरवा थाने में आवेदन देकर

सास और दामाद गिरफ्तार

मामला दर्ज कराया है।

थानाध्यक्ष लवकांत शर्मा ने बताया कि भंगहा थाना क्षेत्र के नगरदेही गांव निवासी विनोद साह की पत्नी लालचूनी देवी ने आवेदन में उल्लेख किया है कि करीब दो वर्ष पूर्व बेबी खातून ने नोट डबलिंग के नाम पर उनसे पांच लाख रुपये लिए थे और रकम दोगुनी कर लौटाने का भरोसा दिया था।

पीड़िता ने बताया कि अब तक एक भी रुपया वापस नहीं किया गया है। पैसे मांगने पर बेबी खातून द्वारा धमकी भी दी जाती थी। थानाध्यक्ष ने बताया कि इस मामले में बेबी खातून सहित चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस ने बेबी खातून और उसके दामाद राजबाबू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

स्वच्छ फल्गु , स्वच्छ गयाजी अभियान के तहत पंचायती अखाड़ा- बहादुरगीर में श्रमदान से हुई साफ- सफाई

लोगों से श्रमदान की अपील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। स्वच्छ फल्गु, स्वच्छ गयाजी अभियान के बैनर के तले आज गयाजी के पंचायती अखाड़ा-बहादुरगिर घाट पर स्थानीय लोगों के सहयोग से फल्गु नदी में साफ- सफाई का काम श्रमदान से किया गया तथा लोगों को जागरुक करते हुए सप्ताह के प्रत्येक रविवार को इस कार्य को करने का संकल्प लिया गया।

अभियान के संयोजक विजय कुमार मिट्ठू,सह संयोजक टिंकू गिरी, नंद लाल यादव, प्रमोद यादव, ओम प्रकाश निराला, विनोद कुमार, राम दास मांझी, सुदर्शन प्रसाद, रवीन्द्र कुमार, सूबेदार रविदास आदि ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध अंतह सलीला मोक्ष दायिनी फल्गु नदी घनी आबादी वाले क्षेत्रों में झाड़ियां, कूड़ा, तथा गंदगी से भरे रहने के कारण गया वासियों ने यह संकल्प लिया है कि फल्गु के पूर्वी छोर के सलेमपूर से अलीपूर तक तथा पश्चिमी छोर पर केंदुई से कंडी तक स्वच्छ एवं साफ रखने का काम श्रमदान से करेंगे।

नेताओं ने कहा कि फल्गु नदी के पश्चिमी छोर पर प्रस्तावित बोधगया से चाकन्द तक मैरीन ड्राईव का निर्माण कार्य शुरू करने तथा पूर्वी छोर पर बसतपूर से खिजरसराय तक भी मैरीन ड्राईव बनाने की मांग सरकार से किया है। नेताओं ने फल्गु नदी के पूर्वी एवं पश्चिमी छोरों पर स्थित ऐतिहासिक, पुरानी घाटों जैसे केंदुई घाट, डण्डी बाग घाट, श्मशान घाट, विष्णु पद घाट, देव घाट, गायत्री घाट, ब्राह्मणी घाट, पिता महेश्वर घाट, महादेव घाट, सीढिया घाट, किरानी घाट, राय बिंदेशवरी घाट, मोरीया घाट, रामशीला घाट, कंडी घाट तथा पूर्वी छोर के सीता कुंड घाट, सलेमपूर घाट, लखीबाग घाट , भास्कर घाट, दिनकर घाट, जनकपुर घाट, मानपूर घाट, पटवा टोली घाट, अलीपूर घाट, शादीपूर घाट का सौंदर्यीकरण आदि कराने की मांग राज्य सरकार से किया।

लव जिहाद में किशोरी की हत्या

दरभंगा। कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां घर से भागी एक किशोरी की हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस गांव में कैंप कर रही है और स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

बताया जाता है कि नाबालिग लड़की को दूसरे समुदाय के लड़के ने प्रेम प्रसंग में बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा लिया था। मृतका के पिता ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद उसकी बेटी पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जा रहा था। उन्होंने कहा कि जब उनकी बेटी ने धर्म परिवर्तन से इनकार किया, तो आरोपी के परिवार वालों ने उसकी हत्या कर दी।

कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र के हिरणी पंचायत निवासी मृतका के पिता ने अपने लिखित आवेदन में कहा है कि मो. साबिर का बेटा मो. उजाला 13 जनवरी 2026 को उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर और झांसा देकर भगा ले गया था। काफी खोजबीन के बाद जानकारी मिली कि उनकी बेटी आरोपी के साथ है, जिसके बाद उन्होंने थाने में आवेदन देकर बेटी की तलाश की गुहार लगाई थी।

जनगणना को ले प्रशिक्षण शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। भारत की आगामी जनगणना 2027 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से शिवाजीनगर प्रखंड स्तर पर प्रगणक एवं पर्यवेक्षक के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को किया गया। यह प्रशिक्षण उच्च माध्यमिक विद्यालय, के सभागार भवन में आयोजित किया जा रहा है कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रामजन्म सिंह, प्रखंड कृषि पदाधिकारी तथा प्रखंड प्रमुख डॉ. गोविंद कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन सत्र में अधिकारियों ने प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं का आधार होती है, इसलिए इसमें जुटे सभी कर्मियों को पूरी निष्ठा एवं सावधानी के साथ कार्य करना होगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम दो पालियों में संचालित किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक कर्मियों को प्रशिक्षित किया जा सके। पहली पाली में 36 एवं दूसरी पाली में 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को जनगणना के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी जा

रही है प्रशिक्षण के दौरान फील्ड ट्रेनर मृत्युंजय कुमार राय, मृत्युंजय कुमार सिंह, उमेश प्रसाद राय, अमित कुमार मिश्रा एवं संतोष कुमार ने प्रतिभागियों को मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित बारीकियों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि किस प्रकार घर-घर जाकर सटीक जानकारी एकत्र करनी है, किन-किन बिंदुओं का विशेष ध्यान रखना है तथा डेटा संग्रहण के दौरान होने वाली संभावित त्रुटियों से कैसे बचा जा सकता है इसके अलावा प्रशिक्षण में जनगणना प्रपत्रों को भरने की प्रक्रिया, डिजिटल माध्यमों के उपयोग, परिवार के सदस्यों की सही गणना, एवं गोपनीयता बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों के सवालों का जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान भी किया कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों से अपील की कि वे इस प्रशिक्षण को गंभीरता से लें और अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करें, ताकि जनगणना का कार्य त्रुटिरहित एवं समय पर पूरा हो सके यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी दिनों में भी जारी रहेगा, जिसमें प्रखंड के सभी चयनित कर्मियों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित किया जाएगा।

बच्ची के जन्म के बाद

सड़क पर भिड़े ससुराल एवं मायके पक्ष के लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। जिले मुख्यालय में बच्ची के जन्म के बाद जहां परिवार में खुशी का माहौल था, वहीं यह खुशी अचानक हिंसक विवाद में बदल गई। सदर अस्पताल के पास बीच सड़क पर ससुराल और मायके पक्ष के लोगों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई और लोग तमाशबीन बने रहे।

पूरा मामला हुलासगंज थाना क्षेत्र के विशुनपुर गांव से जुड़ा है। यहां के निवासी रवि कुमार ने अपनी बहन को प्रसव के लिए नगर थाना क्षेत्र के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया था, जहां महिला ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। मायके पक्ष में इसको लेकर खुशी थी, लेकिन ससुराल पक्ष के लोगों ने इस पर नाराजगी जताई। बताया जा रहा है कि उन्हें लड़की के जन्म और निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराने को लेकर आपत्ति थी।

ससुराल पक्ष ने अस्पताल के चयन और इलाज के खर्च को लेकर मायके वालों से बहस शुरू कर दी। इसी दौरान प्रसूता ने अपने पति सुजीत कुमार से 100 रुपये मांगे, जिस पर वह नाराज हो गया। गुस्से में बाहर निकलकर उसने अपनी पत्नी के भाई रवि कुमार के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी, जिससे विवाद और बढ़ गया।

विवाद बढ़ने पर सुजीत कुमार ने पास की गन्ने के जूस की दुकान से गन्ना उठा लिया और अपने हेलमेट के साथ रवि कुमार पर हमला कर दिया। इस हमले में रवि कुमार का सिर फट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सड़क पर हो रही इस घटना को देखकर बड़ी संख्या में लोग जुट गए, लेकिन किसी ने बीच-बचाव नहीं किया।

लोगों को भावुक किया मांझी का पत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। हम के संस्थापक एवं केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सीएम पद छोड़ने से पहले भावुक पोस्ट कर अपनी भावनाएं साझा की हैं। उन्होंने नीतीश कुमार को महामानव बताते हुए कहा कि उनके बिना बिहार अधूरा रहेगा।

मांझी ने सोमवार को नीतीश कुमार को संबोधित करते हुए एक्स पर लिखा- ३नीतीश जी, अगले चौबीस घंटे में बिहार के मुख्यमंत्री पद को छोड़ देंगें। सबको पता है कि आपका यह ख्वाब था कि आप देश के चारों सदनों के सदस्य रहें पर आपके इस ख्वाब ने करोड़ों दिलों को रुला दिया है।

मांझी ने आगे लिखा- नीतीश जी, बिहार ने कई मुख्यमंत्रियों को आते-जाते देखा है पर शायद यह पहला मौका है जब आपके मुख्यमंत्री पद छोड़ने की बातों को सुनकर ही करोड़ों लोगों की आंखों में आंसू भर आए हैं। उन्होंने आगे कहा कि भले ही मुख्यमंत्री पद को छोड़ने का फैसला आपका अपना फैसला है, जिसपर कोई सवाल नहीं खड़ा कर सकता पर बिहार आज गमजदा है। हर बिहारी कह रहा है- वी विल मिस यू ड्ढआप महामानव हैं। बिहार आपके बिना अधूरा है।

गौरतलब है कि एक सप्ताह से लगाए जा रहे कयासों के बाद आखिरकार सरकार ने 14 अप्रैल को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक आहूत कर ली है। जिसके बाद बैठक में सरकार द्वारा लिए जाने वाले निर्णय को लेकर सियासी हलचल बढ़ गई है।

ऐसी चर्चा है कि 14 अप्रैल की प्रस्तावित बैठक मौजूदा सरकार की अंतिम कैबिनेट बैठक हो सकती है। बैठक में मंत्रिमंडल के अपने सहयोगियों से चर्चा के बाद नीतीश कुमार राजभवन जाकर अपना इस्तीफा दे सकते हैं। नीतीश कुमार के इस्तीफा देने के बाद अगले दिन 15 अप्रैल तक यह साफ होने की संभावना है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री का ताज किसके सिर सजेगा।

नारी पैड बैंक का शुभारंभ

बेगूसराय। बेगूसराय के वीरपुर प्रखंड से एक बदलाव की शुरूआत हुई है। खरमौली वार्ड संख्या 9 में नारी पैड बैंक का शुभारंभ हुआ। इस पहल का मकसद महिलाओं को सस्ती और सुरक्षित सुविधा देना है। अब पीरियड्स को छुपाने नहीं, समझने और संभालने की बात हो रही है। गांव की महिलाओं और किशोरियों को बड़ा सहारा मिलेगा। यह कदम स्वास्थ्य और जागरूकता दोनों को मजबूत करेगा। महज 5 रुपये में एक बार रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके बाद पूरे साल मुफ्त सेनेटरी पैड मिलेंगे। गरीब और जरूरतमंद महिलाओं के लिए यह बड़ी राहत है। अब पैसे की वजह से कोई समझौता नहीं करना पड़ेगा। हर महिला सुरक्षित विकल्प चुन सकेगी। यह पहल सम्मान और सुविधा दोनों दे रही है।

यह सिर्फ पैड बांटने की योजना नहीं है। महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बताया जाएगा। गांव में फैली गलत धारणाओं को तोड़ा जाएगा।

किशोरियों को सही जानकारी देना मुख्य उद्देश्य है। स्वच्छता अपनाने से बीमारियों का खतरा कम होगा। सोच बदलने की दिशा में यह बड़ा कदम है। इस सेंटर की जिम्मेदारी रुक्मिणी कुमारी को दी गई है। स्थानीय महिलाओं को ही संचालन में शामिल किया गया है। इससे आत्मनिर्भरता और नेतृत्व को बढ़ावा मिलेगा। अधिकारी भी इस पहल को आगे बढ़ाने में जुटे हैं।

संपत्ति विवाद में भाई की हत्या

आरा। भोजपुर जिले के संदेश थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां संपत्ति बंटवारे के विवाद ने रिश्तों को खून में बदल दिया। आरोप है कि भाई ने ही अपने सगे भाई की हत्या कर दी। हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने के लिए शव को जमीन में दफना दिया गया।

घटना के खुलासे के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। लोग इस घटना को लेकर स्तब्ध और आक्रोशित हैं। पुलिस ने शव को सहार थाना क्षेत्र से बरामद किया। ननउर-बजरेयां गांव के पास ईंट-भट्ठा के नजदीक खेत से शव मिला। मजिस्ट्रेट की निगरानी में करीब आठ फीट खुदाई की गई। इसके बाद जमीन में दफन शव को बाहर निकाला गया। शव पर कई जख्म के निशान पाए गए हैं। जिससे हत्या की क्रूरता साफ झलकती है।

मृतक की पहचान 22 वर्षीय हीरो यादव के रूप में हुई। उनकी पत्नी मुन्नी देवी ने गंभीर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने ससुराल पक्ष के लोगों पर अपहरण और हत्या का केस दर्ज कराया। आरोप है कि संपत्ति विवाद को लेकर अक्सर मारपीट होती थी। घटना से पहले भी परिवार में तनाव बना हुआ था।

पेड़ से लटके मिले जीजा-साली के शव

सनसनी, पुलिस कर रही मामले की जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। बुंडू थाना क्षेत्र स्थित माझीटोला में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक पेड़ पर युवक और युवती के शव लटके मिले। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक युवक और युवती रिश्ते में जीजा-साली थे। दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध होने की बात सामने आ रही है। मृतकों की पहचान आरती कुमारी और अर्जुन पाहन के रूप में हुई है। आरती की उम्र 19 वर्ष जबकि अर्जुन की उम्र 28 वर्ष बताई गई है। दोनों कुछ समय से अपने-अपने घरों से लापता थे। बताया जा रहा है कि आरती की शादी की बातचीत चल रही थी। इसी बीच दोनों अचानक गायब हो गए थे। वहीं अर्जुन पाहन पहले से शादीशुदा था और उसके पारिवारिक जीवन को लेकर भी विवाद की बातें सामने आ रही हैं, जिससे मामले को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं।

पुलिस इस मामले में हत्या और आत्महत्या, दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ही घटना की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी तथ्यों की जांच की जा रही है।

घटना के बाद पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ शुरू कर दी है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि दोनों घटनास्थल तक कैसे पहुंचे और घटना से पहले किन-किन लोगों के संपर्क में थे। पूरे मामले की जांच अभी जारी है और पुलिस हर पहलू पर बारीकी से नजर बनाए हुए है।

स्कूली वैन पलटी, एक की मौत, कई घायल

मची चीख पुकार, लोगों ने किया सड़क जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। नवादा के गोविंदपुर प्रखंड में सोमवार सुबह बड़ा हादसा हुआ। कमालपुर के पास स्कूली वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना सुबह करीब सात बजे की बताई जा रही है। मगध सेंट्रल स्कूल के बच्चे वैन से स्कूल जा रहे थे। तीखे मोड़ पर तेज रफ्तार के कारण चालक नियंत्रण खो बैठा। देखते ही देखते खुशियों से भरी वैन हादसे में बदल गई।

हादसे के बाद बच्चों की चीख-पुकार गूंज उठी। पास के खेतों में गेहूं काट रहे किसान मौके पर दौड़े। किसानों ने तत्परता दिखाते हुए बच्चों को बाहर निकाला।घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। स्थानीय लोगों की मदद से राहत कार्य तेजी से चला। समय पर मदद मिलने से कई बच्चों की जान बच सकी।

हादसे में दर्शन गांव की 10 वर्षीय आरोही कुमारी की मौत हो गई। वह अमित कुमार की बेटी थी। उसकी छोटी बहन आरूषि भी इस हादसे में घायल हुई है।

दो दर्जन से ज्यादा बच्चे इस वैन में सवार थे। कई बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।

घायलों को गोविंदपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद सभी को रेफर कर दिया। नवादा सदर अस्पताल में बच्चों का इलाज जारी है। दो बच्चों की हालत शुरू में काफी नाजुक बताई गई।

अस्पताल में परिजनों की भीड़ और चिंता का माहौल रहा। हर कोई अपने बच्चों की सलामती के लिए परेशान दिखा।परिजनों ने चालक पर शराब के नशे में होने का आरोप लगाया। बताया गया कि वह देर से बच्चों को लेने पहुंचा था। वाहन में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वैन तीन बार पलटी खाई। वाहन का फिटनेस और इंश्योरेंस भी संदिग्ध बताया जा रहा है। इन लापरवाहियों ने मिलकर इस बड़े हादसे को जन्म दिया।

आरोही की मौत के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। दर्शन गांव के पास सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया गया।

मृत बच्ची के शव को सड़क पर रखकर लोगों ने रोष जताया। प्रशासन के समझाने पर जाम हटाया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। घटना के बाद पूरे जिले में शोक और गुस्से का माहौल है।

अंधविश्वास में गयी नाबालिग बालक की जान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। थाना क्षेत्र के कैलाशपुरी गांव में सर्पदंश के शिकार एक 14 वर्षीय बालक की जान झाड़-फूंक के चक्कर में चली गई। इस घटना के बाद स्वजन में कोहराम मचा हुआ है और पूरे परिवार में शोक का माहौल है।

मृतक मिंदर जमींदार के पुत्र अर्जुन कुमार है। स्वजन ने बताया कि रविवार की दोपहर करीब 2 बजे अर्जुन अपने पुराने घर में खटिया पर लेटा हुआ था। इसी दौरान उसे किसी जहरीले जीव के काटने का एहसास हुआ। आशंका जताई गई कि उसे सांप ने काट लिया है।

घटना के बाद स्वजन ने गंभीर भूल करते हुए उसे तुरंत अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक कराने के लिए डियामा गांव ले गए। इस दौरान कीमती समय लगातार बीतता रहा और बालक की हालत बिगड़ती चली गई। जब स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई, तब परिजन उसे आनन-फानन में इस्लामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया।

थानाध्यक्ष अनिल कुमार पांडे ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। बिहार और झारखंड के कई ग्रामीण इलाकों में आज भी सर्पदंश या बीमारी के मामलों में प्राथमिक इलाज के बजाय झाड़-फूंक का सहारा लिया जाता है। जागरूकता की कमी और पारंपरिक मान्यताओं के कारण लोग आधुनिक चिकित्सा से दूरी बनाए रखते हैं, जिसका खामियाजा कई बार जान गंवाकर चुकाना पड़ता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि सर्पदंश के मामलों में तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में एंटी-वेनम उपचार ही जीवन बचाने का एकमात्र प्रभावी तरीका है। ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की देरी घातक साबित हो सकती है।

कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर । बिहार के हाजीपुर कोर्ट को बम से उड़ने की धमकी मिली है, धमकी मिलने के बाद कोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

आनन-फानन में एसपी विक्रम सिहाग के निर्देश पर सदर एसडीपीओ दलबल के साथ कोर्ट पहुंचे और पूरे कोर्ट परिसर को खाली कराया जा रहा है। वहीं, मुजफ्फरपुर से बम निरोधक दस्ता को भी बुलाया जा रहा है।

एसडीपीओ सदर सुबोध कुमार ने बताया कि न्यायालय के ईमेल पर अज्ञात ईमेल से मेल आया है, जिसमें कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है।

वहीं एहतियात के तौर पर कोर्ट में इंट्री बंद कर दी गई है और किसी को भी कोर्ट में प्रवेश की अनुमति नहीं है। पूरे कोर्ट परिसर को खाली कराया जा रहा है।

कोर्ट के अंदर से अधिवक्ताओं के साथ साथ आम लोगो और दुकानदारों को भी कोर्ट परिसर से बाहर किया जा रहा है, ताकि अच्छे से बम निरोधक दस्ता द्वारा जांच की जा सके।

वहीं, कोर्ट परिसर के साथ साथ आस पास के क्षेत्र की भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और आस पास स्थित सभी सरकारी कार्यालयों की सुरक्षा बढ़ाने के साथ साथ लोगो की आवाजाही पर पुर्णतः रोक लगाया गया है। बहरहाल इस खबर के सामने आने के बाद से पुलिस प्रशासन चौकन्ना है और सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

बाबा साहब का जीवन संघर्ष, समानता और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय जनता पार्टी के अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ की ओर से 02 देशरत्न मार्ग स्थित परिसर में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर लाभार्थी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार शामिल हुए। इस अवसर पर डॉ. प्रेम कुमार ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब का जीवन संघर्ष, समानता और सामाजिक न्याय के लिए पूर्णतः समर्पित रहा है। उन्होंने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा में लाने का जो संकल्प लिया, वह आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को सशक्त बनाने का कार्य लगातार किया जा रहा है। लाभार्थी सम्मान समारोह ऐसे प्रयासों की महत्वपूर्ण कड़ी है जिसमें योजनाओं का लाभ पाने वाले लोगों को सम्मानित कर उनका आत्मविश्वास बढ़ाया जाता है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना और स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं ने गरीब, वंचित और अतिपिछड़े वर्गों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन योजनाओं के जरिए करोड़ों लोगों को आवास, स्वास्थ्य, स्वच्छता, बैंकिंग सुविधा और गैस कनेक्शन जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में समावेशी विकास की अवधारणा को साकार किया जा रहा है जिससे समाज के हर वर्ग को आगे बढ़ने का समान अवसर मिल रहा है। साथ ही उन्होंने लाभार्थियों से अपील की कि वे सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर कृषि मंत्री राम कृपाल यादव, महापौर सीता साहू, प्रमोद चंद्रवंशी, शिवपूजन राम, वीरेंद्र चंद्रवंशी, संजय निषाद, यूपी शर्मा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खरीफ सीजन से पहले बिहार में यूरिया का पर्याप्त भंडार, कृषि निदेशक ने दिए सख्त निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य में आगामी खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए यूरिया की उपलब्धता को लेकर कृषि विभाग पूरी तरह सक्रिय है। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव के निर्देश पर कृषि भवन मीठापुर में कृषि निदेशक सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में बिहार के प्रमुख उर्वरक विक्रेताओं और उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि निदेशक ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में राज्य में 2.84 लाख टन यूरिया का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और अब आवश्यकता इसके संतुलित एवं सही उपयोग की है। उन्होंने उर्वरक विक्रेताओं को निर्देश दिया कि वे उर्वरकों की बिक्री पूरी जांच-पड़ताल और वास्तविक जरूरत के आधार पर ही करें। ताकि किसी प्रकार की अनियमितता न हो। उन्होंने वैकल्पिक उर्वरकों के प्रयोग को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम हो सके। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि किसानों को उचित मूल्य पर ही उर्वरक उपलब्ध हो। कृषि निदेशक ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई थोक विक्रेता, दुकानदार या संबंधित पदाधिकारी किसी प्रकार की गड़बड़ी करता पाया गया तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विभागीय पदाधिकारियों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए। बैठक में उर्वरक आपूर्तिकर्ताओं और विनिर्माता कंपनियों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि उर्वरकों की आपूर्ति 'परिवहन सहित दर' (एफओआर) के आधार पर हो। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि उर्वरकों के साथ किसी अन्य उत्पाद की अनिवार्य जोड़ बिक्री (टैगिंग) नहीं की जाए। वर्तमान समय में फसल का मौसम नहीं होने के कारण राज्य और जिला स्तर पर उर्वरकों के सुरक्षित भंडारण और संरक्षण पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया। इस बैठक में सभी जिलों से पांच-पांच थोक विक्रेताओं के साथ-साथ विभिन्न उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

गुणवत्तापूर्ण बीज से बागवानी को बढ़ावा, किसानों की आय बढ़ाने पर जोर : राम कृपाल यादव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार राज्य में किसानों की आय बढ़ाने और बागवानी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए गुणवत्तापूर्ण बीज एवं रोपण सामग्री के उपयोग पर विशेष जोर दे रही है। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि बेहतर बीज और वैज्ञानिक तरीके से तैयार पौध सामग्री के उपयोग से कम क्षेत्र में अधिक उत्पादन, उच्च गुणवत्ता और बेहतर बाजार मूल्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सरकार सब्जियों, मसालों और अन्य बागवानी फसलों के लिए प्रमाणित और मानकीकृत रोपण सामग्री को बढ़ावा दे रही है। उन्नत और जलवायु-सहनशील किस्में सूखा, असमय वर्षा, तापमान में बदलाव और रोग-कीट जैसी चुनौतियों का बेहतर सामना करती है जिससे खेती का जोखिम कम होता है और किसानों की आय अधिक स्थिर रहती है। राम कृपाल यादव ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री फसल की सफलता का आधार है। वास्तविक किस्म, रोगमुक्त पौधे, उच्च अंकुरण क्षमता और समान वृद्धि से प्रति इकाई क्षेत्र उत्पादन में वृद्धि होती है। यदि इसके साथ वैज्ञानिक नर्सरी प्रबंधन, खेत की स्वच्छता, संतुलित पोषण, सूक्ष्म सिंचाई, मल्चिंग, जैव-सुरक्षा और समय पर तुड़ाई के बाद प्रबंधन अपनाया जाए तो उत्पादन लागत घटती है और निर्यात योग्य उपज भी प्राप्त होती है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लोकतंत्र को नई दिशा : प्रो. रत्ना अमृत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बी.डी. कॉलेज, पटना में महिला सशक्तिकरण एवं नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत, संकाय सदस्यगण और छात्राओं ने महिला आरक्षण अधिनियम को लोकतांत्रिक समावेशन और सामाजिक न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'नारी शक्ति ही समाज की वास्तविक ऊर्जा है।' उन्होंने स्पष्ट किया कि जब स्त्रियां आगे बढ़ती हैं तो केवल परिवार या समुदाय ही नहीं, बल्कि पूरा राष्ट्र आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 महिलाओं को केवल प्रतिनिधित्व नहीं देता, बल्कि उन्हें नीति-निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पारित यह अधिनियम भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी और सशक्त बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। प्रो. अमृत ने बिहार के सामाजिक-शैक्षिक परिदृश्य का उल्लेख करते हुए बताया कि 2006 की मुख्यमंत्री साइकिल योजना के बाद लड़कियों का नामांकन 30 प्रतिशत बढ़ा। जीविका और काम्फेड जैसी योजनाओं में हजारों महिलाएं सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। पंचायती राज में 50 प्रतिशत आरक्षण ने महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में भागीदार बनाया। महिला साक्षरता दर लगभग दोगुनी हुई है और संस्थागत प्रसव 29 प्रतिशत से बढ़कर 75 प्रतिशत तक पहुंचा है। उन्होंने विशेष रूप से रेखांकित किया कि बिहार ने महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण देकर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है और ऐसा करने वाला बिहार देश का पहला राज्य है। यह निर्णय न केवल रोजगार के अवसरों को बढ़ाता है, बल्कि महिलाओं को प्रशासनिक और सामाजिक नेतृत्व में आगे बढ़ने का मार्ग भी प्रशस्त करता है। राजनीति विज्ञान विभाग की डॉ. रूना आनंद ने अधिनियम को लोकतंत्र की समावेशी प्रकृति की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि अधिनियम लागू होने के बाद लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या 82 से बढ़कर 181 हो जाएगी। उन्होंने संविधान के अनुच्छेदों का उल्लेख करते हुए महिला आरक्षण बिल के ऐतिहासिक प्रयासों का विस्तार से वर्णन किया और रेखांकित किया कि महिलाओं की भागीदारी से शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता बढ़ती है।

बिहटा-औरंगाबाद नई रेल लाइन से कनेक्टिविटी को मिलेगी रफ्तार : विजय सिन्हा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में आधारभूत संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी पहल के तहत बिहटा से औरंगाबाद तक 117 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन बिछाने की परियोजना शुरू की जा रही है। इस महत्वाकांक्षी योजना पर 3606.42 करोड़ रुपये की लागत आएगी जिससे राज्य में कनेक्टिविटी और विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। परियोजना के तहत लगभग 500 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा तथा इस मार्ग पर 13 नए रेलवे स्टेशन बनाए जाएंगे। नई रेल लाइन के निर्माण से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा जिससे लोगों को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी। साथ ही व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे जिससे समग्र क्षेत्रीय विकास को बल मिलेगा। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने इस परियोजना को बिहार के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार में राज्य तेजी से प्रगति की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की परियोजनाएं बिहार को विकसित राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी।

बिहार में जनता की आवाज बनेगी कांग्रेस

हर जिले में शुरू होगा 'प्रेस से मिलिए' संवाद कार्यक्रम : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में बढ़ती लूट, बलात्कार, घोटालों और शिक्षा-चिकित्सा की बदहाल व्यवस्था जैसे ज्वलंत मुद्दों को जनता की आवाज बनकर उठाने के उद्देश्य से बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने एक महत्वपूर्ण पहल की घोषणा की है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम, पटना सहित बिहार के सभी जिलों में जल्द ही 'प्रेस से मिलिए' संवाद कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी। बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस संवाद कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य में बढ़ती आपराधिक घटनाओं, भ्रष्टाचार, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था की खामियों, किसानों-मजदूरों की समस्याओं तथा अन्य जनहित से जुड़े गंभीर मुद्दों को मजबूती के साथ सामने लाना है। ताकि सरकार की विफलताओं को उजागर किया जा सके और जनता की आवाज प्रभावी ढंग से उठाई जा सके। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि इस पहल के तहत बिहार के सभी जिलों में जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रत्येक सप्ताह अपने-अपने जिले के महत्वपूर्ण और गंभीर विषयों पर 'प्रेस से मिलिए' संवाद कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इन कार्यक्रमों की विस्तृत और प्रामाणिक जानकारी प्रदेश मुख्यालय को भेजी जाएगी जिसके आधार पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में भी नियमित प्रेस वार्ताएं आयोजित की जाएंगी। इन प्रेस वार्ताओं में पार्टी के प्रवक्ता, संबंधित जिला कांग्रेस अध्यक्ष और प्रदेश पर्यवेक्षक शामिल रहेंगे। राजेश राम ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी जनहित से जुड़े जमीनी मुद्दों को लगातार उठाकर आम जनता से सीधे संवाद स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि इस अभियान से संगठन को गांव-गांव और जिले-जिले में और अधिक सक्रियता तथा मजबूती मिलेगी, साथ ही जनता की वास्तविक समस्याएं राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा से जनता की आवाज रही है और आगे भी जनहित के मुद्दों पर संघर्ष जारी रहेगा।

सत्तुआनी की पूर्व संध्या पर जरूरतमंद छात्राओं के बीच सत्तू व गुड़ का वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। प्रभु आहार सेवा फाउंडेशन एवं आधार फाउंडेशन द्वारा सामाजिक सेवा के क्रम को आगे बढ़ाते हुए सत्तुआनी पर्व की पूर्व संध्या पर जरूरतमंद छात्राओं के बीच सत्तू एवं गुड़ का वितरण किया गया। यह वितरण कार्यक्रम बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित किया गया जहां सिलाई एवं ब्यूटीशियन कोर्स कर रही छात्राओं एवं शिक्षिकाओं को लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम के दौरान करीब 120 छात्राओं के बीच सत्तू के पैकेट एवं गुड़ का वितरण किया गया। इस अवसर पर डॉ. गीता जैन एवं बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स के राकेश कुमार ने संयुक्त रूप से वितरण किया। उन्होंने कहा कि सत्तुआनी जैसे पारंपरिक पर्व पर इस तरह का सेवा कार्य समाज में सहयोग और संवेदना का संदेश देता है। कार्यक्रम में राकेश कुमार, मुकेश जैन, डॉ. गीता जैन, धर्मराज केसरी, आदित्य राज, दुर्गा राय, कृषु राज, शम्भू बाबा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रभु आहार सेवा फाउंडेशन एवं आधार फाउंडेशन द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के सेवा कार्यों के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता की जाती रही है।

बिहार की बेटी रुपाली भूषण मिस यूनिवर्स इंडिया में करेगी बिहार का प्रतिनिधित्व

प्रीति राज को मिस टीन बिहार 2026 का खिताब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मिस यूनिवर्स इंडिया में खगड़िया की रुपाली भूषण बिहार का प्रतिनिधित्व करेगी। विश्व के सबसे बड़े ब्यूटी पेजेंट मिस यूनिवर्स के लिए मिस यूनिवर्स इंडिया द्वारा लोकल टैलेंट को मौका मिले इस उद्देश्य से राज्य स्तर पर स्टेट ऑडिशन का आयोजन किया जाता है। रविवार को मिस यूनिवर्स इंडिया द्वारा राजधानी के नीफ्ट कैम्पस में ऑफिसियल ऑडीशन आयोजित किया गया जिसे एनीमो पेट केयर के सौजन्य से संचालित किया गया। एनिमो पेट केयर के संचालक डॉ विकास शर्मा एवं लायंस नीतु कुमारी जो इस सौंदर्य प्रतियोगिता की बिहार स्टेट डायरेक्टर हैं। इनके नेतृत्व में ही यह ऑडिशन आयोजित किया गया। ऑडिशन में बिहार के कोने-कोने से आई कई टैलेंटेड लड़कियों के बीच रुपाली ने बाजी मारी है। इस प्रतियोगिता को जीतने के बाद वो सीधे तौर पर मिस यूनिवर्स इंडिया में बतौर फाइनलिस्ट नजर आएगी व बिहार का प्रतिनिधित्व करेगी। वही मिस टीन बिहार का खिताब 2026 प्रीति राज को मिला। उपरोक्त ऑडिशन के दौरान जज के रूप में मिस यूनिवर्स इंडिया के ऑनर निखिल आनंद, मिस यूनिवर्स इंडिया 25 व देश की टॉप मॉडल माणिका विश्वकर्मा, मिस यूनिवर्स बिहार 25 शाम्भवी चौधरी, मिस यूनिवर्स इंडिया के डायरेक्टर अमजद खान और मिस यूनिवर्स बिहार के डायरेक्टर नीतू कुमारी मौजूद रहे।

बाबा साहेब जयंती की पूर्व संध्या पर भाजपा ने मनाया दीपोत्सव

दीपोत्सव का उद्देश्य एकता और भाइचारे का संदेश देना : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर आज शाम बिहार भाजपा ने उनके प्रतिमा स्थलों पर दीपोत्सव का आयोजन किया। इस मौके पर पटना उच्च न्यायालय परिसर स्थित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर दीपोत्सव का आयोजन किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी भी पटना उच्च न्यायालय परिसर स्थित बाबा साहेब प्रतिमा स्थल पहुंचे और बाबा साहेब की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्ज्वलित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहेब की जयंती को दीपोत्सव के रूप में मनाने का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना और समतामूलक समाज, एकता और भाईचारे का संदेश देना है। उन्होंने आगे कहा कि बाबा साहेब की जयंती पर यह संकल्प लें कि अपने बच्चों को शिक्षित कर अपने हक और अधिकार को प्राप्त कर देश के जिम्मेदार नागरिक बनें और बाबा साहेब के सपनों का देश बनाने का संकल्प लें। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि जब तक देश के शोषित और वंचित समाज को विकास की मुख्यधारा में नहीं जोड़ा जाएगा, तब तक विकसित भारत की कल्पना अधूरी रहेगी। उन्होंने कहा कि आज एनडीए की सरकार बाबा साहेब के सपनों को पूरा करने में जुटी है। इस दीपोत्सव कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

डॉ. आनंद रंजन झा को 'आइकन ऑफ भारत 2026' से किया गया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जंदाहा (वैशाली)। क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षाविद एवं समाजसेवी डॉ. आनंद रंजन झा को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 'आइकन ऑफ भारत 2026' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें शिक्षा, कौशल विकास एवं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया। डॉ. झा पिछले कई वर्षों से कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी के माध्यम से हजारों युवाओं को कंप्यूटर शिक्षा एवं डिजिटल स्किल्स प्रदान कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में संस्थान ने न केवल तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा दिया है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध कराए हैं। डॉ. आनंद रंजन झा को इससे पूर्व भी कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं जिनमें भारत गौरव सम्मान, भारत रत्न आइकोनिक अचीवर्स अवॉर्ड, लीजेंड्री पीस अवॉर्ड, राष्ट्रीय सेवा सम्मान, पद्मश्री ग्लोबल एक्सीलेंस अवॉर्ड, राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान, इंटरनेशनल टीचर एक्सीलेंस अवॉर्ड एवं भारत विजनरी लीडर्स अवॉर्ड शामिल हैं। इसके अतिरिक्त उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए उनका नाम इंडियन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज किया जा चुका है। इतना ही नहीं डॉ. झा को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री महिमा चौधरी द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है जो उनकी उपलब्धियों और सामाजिक योगदान की व्यापक पहचान को दर्शाता है। इस अवसर पर डॉ. आनंद रंजन झा ने कहा कि यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि उन सभी छात्रों, शिक्षकों और सहयोगियों का है जिन्होंने इस मिशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारा लक्ष्य है कि हर युवा डिजिटल रूप से सशक्त बने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दे। स्थानीय लोगों, छात्रों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए डॉ. झा को बधाई दी और इसे पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बताया। यह सम्मान न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि का प्रतीक है, बल्कि जंदाहा और वैशाली जिले के लिए भी एक बड़ी प्रेरणा है जो आने वाले समय में शिक्षा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में और अधिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेगा।

डॉ भीमराव अम्बेडकर संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर का उद्घाटन समारोह सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना की ओर से आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के अन्तर्गत डॉ भीमराव अम्बेडकर स्मृति दस दिवसीय अन्तर्जालीय अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर का भव्य उद्घाटन समारोह सम्पन्न हुआ। अपने उद्घाटन उद्‌बोधन में अभियान के प्रधान संरक्षक डॉ अनिल कुमार सिंह ने कहा कि डॉ भीमराव अम्बेडकर संस्कृत भाषा को राष्ट्र भाषा बनना चाहते थे। भारत में एकता की भावना संस्कृत भाषा के कारण ही संभव हो सकती है। मुख्यातिथि धर्मेंद्र पति त्रिपाठी ने कहा कि वे संविधान विशेषज्ञ थे। मुख्य वक्ता प्रो रागिनी वर्मा ने कहा कि उन्होंने सुशिक्षिता भव का नारा दिया। अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा ने बताया कि डॉ भीमराव अम्बेडकर चाहते थे कि संस्कृत भाषा का ज्ञान भारत के सभी लोगों को होना चाहिए। शैलेन्द्र कुमार सिन्हा एवं डॉ अनिल कुमार चौबे ने कहा कि वे संस्कृत भाषा के प्रबल समर्थक थे। उग्र नारायण झा एवं डॉ लीना चौहान ने कहा कि वे विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ एवं संविधान निर्माता थे। इस अवसर पर डॉ विश्वजीत रुद्रपाल, डॉ रागनी कुमारी, अदिति चोला, देवेश प्रकाश, वन्दना पटेरिया, डॉ रम्भा कुमारी, डॉ डिम्पल कुमारी, श्रद्धा कुमारी आदि वक्ताओं ने भी डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार पर बल दिया।

ग्रामीण सड़कों की गुणवत्ता पर सख्त नजर, हर महीने 20 योजनाओं की अनिवार्य जांच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में ग्रामीण सड़कों और पुलों के निर्माण में उच्च गुणवत्ता बनाए रखने को लेकर ग्रामीण कार्य विभाग ने सोमवार को सख्त निर्देश जारी किए हैं। किसी निर्माण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जीरो टॉलरेंस और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करने को लेकर सोमवार को ग्रामीण कार्य विभाग के सभागार में अभियंता प्रमुख की अध्यक्षता में प्रयोगशाला, प्रमंडल एवं अंचल स्तर की जांच एवं गुणवत्ता नियंत्रण इकाई के पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संपन्न इस बैठक में निर्माण कार्यों की निरंतर निगरानी, आधुनिक गुणवत्ता परीक्षण और विभागीय जवाबदेही तय करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस दौरान यह निर्णय लिया गया कि सभी गुणवत्ता नियंत्रण पदाधिकारियों को हर महीने कम से कम 20 निर्माणाधीन पथों या पुलों की सघन जांच करना अनिवार्य होगा। पूर्ण पारदर्शिता के लिए अधिकारियों को कार्यस्थल की जियो-टैग तस्वीरों और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता परीक्षण रिपोर्ट के साथ एमआईएस पोर्टल पर अपनी रिपोर्ट अपलोड करना अनिवार्य होगा। निगरानी तंत्र को अधिक सख्त करते हुए विभाग ने स्पष्ट किया है कि रूटीन निरीक्षण की रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर अपलोड करना होगा और जन शिकायतों की जांच रिपोर्ट 15 दिनों के अंदर अनिवार्य रूप से मुख्यालय को समर्पित करना होगा। इसके साथ ही पीक्यूसी कार्यों में कंक्रीट की मजबूती परखने के लिए ढलाई के समय ही कार्यस्थल से नमूना लेना आवश्यक होगा जिसकी पूर्व सूचना संबंधित अधिकारियों को देनी होगी। ग्रामीण कार्य विभाग का यह कदम राज्य में उच्च स्तरीय एवं टिकाऊ ग्रामीण सड़कों और पुलों का निर्माण सुनिश्चित करेगा।

हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (से.) की बैठक आज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार सुमन के नेतृत्व में पार्टी की विधानमंडल दल की एक महत्वपूर्ण बैठक 14 अप्रैल 2026 को आयोजित की जाएगी। यह बैठक पटना स्थित उनके आवास, 25 स्ट्रैण्ड रोड पर संपन्न होगी। बैठक में पार्टी के सभी विधायक उपस्थित रहेंगे। उक्त बैठक में पार्टी के संरक्षक जीतन राम मांझी भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे और आगामी राजनीतिक रणनीति एवं सरकार गठन पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा। गौरतलब है कि यह बैठक राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विधानमंडल दल की बैठक से लगभग 3 घंटे पूर्व आयोजित की जा रही है जिसे वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार बैठक में आगामी रणनीति, समसामयिक राजनीतिक परिस्थितियों तथा जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की जाएगी।

कृत्रिम अंग देकर 170 लोगों को रोटरी ने बनाया आत्मनिर्भर : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री संजय सरावगी ने कहा कि कृत्रिम अंग देकर 170 लोगों को रोटरी चाणक्या ने आत्मनिर्भर बनाया। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब हमेशा पीड़ित मानवता के लिए आगे रहा है चाहे पोलियो उन्मूलन हो या कृत्रिम अंग देकर जीवन दान देने में। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महाराणा प्रताप भवन में रोटरी चाणक्य के तत्वावधान में कृत्रिम अंग का वितरण कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज के दिन कृत्रिम अंग देकर इन पीड़ित मानवता को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और उनका आत्मसम्मान बढ़ाया है। बताते चलें कि रोटरी क्लब द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कृत्रिम अंग शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस सेवा परियोजना के माध्यम से लगभग 170 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग प्रदान किए गए जिससे उनके जीवन में नई आशा, आत्मविश्वास एवं आत्मनिर्भरता का संचार हुआ। इस अवसर पर रोटरी चाणक्या के अध्यक्ष अभिषेक अपूर्व ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद दिव्यांगजनों को सिर्फ कृत्रिम अंग उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि उन्हें सम्मानजनक एवं स्वतंत्र जीवन जीने के लिए सक्षम बनाना भी है। उन्होंने कहा कि शिविर के दौरान चिकित्सकों, स्वयंसेवकों एवं रोटरी सदस्यों का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ जिससे यह आयोजन सफल हो सका। इस मौके पर सचिव राखी शर्मा, कोषाध्यक्ष आलोक स्वरूप, प्रोजेक्ट इंचार्ज कमल बिंदासरिया पंजीयन में रोहित बोहरा और प्रशांत महेसरिया ने उपस्थित होकर दिव्यांग जनों की सहायता की।

संपादकीय

युद्धविराम या नई जंग की शुरुआत?

सवाल है कि अगर युद्धविराम की शर्तों में लेबनान पर भी इजराइली हमले रोकना शामिल था, तो इस पर अमल के बजाय इसे ताक पर रख कर नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने के पीछे कौन-सी मंशा काम कर रही है।पश्चिम एशिया में युद्ध से उपजे संकट के बीच यह पहला मौका था, जब ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच चौदह दिनों के युद्धविराम पर सहमति बनी थी। मगर इजराइल ने बुधवार को ही जिस तरह लेबनान पर हमला किया, उससे साफ है कि युद्धविराम में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं है। गौरतलब है कि लेबनान पर इजराइली हमले में दो सौ से ज्यादा आम लोग मारे गए।विचित्र है कि ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका और इजराइल साझा मोर्चे के तहत हमले कर रहे थे, लेकिन जब दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम पर सहमति बनी, तो उसे ठोस आकार देने के बजाय इजराइल ने समझौते को तोड़ने की पृष्ठभूमि बनानी शुरू कर दी। जबकि इस बीच इजराइल और अमेरिका की ओर से जिस तरह की बेलगाम बयानबाजियां जारी रहीं, उससे पहले ही हालात और बिगड़ने की आशंका बनी हुई थी। विडंबना यह भी है कि लेबनान पर इजराइल के हमले के बाद अब ईरान ने फिर से होर्मुज जलमार्ग को बंद करने की घोषणा की है।निश्चित रूप से ईरान के इस रुख को उसकी प्रतिक्रिया कहा जा सकता है, लेकिन सवाल है कि इस समूचे परिदृश्य में किसी भी पक्ष की जिद और अकड़ का नतीजा क्या निकल रहा है! इजराइल और अमेरिका ने जिस दिन ईरान पर साझा हमला किया था, तभी से यह आशंका बनी हुई थी कि इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा। इसके बाद ईरान ने स्वाभाविक ही रणनीति के तहत होर्मुज जलमार्ग को बाधित कर दिया और उसके बाद दुनिया के ज्यादातर देशों में प्राकृतिक तेल और गैस की आपूर्ति रुक गई। जिन देशों के पास इसके विकल्प थे, वहां के हालात अपेक्षया नियंत्रण में रहे, लेकिन भारत सहित बहुत सारे ऐसे देश हैं, जहां पेट्रोल-डीजल से लेकर रसोई गैस का संकट पैदा हो गया और आम लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।ऐसे में युद्धविराम की घोषणा के बाद यह उम्मीद जगी थी कि अब होर्मुज जलमार्ग के खुलने से जहाजों की आवाजाही का रास्ता खुलेगा और स्थिति सुधरेगी। मगर लेबनान पर इजराइल के ताजा हमले में जिस तरह बड़े पैमाने पर आम लोगों की मौत की खबर आई है और उसके बाद ईरान ने जैसी प्रतिक्रिया दी है, उससे एक बार फिर शांति की उम्मीदों पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।सवाल है कि अगर युद्धविराम की शर्तों में लेबनान पर भी इजराइली हमले रोकना शामिल था, तो इस पर अमल के बजाय इसे ताक पर रख कर नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने के पीछे कौन-सी मंशा काम कर रही है। यही नहीं, इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो इजराइल फिर से ईरान के खिलाफ लड़ाई शुरू करेगा। खुद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस भड़काऊ लहजे में बात कर रहे हैं, उसे कैसे देखा जाएगा?हैरानी की बात है कि ट्रंप युद्धविराम और उसकी शर्तों पर सहमति जताने के बाद लेबनान पर हमले के मसले को समझौते से अलग बताते हैं। क्या इसे शांति के लिए हुई पहलकदमी को कमजोर करने की तरह नहीं देखा जाएगा? दूसरी ओर, ईरान ने कहा कि युद्धविराम और इजराइल के जरिए जंग, दोनों साथ नहीं चल सकते। ऐसे में यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि युद्धविराम कितने दिनों तक बना रहेगा।यह ध्यान रखने की जरूरत है कि पश्चिम एशिया के इस युद्ध का खमियाजा दुनिया के ज्यादातर देश उठा रहे हैं और अगर स्थायी युद्धविराम का रास्ता नहीं निकाला गया, तो इसके विपरीत असर को संभालना मुश्किल हो जाएगा।

‘रील सच, रियल भ्रम’ - घटता धैर्य और सिमटता वक्त, नए दौर में बदलती जिंदगी

डिजिटल मीडिया तक आसान पहुंच के कारण, किशोर और युवा इस प्रकार की लत का शिकार हो रहे हैं। मौजूदा दौर में अगर लोगों की व्यस्तता पर गौर किया जाए, तो ऐसा लगता है कि ज्यादातर आबादी काम के बोझ से दब चुकी है और हर वक्त किसी बहुत जरूरी काम को पूरा करने में लगी हुई है। सच यह है कि व्यस्त दिखती यह आबादी अपने मोबाइल में और उसके भीतर सोशल मीडिया पर फैले रील के जंजाल में खोई लगती है। उठते-बैठते, चलते-फिरते, यहां तक कि जरूरी विमर्श और बैठकों में भी आदमी बेमतलब ही स्मार्टफोन की स्क्रीन में गुम दिखता है, रील में डूबता-उतराता रहता है। हालत यह है कि रील को लेकर ज्यादा संवेदनशील लोग दाह-संस्कार जैसे अवसरों पर भी रील पर अंगुलियां चलाते रहते हैं। मानो घटनाओं का रील में होना जरूरी हो गया है। व्यक्ति की छोटी से छोटी निजी घटनाएं भी सोशल मीडिया पर डाल दी जाती हैं। घर के दरवाजे से बाहर निकलते हुए फिसल जाने की निजी घटनाओं के भी वीडियो बनाए जाते हैं। दरअसल, रील बनाना प्रसिद्धि बटोर लेने का साधन बन गया है। बल्कि इसके लिए घटनाएं बनाई जा रही हैं। फिल्मों की कतरनें डाली जा रही हैं।

(राकेश सोहम्)

सोशल मीडिया के जरिए दुनिया पर छा जाने का चलन नया नहीं है। रुपहले पर्दे के कलाकार रील की बदौलत दुनिया को आकर्षित करते रहे हैं। एक जमाना था, जब सिनेमा ही मनोरंजन के साधन हुआ करते थे। फिल्म कितनी बड़ी है, इसका अंदाजा उसकी रील की लंबाई से लगाया जाता था। दर्शक सिनेमाघरों में टिकट खरीदते हुए पूछते थे कि यह फिल्म कितनी रील की है! जवाब में अगर सोलह रील सुनाई देता, तो लोग खुश हो जाते। अपने जमाने की सुपर हिट फिल्म ‘शोले’ तेईस रील की थी और उसकी कुल अवधि दो सौ चार मिनट थी। दर्शक तीन घंटे चौबीस मिनट सिनेमाघरों में सांस साधे बैठा रहता था।

हर इंसान के पास समय की कमी का रोना रो रहा है

अब हर व्यक्ति समय की भारी कमी बताता दिखता है। इसलिए एक से डेढ़ घंटे की फिल्में चलन में आ गई हैं। समय के साथ धैर्य भी घटा है। वह धैर्य मात्र तीस सेकंड की रील में सिमटता प्रतीत हो रहा है। एक रील समाप्त हुई नहीं कि लोग अगली रील पर बढ़ जाते हैं। अब हालत यह है कि उकसाने वाली रील का एक नया शगल शुरू हो गया है। इनके लिए निजता को भुनाया जा रहा है। एक ओर ऐसी गतिविधियों में लिप्त होने वालों की भरमार है और दूसरी ओर इनमें खोए लोगों की भी भीड़ है, जो निजी बेचैनी में चैन तलाशने का यत्न संजोती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आने से रील की लोकप्रियता में भारी इजाफा हुआ है। स्थिर छाया चित्रों का रील में समावेशीकरण चलन में आ गया है। लेखक और रचनाकार अपनी रचनाओं की कतरनें और छाया चित्र ऐसे छोटे वीडियो में डालते हैं, ताकि रील दर रील सरकाने की दौड़ में स्थिर छाया चित्रों को एक झलक का स्थान मिल सके। स्थिर छाया चित्रों के पीछे आवाजें डालकर आकर्षक और सुनने लायक बनाया जाता है।

कई बार ऐसे संक्षिप्त वीडियो के पार्श्व की आवाजें भौंडी और चिढ़ पैदा करने वाली होती हैं। मगर ऐसा लगता है कि लोग इसे लेकर एक प्रकार की दुविधा में रहते हैं या फिर सहज हो रहे हैं। मसलन, जिस व्यक्ति को पड़ोस की रसोई से बर्तनों की खटपट की आवाज परेशान कर रही हो सकती है, वह सो नहीं पाता होगा, वही मोबाइल में चल रही रील की पृष्ठभूमि में अजीब-सी हंसी और ठहाकों तथा अन्य आवाजों को लेकर सहज रह सकता है। जबकि यह ध्यान रखने की जरूरत है कि भले ही ऐसी रीलें लोगों के लिए मनोरंजन के साधन हैं, पर आसपास के लोग इनसे परेशान रहते हैं।

इस प्रवृत्ति के बढ़ते जाने की लत अब विचित्र दिखने लगी है। इस लत के जुनून में डूबा कोई व्यक्ति किसी दुर्घटना के दौरान अगर बच जाता है, तो वह वीडियो बनाने में मशगूल दिख सकता है। बात यहां तक जा पहुंची है कि घायल अवस्था में भी कुछ लोग ऐसे संक्षिप्त वीडियो को सोशल मीडिया पर डालते हैं और ‘लाइक’ और ‘कमेंट’ की बदौलत अपने साथ हुई दुर्घटना पर सहानुभूति जुटाने की कोशिश करते हैं। ऐसे कुछ लोग कराहते दिख सकते हैं और अपने कष्ट और मुसीबत को लेकर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं।

इसके अलावा, आए दिन रील बनाने और देखने वाले लोग दुर्घटनाओं के शिकार हो रहे हैं। वहीं एआइ के विस्तार के साथ लोग अब दुनिया की तबाही के रील भी बनाने लगे हैं। एआइ की मदद से आकाश से गिरती विशाल चट्टानें, चट्टानी ओलों की वर्षा से टूटते घर, तबाह होती सड़कें और तूफानों के भय से भागते लोग रील में दिखाए जा रहे हैं। तबाही के ऐसे वीडियो के बीच अजब-गजब-सी रीलों का दौर भी चल पड़ा है। आसमान से नोटों या जानवरों की वर्षा होती दिखाई देती है। ऐसे वीडियो से असल और नकल की पहचान गुम हो रही है।

कुल मिलाकर इस लत का जुनून लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। जमीनी स्तर पर इससे जुड़े कई अनुभव भयावह होते जा रहे हैं। लोग ‘रियल’ यानी वास्तविकता पर नहीं, ‘रील’ यानी आभासी पर भरोसा करने लगे हैं। ‘रील सच है और रियल भ्रम’ का भाव पनप रहा है! अब दुर्घटनाओं का दर्द महसूस नहीं होता। चौंक जाने का सुख गायब हो रहा है। रील का आभासी चित्रण, हकीकत के भाव को भंग कर रहा है, जिससे लोगों की तासीर बिगड़ रही है।

प्रोडक्शन से प्रॉस्पेरिटी- बदलती कृषि, बदलता उत्तर प्रदेश

(प्रणय विक्रम सिंह)

उत्तर प्रदेश की धरती पर उगता हर दाना केवल अन्न नहीं, बल्कि उस भारत की धड़कन है जिसे वर्षों तक नीतिगत नासमझी और व्यवस्थागत विकृतियों ने जकड़ रखा था। लखनऊ में आयोजित छठी उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस-2026 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट शब्दों में उस जड़ता पर प्रहार किया, जिसने कृषि को केवल ‘उत्पादन’ तक सीमित कर दिया था। उन्होंने साफ कहा कि अब कृषि को प्रोडक्शन से प्रोडक्टिविटी, प्रोडक्टिविटी से प्रॉफिटेबिलिटी और प्रॉफिटेबिलिटी से प्रॉस्पेरिटी तक ले जाना होगा।

यह कोई भाषण नहीं, बल्कि उस सोच के विरुद्ध उद्घोष है जिसने किसान को केवल ‘उत्पादक’ बनाकर छोड़ दिया था, साझेदार नहीं।

उत्तर प्रदेश का यथार्थ स्वयं इस परिवर्तन का साक्ष्य है। देश की 16-17 प्रतिशत आबादी और मात्र 11 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि, फिर भी 21 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादन। यह केवल परिश्रम का परिणाम नहीं, बल्कि उस राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रमाण है जिसने पहली बार किसान को केंद्र में रखा। कृषि विकास दर का 8 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक पहुंचना इस बात का संकेत है कि जब नीति नीयत से जुड़ती है, तो परिणाम इतिहास बदलते हैं और जब नीति केवल घोषणा बनती है, तो किसान कर्जदार बनता है।

भारत की प्राचीन आर्थिक शक्ति का आधार कृषि था, जब किसान उत्पादक भी था और उद्यमी भी। लेकिन दशकों की अव्यवस्था ने उसे कच्चा माल देने वाला बना दिया।यही वह दौर था जब खेतों में अन्न उगता रहा, पर किसान के घर में अभाव पनपता रहा।

आज योगी सरकार उस विसंगति को चुनौती दे रही है। इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन और सैटेलाइट जैसी आधुनिक तकनीकें कृषि को अनुमान से विज्ञान की ओर ले जा रही हैं। अब खेत किस्मत से नहीं, आंकड़ों से चलते हैं और किसान परिस्थितियों से नहीं, तकनीक से निर्णय लेता है।

यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं, मानसिकता का परिवर्तन है, जहां किसान अब केवल परिश्रमकर्ता नहीं, बल्कि प्रयोगकर्ता और निर्णायक बन चुका है।

डिजिटल क्रांति ने उस बिचौलिया तंत्र पर सीधा प्रहार किया है, जिसने वर्षों तक किसान की कमाई पर कब्जा बनाए रखा। ‘वन नेशन-वन मंडी’, मंडी शुल्क में कमी और डिजिटल सॉयल हेल्थ कार्ड, ये केवल योजनाएं नहीं, बल्कि उस शोषणकारी संरचना को तोड़ने के औज़ार हैं, जिसने किसान को बाजार से दूर रखा। ‘लैब टू लैंड’ से ‘लैंड इज लैब’ तक का सफर यह घोषित करता है कि अब खेत ही प्रयोगशाला है और किसान ही वैज्ञानिक।

गन्ना क्षेत्र इसका सबसे जीवंत उदाहरण है। जो भुगतान वर्षों तक अटका रहता था, वह आज 6-7 दिनों में हो रहा है। 122 में से 107 मिलों का समयबद्ध भुगतान केवल प्रशासनिक दक्षता नहीं, बल्कि जवाबदेही का प्रमाण है। 55 प्रतिशत गन्ना उत्पादन, एथेनॉल में अग्रणी स्थान और ?3.15 लाख करोड़ से अधिक का डीबीटी भुगतान, ये आंकड़े नहीं, उस विश्वास की वापसी हैं जो वर्षों तक टूटा रहा। वर्ष 2017 से पहले व्याप्त अव्यवस्था, अविश्वास और बिचौलियों का बोलबाला, आज पारदर्शिता, तकनीक और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण में बदल चुकी है। तब किसान लाइन में खड़ा था, आज प्रणाली उसके दरवाजे पर खड़ी है। तब फसल बिकती थी, पर लाभ नहीं मिलता था, आज उत्पादन के साथ सम्मान भी मिल रहा है। वैश्विक संकटों ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि कृषि आत्मनिर्भरता विकल्प नहीं, अनिवार्यता है। आपूर्ति श्रृंखलाओं के टूटने, उर्वरकों की कीमतों के उतार-चढ़ाव और ऊर्जा संकट ने यह सिखा दिया है कि जो देश अपनी मिट्टी पर निर्भर नहीं, वह भविष्य पर भरोसा नहीं कर सकता। ऐसे समय में उत्तर प्रदेश का मॉडल केवल राज्य का नहीं, राष्ट्र का मार्गदर्शक बनकर उभर रहा है। अब सवाल यह नहीं है कि कितना उत्पादन हुआ? सवाल यह है कि किसान कितना समृद्ध हुआ? यही वह मूल प्रश्न है, जिसका उत्तर योगी की कृषि दृष्टि देती है।

यह यात्रा केवल खेतों की हरियाली तक सीमित नहीं, बल्कि किसान के चेहरे की मुस्कान तक पहुंचती है। यह उस भारत की वापसी है, जहां अन्नदाता केवल पेट नहीं भरता, राष्ट्र की समृद्धि गढ़ता है। प्रोडक्शन से प्रॉस्पेरिटी तक का यह पथ ही वह सेतु है, जिस पर चलकर उत्तर प्रदेश न केवल कृषि में अग्रणी बनेगा, बल्कि ‘विकसित भारत’ के स्वप्न को साकार करने की दिशा भी तय करेगा।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

तीन देशों के अहंकार में फंसी दुनिया, युद्ध नहीं, तेल-गैस की चिंता ने बढ़ाई वैश्विक बेचैनी

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में वैश्विक राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां ‘शक्ति ही सत्य है’ की अवधारणा पुनर्जीवित हो गई है। दुनिया का सबसे धनी देश और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का सबसे बड़ा वित्तपोषक होने के नाते अमेरिका ने स्वयं को एक ऐसे ‘वैश्विक दारोगा’ के रूप में स्थापित कर लिया है, जिसे रोकने का साहस वर्तमान में किसी भी अंतरराष्ट्रीय इकाई के पास नहीं दिखता। संयुक्त राष्ट्र से लेकर विश्व बैंक तक, अधिकांश संस्थाएं अमेरिकी संसाधनों पर टिकी हैं। ऋण के जाल में फंसे देश हों या व्यापारिक समझौतों की बैसाखियों पर टिकी अर्थव्यवस्थाएं, कोई भी अमेरिका की नीतियों के विरुद्ध स्वर मुखर करने की स्थिति में नहीं है।

(विकेश कुमार बडोला)

इसी वर्चस्व की अगली कड़ी ईरान और अमेरिका-इजराइल के सैन्य संघर्ष के रूप में एक महीने से भी अधिक समय तक दिखती रही। मगर अब अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के अस्थायी युद्धविराम पर समझौता हुआ है। इसके बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि स्थायी शांति की राहें निकलेंगी।

यह सहमति बीते कई दिनों से जारी भीषण संघर्ष के बाद एक अहम मोड़ मानी जा रही है। इसकी मुख्य शर्तों के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर होने वाले सभी सैन्य हमलों को दो सप्ताह के लिए निलंबित करने की घोषणा की है। इसके साथ ही इजराइल ने भी ईरान के विरुद्ध अपने सैन्य अभियानों को रोकने पर सहमति जताई है। दूसरी ओर, ईरान होर्मुज जलमार्ग को खोलने के लिए सहमत हो गया है। जहाजों की आवाजाही ईरानी सैन्य प्रबंधन के तहत होगी। इस समझौते में पाकिस्तान ने मुख्य मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। ईरान ने जो दस सूत्री प्रस्ताव दिया है, यह समझौता उसी पर आधारित है, जिसे अमेरिका ने चर्चा के लिए स्वीकार किया है। इसमें ईरान पर प्रतिबंधों को हटाने और उसे मुआवजा देने जैसी मांगें शामिल हैं। हालांकि इजराइल ने स्पष्ट किया है कि उसकी कार्रवाई लेबनान के विरुद्ध जारी रह सकती है। यह समझौता ट्रंप द्वारा दी गई उस समय सीमा के खत्म होने से कुछ ही घंटे पहले हुआ, जिसमें उन्होंने ईरान की सभ्यता को पूरी तरह नष्ट करने की धमकी दी थी।

भूमध्य सागर के समीप खाड़ी क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा का हृदय स्थल है। यहां सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे देश न केवल ऊर्जा के अग्रणी उत्पादक हैं, बल्कि अमेरिका के रणनीतिक साझेदार भी हैं। अमेरिका ने अपनी कूटनीति से इन देशों को अपने हितों के अनुरूप साध लिया है, लेकिन ईरान इस समीकरण में हमेशा उसके लिए एक कांटा बना रहा। उसके परमाणु अनुसंधान में लिप्त होने और परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना करने की आशंका अमेरिका के लिए सिरदर्द बनी हुई थी। समय के साथ अमेरिका का नेतृत्व बदला, तो डोनाल्ड ट्रंप के कड़े निर्णयों और दूसरों से अलग चलने की उनकी नीति ने इस सुलगती आग में घी का काम किया। फरवरी के अंतिम दिनों में इजराइल को ढाल बना कर अमेरिका ने जो मिसाइल हमला शुरू किया, उसने ईरान को सीधे युद्ध के मैदान में खींच लिया।

पिछले एक महीने से ज्यादा समय से पश्चिमी एशिया भीषण युद्ध का साक्षी है। अमेरिका ने ईरान के तेल और गैस संयंत्रों को निशाना बना कर उसकी आर्थिक रीढ़ तोड़ने की कोशिश की। इससे पूरी दुनिया को होने वाली तेल-गैस की आपूर्ति का ढांचा बुरी तरह ढह गया। ईरान ने भी बदला लेने की नीति अपनाई। प्रतिक्रिया स्वरूप उसने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर से होने वाली नियमित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को भी बाधित कर दिया। अब कुछ समय के लिए युद्धविराम से तेल संकट दूर होने की उम्मीद की जा सकती है।

पिछले कई दिनों तक चले युद्ध में सबसे विचलित करने वाली खबर ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई और उनके परिवार से जुड़ी रही। अमेरिकी हमलों में खामेनेई, उनकी पत्नी और शीर्ष सैन्य अधिकारियों के मारे जाने या गायब होने की खबरों ने ईरान में प्रतिशोध की ज्वाला को और भड़का दिया था। नए ईरानी नेतृत्व ने अपनी पूरी सैन्य शक्ति झोंकते हुए खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और ऊर्जा केंद्रों को भारी क्षति पहुंचाई। इजराइल और अमेरिका को भी इस युद्ध में ईरान से कम नुकसान नहीं हुआ।

अमेरिका की कार्रवाई के पीछे चार मुख्य उद्देश्य स्पष्ट थे। पहला, परमाणु शक्ति पर अंकुश। ईरान को परमाणु संपन्न राष्ट्र बनने से रोकना। दूसरा, आतंकवाद का समूल नाश। अमेरिका की दृष्टि में ईरान समर्थित आतंकी गुट वैश्विक शांति के लिए खतरा हैं, जिन्हें वह जड़ से उखाड़ना चाहता है। तीसरा, सत्ता परिवर्तन। ईरानी जनता के एक वर्ग में खामेनेई शासन के प्रति असंतोष को भुना कर अमेरिका वहां एक ‘अनुकूल’ शासन व्यवस्था स्थापित करना चाहता है। चौथा, ऊर्जा संसाधनों पर आधिपत्य। अमेरिका का सबसे बड़ा उद्देश्य ईरान के विशाल तेल और गैस भंडारों पर अपना नियंत्रण स्थापित करना है, ताकि वैश्विक ऊर्जा बाजार की चाबी पूरी तरह उसके पास हो।

इस युद्ध का सबसे दुखद पहलू यह रहा कि तीन देशों के इस अहंकार में पूरी दुनिया की आर्थिक व्यवस्था और ऊर्जा श्रृंखला पर गंभीर असर पड़ा। राहत की बात केवल इतनी रही कि अभी तक कोई चौथा देश प्रत्यक्ष रूप से युद्ध के मैदान में नहीं उतरा। न तो नाटो अमेरिका की ओर से खुल कर आया और न ही रूस या चीन ने ईरान के पक्ष में सीधे अपनी सेनाएं उतारीं। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए खाड़ी पर निर्भर हैं, वे तटस्थ रहे। भले ही रूस, चीन और उत्तर कोरिया प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में नहीं उतरे, किंतु उनकी भूमिका निष्क्रिय भी नहीं थी। वे अमेरिका और इजराइल को युद्ध रोकने की चेतावनी देते रहे।

दुनिया भर के देशों की मंशा को बारीकी से परखा जाए, तो एक कटु सत्य सामने आता है। अधिकांश देशों को इस बात से वास्तव में बहुत ज्यादा सरोकार नहीं दिखता कि अमेरिका को कितना नुकसान हुआ या ईरान में कितने लोग मारे गए। उनकी वास्तविक चिंता तेल और गैस की सुचारु आपूर्ति को लेकर है। दुनिया को डर है कि यदि ईरान ने प्रतिशोध में पूरे खाड़ी क्षेत्र के तेल कुओं को तबाह कर दिया, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था का पहिया थम जाएगा। ईरान और खाड़ी क्षेत्र के ये संयंत्र केवल उन देशों की संपत्ति नहीं हैं, बल्कि वे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के सबसे बड़े केंद्र हैं। यदि यह स्रोत सूख गया, तो विकसित से लेकर विकासशील राष्ट्रों तक, सभी का राष्ट्रीय शासन और अर्थव्यवस्था ताश के पत्तों की तरह ढह जाएगी।

युद्ध कभी भी स्थायी समाधान नहीं होता। ऊर्जा संयंत्रों के नष्ट होने से आने वाली कई पीढ़ियों की दुनिया अंधकार में डूब जाएगी। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत जैसे तटस्थ देश और संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं आगे आएं और एक ऐसा व्यापक समाधान विकसित करें, जहां संप्रभुता का सम्मान हो और ऊर्जा संसाधनों का उपयोग युद्ध के हथियार के रूप में न किया जाए।

जनगणना को लेकर कर्मियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण

तीन ग्रुप में बांटे गये हैं 50-50 कर्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडखोरा (कटिहार) । भारत की जनगणना 2027 को लेकर प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। किसान भवन सभागार में आयोजित प्रशिक्षण में चार्ज पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रशिक्षण प्रभारी सह प्रखंड कृषि पदाधिकारी शिवानी गुप्ता मौजूद रहे। वहीं तीन दिवसीय प्रशिक्षण के पहले दिन प्रशिक्षक द्वय सुनील कुमार झा एवं अनिल कुमार सिंह ने उपस्थित 50 प्रशिक्षुओं एवं पर्यवेक्षकों को नजरी नक्शा बनाने, उसमें संकेत अंकित करना और मकान गणना, परिवार गणना के विभिन्न पहलुओं को विस्तार से मौखिक एवं प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रायोगिक रुप में बताया। इस क्रम में प्रगणकों ने सवाल भी किये।

जिसका प्रशिक्षकों द्वारा सरल शब्दों में बताकर संतुष्ट किया। राज्य से नामित नोडल अधिकारी मो.अताउर रहमान तथा आशीष साह ने प्रशिक्षण का जायजा लिया। उन्होंने चार्ज पदाधिकारी एवं प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षकों को जनगणना को लेकर कई निर्देश भी दिये।इस बाबत प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र में जनगणना के लिए 143 प्रगणक तथा 24 पर्यवेक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई है। जिसको तीन ग्रुप में बांटकर प्रत्येक ग्रुप को तीन-तीन दिन तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आज के प्रशिक्षण में 50 प्रशिक्षु शामिल हुए हैं। प्रशिक्षण सफल बनाने में प्रखंडकर्मी इंद्रजीत कुमार, अवधेश पासवान, संजय विश्वास, अनिल साह, शाश्वत त्रिपाठी, कुणाल कुमार, सद्दाम आदि कर्मी सक्रिय रहे।

एसपी कार्यालय में मासिक क्राइम मिटिंग आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। पुलिस अधीक्षक के कार्यालय कक्ष में मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता एसपी शिखर चौधरी ने की। गोष्ठी में सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय, पुलिस उपाधीक्षक यातायात, परि. पुलिस उपाधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक रक्षित, परिचारी प्रवर, सभी अंचल पुलिस निरीक्षक, थानाध्यक्ष, ओपीध्यक्ष एवं शाखा प्रभारीगण उपस्थित रहे । बैठक के दौरान कांडों के निष्पादन, अपराध नियंत्रण तथा संवेदनशील स्थानों पर सतत निगरानी, सभी थाना क्षेत्र में नियमित गश्ती, सघन वाहन जांच, तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा -निर्देश दिया गया।साथ ही अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी, साइबर अपराध संबंधित कांडों के निष्पादन, वारंट तामिला, दागियों की निगरानी, मद्यनिषेध अभियान, सीसीटीएनएस, ई-आफिस एवं डायल-112 की तत्परता जैसे बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई।

हाइवा के चपेट में आने से युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। शहर के शहीद चौक पर सुबह एक तेज रफ्तार हाइवा वाहन की चपेट में आने से 38 वर्षीय व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद जहां अफरा-तफरी मच गई। वहीं चालक मौके से फरार हो गया। सोमवार की सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया। जिसने पूरे इलाके को सन्न कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना अध्यक्ष कुंदन कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहन को जब्त कर लिया।

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। इस दौरान घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जिसमें पूरे मामले को और भी रहस्यमय बना दिया है। वीडियो में दिख रहा है कि हाईवा धीरे-धीरे शहीद चौक पार कर रहा था। तभी अचानक मृतक पीछे के टायर की ओर जाता नजर आता है और उसकी चपेट में आ जाता है। अब सवाल उठ रहे हैं क्या यह हादसा है या किसी ने धक्का दिया या फिर आत्महत्या? पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। मृतक की पहचान उसके पास मिले वॉलेट से हुई है। वोटर आईडी कार्ड के आधार पर उसकी पहचान पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार निवासी राजेश खेरिया के रूप में की गई।तलाशी के दौरान पासपोर्ट साइज फोटो

और कुछ मोबाइल नंबर भी बरामद हुए। जिनके जरिए पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है। जानकारी के मुताबिक मृतक की जिंदगी पहले से ही परेशानियों से घिरी थी। माता-पिता का निधन हो चुका था। पत्नी भी छोड़कर जा चुकी थी। परिवार में एक बेटी है जो पढ़ाई के लिए बाहर है और एक भाई काम पर गया हुआ था। इस हादसे ने एक और परिवार को उजाड़ दिया। कटिहार में हाल के दिनों में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। अप्रैल महीने में कई बड़ी घटनाओं में दर्जनों लोगों की जान जा चुकी है। शहीद चौक की इस घटना के बाद इलाके में दहशत और चिंता का माहौल है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा की ओर से चलाया स्वच्छता अभियान

कटिहार (नबिटासं)। भारतीय जनता पार्टी की ओर से शहर के अंबेडकर चौक पर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जयंती की पूर्व संध्या पर अंबेडकर चौक पर स्वच्छता अभियान चलाकर संदेश दिया। अंबेडकर के प्रतिमा की साफ सफाई भी कर दीप जलाकर बाबा भीमराव

अंबेडकर को नमन किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज राय, प्राणपुर विधायक निशा सिंह ,कोढ़ा विधायक कविता पासवान, जिला महामंत्री गोविंद अधिकारी, सौरभ कुमार मालाकार मुख्य से शामिल हुए। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज राय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती को 13 अप्रैल से 20 अप्रैल तक विभिन्न विभिन्न कार्यक्रम के तहत बनाने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब के सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा पर आधारित विचार आज भी हमें एक समतामूलक और सशक्त समाज के निर्माण की प्रेरणा देते हैं।उन्होंने कहा कि बाबासाहेब के दिखाए मार्ग पर चलते हुए शिक्षित, सक्षम और आत्मनिर्भर बिहार के निर्माण का संकल्प लें, यही सशक्त भारत की आधारशिला बनेगा। इस अवसर पर कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष शोभा जयसवाल ,पप्पू गुप्ता, जिला मंत्री धर्मनाथ तिवारी, महेंद्र झा, पिंटू भगत, महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रियंका सिंह, भास्कर सिंह, छाया तिवारी, बब्बन झा, रंजन झा, बुलबुल सिंह, पूजा शर्मा, रीना झा, शांति जायसवाल,जोक्शन यादव, अतुल सिन्हा ,विकास यादव, गीता पासवान शाहिद भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल रहे ।

बड़कागांव मुख्य चौक पर जाम से लोगों की परेशानी बढ़ी, समाधान की मांग

बड़कागांव/हजारीबाग (नबिटासं)। बड़कागांव मुख्य चौक पर इन दिनों भीषण जाम की समस्या से आम लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। इस संबंध में नागरिक अधिकार मंच, बड़कागांव ने उपायुक्त हजारीबाग को ज्ञापन सौंपकर तत्काल समाधान की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि एनटीपीसी की कोल खनन परियोजना के तहत ढेंगा स्थित आर एन्ड आर कॉलोनी के कारण भारी वाहनों का आवागमन मुख्य चौक से लगातार बढ़ गया है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में बसों और अन्य वाहनों के परिचालन से दिन में कई बार जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। मंच के अनुसार, मुख्य मार्ग के दोनों ओर कई बैंक संचालित हैं तथा पास में पी.एम.श्री विद्यालय स्थित है, जहां एक हजार से अधिक छात्र-छात्राएं पढ़ाई करते हैं। इसके अलावा इसी मार्ग पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, थाना, स्कूल और कॉलेज भी स्थित हैं, जिसके कारण यहां हमेशा भीड़ बनी रहती है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि बड़कागांव की यह मुख्य सड़क ही आम लोगों के आवागमन और रोजमर्रा की गतिविधियों का एकमात्र प्रमुख साधन है। पहले से ही भीड़भाड़ वाले इस क्षेत्र में एनटीपीसी वाहनों के बढ़ते दबाव से दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है। मंच ने 18 जून 2025 को हुई एक सड़क दुर्घटना का भी जिक्र किया, जिसमें एक युवक की जान चली गई थी। उस समय प्रशासन और एनटीपीसी अधिकारियों के बीच यह सहमति बनी थी कि अक्टूबर 2025 के बाद बसों का परिचालन बंद कर दिया जाएगा, लेकिन अब तक इस पर अमल नहीं किया गया है। नागरिक अधिकार मंच ने प्रशासन से मांग की है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एक सप्ताह के भीतर जाम से निजात दिलाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके और आमजन को राहत मिल सके। ज्ञापन पर ललन टोप्पो, चंदन गुप्ता, राकेश कुमार महतो और अमित कुमार साहू सहित अन्य लोगों के हस्ताक्षर हैं।

कटिहार सिविल कोर्ट को उड़ाने की मिली धमकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार कोर्ट । जिले में उस समय हड़कंप मच गया। जब सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ। धमकी की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस महकमा पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कटिहार जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी और पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी खुद मौके पर पहुंचे और पूरा न्यायालय परिसर में घूमकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

कटिहार सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी की जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि कोर्ट को ईमेल के माध्यम से धमकी मिली है।हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य है, लेकिन किसी भी संभावित खतरे को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है। पूरे कोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। साथ ही आने-जाने वालों की सघन जांच की जा रही है। किसी भी अंजान व्यक्ति को बिना चेक किए हुए अन्दर जाने नहीं दिया जा रहा है। न्यायालय में बम को लेकर मेल की खबर हो सकता है कि फर्जी भी हो। लेकिन जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के दृष्टिकोण से बारीकी से जांच किया जा रहा है। जिसके लिए जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि एफआईआर करके आगे जांच की जाएगी। वही इस संबंध में पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी ने बताया कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए साइबर थाना में केस दर्ज कर लिया गया है। धमकी भरे ईमेल की जांच तकनीकी टीम द्वारा की जा रही है ताकि इसके पीछे शामिल तत्वों का जल्द पता लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के सभी मानकों का पालन किया जा रहा है और किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा रही है। इसी क्रम में जिला प्रशासन द्वारा कोर्ट कैंपस की सुरक्षा के लिए निरीक्षण किया जा रहा है। जिसके लिए जांच जारी है और सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

घरेलू विवाद में हुई मारपीट इलाज के दौरान मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कदवा (कटिहार)। बीते एक सप्ताह पूर्व कदवा थाना क्षेत्र के नूनगरा गांव में घरेलू विवाद को लेकर पति पत्नी के बीच हुई मारपीट में पत्नी महिला सबिता देवी(40) का हाथ पैर टूट गया था। जिसकी इलाज के दौरान शनिवार देर शाम केएमसीएच में मौत हो गई।मामले को लेकर कदवा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है ।दर्ज प्राथमिकी में पीड़िता के पिता भरत लाल महतो ने बताया है की दिनांक 6 अप्रैल 26 को मृतिका के पति एवं देवर और उनके अन्य परिजनों द्वारा मारपीट कर जख्मी कर दिया है। जिनका इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया जहां से बेहतर उपचार हेतु सदर अस्पताल कटिहार भेज दिया गया। जहां से मृतिका के पिता व अन्य परिजनों द्वारा निजी अस्पताल में ले गए। वहां से बेहतर उपचार हेतु के एम सी एच अस्पताल ले गए। जहां उनकी मौत हो गई । मृतिका अपने पीछे दो पुत्र एक पुत्री को छोड़ गई है। कदवा पुलिस ने आनन फानन में हत्या के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर मृतका के पति और देवर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।थानाध्यक्ष विजय प्रकाश ने बताया की दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई।

प्रधानाध्यापकों के साथ बीइओ ने की मासिक समीक्षात्मक बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई (कटिहार)। बारसोई प्रखंड के समस्त प्राथमिक, मध्य एवं उच्च विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों का बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मुमताज अहमद ने की। मौके पर कक्षा एक से लेकर बारहवीं तक में शत प्रतिशत छात्र-छात्राओं का प्रोग्रेसन, पाठ्यपुस्तक की उपलब्धता व वितरण, व्यय की गई राशि की समीक्षा विस्तार से की गई।

इस दौरान प्रधानाध्यापकों को संबोधित करते हुए बीईओ ने कहा कि विद्यालय के संचालन में यदि कोई समस्या हो रही है तो बीआरसी को सूचित करें ताकि ससमय समस्याओं का समाधान किया जा सके। उन्होंने

उपस्थित सभी प्रधानाध्यापकों से नए नामांकित बच्चों के बायोडाटा को ई-शिक्षा कोष पोर्टल में इंट्री करने की बात कही। उन्होंने कहा कि सरकारी निर्देश का पालन नहीं करने वालों व अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों पर कड़ी कारवाई की जाएगी। आगे बीईओ ने नामांकन बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने प्रधानाध्यापकों से अपने अपने पोषक क्षेत्रों में डोर टू डोर सर्वे कर बच्चों का दाखिला विद्यालय में करने की बात कही। बैठक में सैयद रजा,मोहिब एजदानी, शमीम अख्तर, नुरुल इस्लाम, नकिब आलम, शगुफ्ता परवीन, जहीरूद्दीन, कुमारी नीलम, नीलोफर खातून, मिन्हाज आलम, मसरूर आलम, शहादत हुसैन,समर घोष, गायत्री दास, मार्था मुर्मू, कराबी घोष, अलीमा खातून, प्रहलाद पाल, अबुल बशर,आरती दास, दिलीप नुनिया मुख्य रूप से उपस्थित रहे ।

घरेलू विवाद से परेशान युवक ने खाया जहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुरसेला (कटिहार)। थाना क्षेत्र के नगर पंचायत वार्ड संख्या 01 में सोमवार को घरेलू विवाद से आहत एक युवक ने जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार सूरज कुमार यादव ने पारिवारिक कलह से परेशान होकर यह कदम उठाया।

बताया जाता है कि 12 अप्रैल की रात परिवार के साथ भोजन के बाद सोने के दौरान उसने घर में गैस सिलेंडर का पाइप खोलकर आग लगाने की कोशिश की। हालांकि परिजनों ने आग पर काबू पा लिया। सुबह इस घटना

को लेकर जब सूरज से परिजनों से सवाल किया और उसके साथ मारपीट की गयी। आक्रोश में आकर उसने जहर पी लिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ गयी। परिजन इलाज के लिए आगे नहीं आए। जिसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां इलाज के बाद अब वह खतरे से बाहर बताया जा रहा है।

जनगणना 2027 की तैयारी शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार)। भारत की जनगणना 2027 को लेकर बरारी प्रखंड में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में सोमवार को जागेश्वर उच्च विद्यालय गुरुबाजार में प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी धीरेन्द्र कुमार धीरज, बीपीआरओ राज कुमार सिंह और सांख्यिकी पदाधिकारी अंजनी कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान बीडीओ ने बताया कि प्रशिक्षण 13 अप्रैल से 24 अप्रैल तक चलेगा, जिसमें जनगणना से जुड़े विभिन्न तकनीकी और व्यवहारिक पहलुओं

की जानकारी दी जा रही है। बीपीआरओ ने बताया कि सही और सटीक आंकड़े जुटाने के लिए प्रगणकों को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि जनगणना कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सके।इस दौरान प्रखंड नाजिर कुमार आनंद,असरफ मुख्तार, कामख्या नारायण शर्मा, संतोष कुमार, राकेश कुमार, भगत सिंह, विशाल कुमार, सुमन कुमार और विकास कुमार समेत अन्य कर्मी मौजूद रहे।

जनगणना प्रशिक्षण में अनुपस्थिति बर्दाश्त

बीडीओ का सख्त निर्देश, अन्य कार्य छोड़कर प्रशिक्षण को दें प्राथमिकता, सभी पर्यवेक्षक व प्रगणक को अनिवार्य उपस्थिति का आदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार)। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह चार्ज पदाधिकारी धीरेन्द्र कुमार धीरज की ओर से जनगणना कार्य को लेकर अत्यावश्यक निर्देश जारी किया गया है। सूचना में सख्त निर्देश दिया गया हैं कि जनगणना कार्य में प्रतिनियुक्त एवं चिन्हित सभी पर्यवेक्षक, प्रगणक एवं शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

निर्देश में बताया गया है कि यदि कोई कर्मी किसी अन्य प्रशिक्षण या सरकारी कार्य में संलग्न हैं, तब भी

उन्हें जनगणना प्रशिक्षण में भाग लेना अनिवार्य होगा। किसी भी परिस्थिति में निर्धारित तिथि पर आयोजित जनगणना प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी।बीडीओ ने बताया कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही या अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया जाएगा। सभी संबंधित कर्मियों को समय पर प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचकर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। बीडीओ के इस सख्त रुख के बाद प्रखंड क्षेत्र में प्रतिनियुक्त कर्मियों के बीच हलचल तेज हो गई है और सभी प्रशिक्षण को लेकर सतर्क नजर आ रहे।

नगर निगम को मिला शव डी-फ्रीजर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। शहर के स्कॉटिश पब्लिक स्कूल के निदेशक अविनाश कुमार एवं उनकी पत्नी मधु कुमार के द्वारा स्वर्गीय रानी चौधरी की पुण्य स्मृति में नगर निगम कटिहार को एक शव डी-फ्रीजर दान स्वरूप प्रदान किया। नगर निगम द्वारा इस शव डी-फ्रीजर के उपयोग हेतु ₹100 का नाममात्र मेंटेनेंस शुल्क निर्धारित किया गया है। जिससे आम नागरिकों को यह सुविधा सहज एवं सुलभ रूप से उपलब्ध कराई जा सके।

इस अवसर पर मेयर उषा देवी अग्रवाल ने कहा कि इस महत्वपूर्ण सहयोग के लिए नगर निगम परिवार अविनाश जी एवं स्कॉटिश पब्लिक स्कूल परिवार का हृदय से आभारी है। उन्होंने कहा कि यह शव डी-फ्रीजर जरूरतमंद परिवारों के लिए कठिन समय में एक बड़ी राहत

सिद्ध होगा तथा समाज में सेवा और सहयोग की भावना को और सुदृढ़ करेगा। मेयर ने स्वर्गीय रानी चौधरी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी स्मृति में किया गया यह योगदान सदैव समाज सेवा के रूप में स्मरणीय रहेगा। इस अवसर पर उप महापौर मंजूर खान, नगर आयुक्त संतोष कुमार, निगम पार्षद संजय महतो, सलीम अंसारी,पार्षद प्रतिनिधि पप्पू पासवान, स्कॉटिश पब्लिक स्कूल के गीत अविनाश सहित अन्य गणमान्य सहयोगीगण एवं नगर निगम के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नारी शक्ति का सशक्त संकल्प

नए भारत का मजबूत आधार : निशा सिंह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। भारतीय जनता पार्टी की ओर से नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर जिला अतिथि गृह में प्राणपुर की विधायक सह भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय मंत्री निशा सिंह ने प्रेस वार्ता की । आयोजित प्रेस वार्ता में नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के संदर्भ में मीडिया बंधुओं से सार्थक संवाद किया और कहा कि यह ऐतिहासिक अधिनियम केवल आरक्षण तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समान अवसर और सशक्त लोकतंत्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि नारी सम्मान,सुरक्षा और सशक्तिकरण के संकल्प के साथ हम सभी मिलकर एक ऐसे समाज के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जहां महिलाओं को समान अवसर, सम्मान और

प्रगति के हर द्वार सुलभ हों। प्रेस को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि आज देश की महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता का परिचय दे रही हैं, जो विकसित भारत के निर्माण की आधारशिला है। इस अवसर पर प्रेस वार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज राय, जिला उपाध्यक्ष शोभा जयसवाल, महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रियंका सिंह सहित बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की कार्यकर्ता मौजूद रही ।

● जल्द दूर होंगी पॉलिसी होल्डर्स की परेशानियां

हेल्थ इंश्योरेंस में बड़े बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने हेल्थ इंश्योरेंस के क्षेत्र में बड़े बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत बीमा नियामक इरडा ने एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है, जो हेल्थ इंश्योरेंस के पूरे ढांचे की गहराई से जांच करेगी और ऐसे सुझाव देगी, जिससे सिस्टम ज्यादा सरल, पारदर्शी और भरोसेमंद बन सके। इसका मकसद बीमा लेने वाले लोगों की परेशानियों को कम करना और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक इसकी पहुंच बनाना है। विशेषज्ञों का कहना है कि देश में पिछले कुछ वर्षों में हेल्थ इंश्योरेंस लेने वालों की संख्या बढ़ी है, लेकिन इसके साथ ही समस्याएं भी बढ़ी हैं। लोग लगातार बढ़ते प्रीमियम, अस्पतालों की मनमानी बिलिंग, क्लेम में देरी और पॉलिसी की जटिल शर्तों से परेशान हैं।

कम हुआ आम लोगों का भरोसा

कई बार बीमा होने के बावजूद मरीज को बड़ी रकम अपनी जेब से खर्च करनी पड़ती है। यही वजह है कि आम लोगों का भरोसा इंश्योरेंस सिस्टम पर कुछ हद तक कम हुआ है। इन समस्याओं को देखते हुए बीमा ढांचे में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। अस्पतालों की मनमानी बिलिंग सबसे बड़ी समस्या अस्पतालों की मनमानी बिलिंग सबसे बड़ी समस्या है। एक ही बीमारी के इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में अलग-अलग खर्च लिया जाता है। इस गड़बड़ी को दूर करने के लिए अस्पतालों की फीस और टैरिफ सिस्टम की समीक्षा की जाएगी, ताकि इलाज की कीमतों में पारदर्शिता लाई जा सके।

क्या करेगी समिति

हेल्थ इंश्योरेंस से जुड़े हर पहलू की समीक्षा करेगी। समिति यह भी देखेगी कि हेल्थ इंश्योरेंस कितने लोगों तक पहुंच रहा है, दावा निपटान की प्रक्रिया कैसी है, नए बीमा प्लान कैसे बनाए जाएं, लोगों की शिकायतों का समाधान कैसे तेज किया जाए। इसके अलावा फर्जी दावे, गलत बिलिंग और प्रशासनिक कमियों को दूर करने के उपाय भी सुझाएगी। इसके लिए बीमा कंपनियों और अस्पतालों के बीच बेहतर तालमेल बनाने की कोशिश होगी। समिति यह भी देखेगी कि सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और निजी बीमा के बीच बेहतर तालमेल कैसे बनाया जाए। इससे लोगों को ज्यादा विकल्प मिलेंगे और बीमा का फायदा ज्यादा लोगों तक पहुंच सकेगा। साथ ही पॉलिसी को एक कंपनी से दूसरी कंपनी में ले जाना भी आसान हो सकता है।

श्रीलंका में भारत का बड़ा दांव

शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने वहां बड़ी खरीदारी की है

● खरीद ली सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी, देखते रह गया चीन

नई दिल्ली , एजेंसी। श्रीलंका में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए भारत ने एक बड़ा दांव खेला है। नौसेना के लिए युद्धपोत और पनडुब्बी बनाने वाली कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने वहां बड़ी खरीदारी की है। कंपनी ने श्रीलंका की सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी में 51 फीसदी कंट्रोलिंग हिस्सेदारी खरीदी है। रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाली नवरत्न कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने पहली बार किसी विदेशी कंपनी में हिस्सेदारी खरीदी है। कंपनी ने यह हिस्सेदारी 249.5 करोड़ रुपये में खरीदी है। इससे भारत सरकार के मैरिटाइम अमृत काल विजन 2047 के लिए अहम मील का पत्थर माना जा रहा है। इस डील के पूरा होने के बाद कोलंबो डॉकयार्ड के बोर्ड का पुनर्गठन किया गया है। इसमें एमडीएल की नॉमिनी शामिल किए गए हैं। एमडीएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर कैप्टन (रिटायर्ड) जगमोहन को कोलंबो डॉकयार्ड का नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बनाया गया है। उनकी नियुक्ति 7 अप्रैल, 2026 से प्रभावी मानी जाएगी। एमडीएल के अन्य नॉमिनीज में बीजू जॉर्ज, डायरेक्टर (शिपबिल्डिंग) और रुचिर अग्रवाल, डायरेक्टर (फाइनेंस) शामिल हैं।

तिमिरा एस गोदाकुंबुरा कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी के एमडी और सीईओ बने रहेंगे ताकि ऑपरेशन में निरंतरता बनी रहे। सनशाइन होल्डिंग्स पीएलसी के डिप्टी चेयरमैन विश गोविंदसामी को एमडीएल के नॉमिनी डायरेक्टर के तौर पर बोर्ड में शामिल किया गया है। एमडीएल भारत के बाहर अपना विस्तार करना चाहती है और यह अधिग्रहण इसी पहल का हिस्सा है। भारत ग्लोबल शिपबिल्डिंग और शिप रिपेयर इकोसिस्टम में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहता है। इसमें कोलंबो डॉकयार्ड अहम भूमिका निभा सकता है। इसकी स्ट्रैजिक लोकेशन और स्थापित क्षमताओं का एमडीएल को फायदा मिलेगा।यह अधिग्रहण भारत के लिए सामरिक रूप से बहुत अहम है। इसकी वजह यह है कि चीन श्रीलंका में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। चीन ने हंबनतोता पोर्ट को 99 साल की लीज पर ले रखा है और साथ ही उसके नेवल शिप लगातार कोलंबो में लंगर डाल रहे हैं। इसने भारत की चिंता को बढ़ा दिया है। भारत के समुद्री क्षेत्र में चीन की बढ़ती उपस्थिति को काउंडर करने के लिए इस अधिग्रहण को अहम माना जा रहा है।

भारत ने श्रीलंका की सबसे बड़ी शिपबिल्डिंग कंपनी खरीदी हिस्सेदारी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने कोलंबो डॉकयार्ड में खरीदा 51 प्रतिशत स्टेक चीन के बढ़ते दबदबे को काउंटर करने के लिए इसे अहम माना जा रहा है भारत समुद्री ताकत के मामले में दुनिया में अभी 6वें नंबर पर है

भारत दुनिया में समुद्री ताकत के मामले में अभी 16वें नंबर पर है। भारत का लक्ष्य 2030 तक शिपबिल्डिंग के मामले में दुनिया के टॉप 10 देशों में शामिल होना है और 2047 तक टॉप 5 में आना है। शिपिंग में अपनी धाक जमाने के लिए भारत सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं।

2026 में चमकेगा भारत! बनेगा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोलर मार्केट

एनएसईएफआई ने की बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत अब ग्रीन एनर्जी की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में यह दुनिया के सबसे बड़े सोलर एनर्जी मार्केट में शामिल हो सकता है। नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, देश ने हाल के महीनों में सोलर एनर्जी के क्षेत्र में रिकॉर्डतोड़ प्रगति की है। सिर्फ 14 महीनों में करीब 50 गीगावाट नई क्षमता जोड़कर भारत ने कुल सौर क्षमता को 150 गीगावाट तक पहुंचा दिया है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है, क्योंकि शुरुआती 50 गीगावाट तक पहुंचने में जहां 11 साल लगे थे, वहीं अब उतनी ही क्षमता बेहद कम समय में जोड़ ली गई है। इस तेज रफ्तार के पीछे सरकार की कई बड़ी योजनाएं और नीतियां हैं, जो सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही हैं। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन जैसी पहलें इस ग्रोथ को मजबूती दे रही हैं। इन योजनाओं की वजह से न केवल बड़े प्रोजेक्ट्स बल्कि घरों और छोटे व्यवसायों में भी सोलर एनर्जी का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। भारत 2030 तक 500 गीगावाट नॉन-फॉजिल एनर्जी क्षमता हासिल करने के लक्ष्य पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी 280-300 गीगावाट तक हो सकती है। मौजूदा रफ्तार को देखें तो भारत हर साल लगभग 50 गीगावाट नई सौर क्षमता जोड़ रहा है, जो इसे 2026 तक दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सौर बाजार बना सकता है। खास बात यह है कि जहां अमेरिका और यूरोप में सोलर एनर्जी की ग्रोथ धीमी पड़ रही है, वहीं भारत लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आने वाले सालों में कॉमर्शियल और इंडस्ट्रियल सेक्टर और डिस्ट्रीब्यूटेड रिनवेबल एनर्जी इस ग्रोथ के सबसे बड़े इंजन बन सकते हैं। कंपनियां अब बिजली के लिए सौर ऊर्जा की ओर तेजी से रुख कर रही हैं, जिससे लागत कम हो रही है और पर्यावरण को भी फायदा मिल रहा है। साथ ही सरकार की स्कीम और मेक इन इंडिया जैसी नीतियों ने सोलर मैन्युफैक्चरिंग को भी मजबूत किया है, जिससे भारत आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

राधाकिशन दमानी, डॉली खन्ना, मुकुल अग्रवाल ने मार्च तिमाही में नई कंपनियों में लगाया पैसा

मुंबई, एजेंसी। मार्च क्वार्टर में घरेलू शेयर बाजारों की स्थिति अच्छी नहीं थी। इस दौरान निफ्टी में 10 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। एक तरफ जहां छोटे निवेशक इस पीरियड में परेशान दिखे तो वहीं दिग्गज निवेशकों ने कई कंपनियों में पैसा लगाया। राधाकिशन दामानी से लेकर मुकुल अग्रवाल तक शेयर बाजार के चर्चित सुपरस्टार्स ने मार्च तिमाही में अनेकों कंपनियों में इनवेस्टमेंट किया है। आइए जानते हैं कि वो कंपनियां कौन सी हैं दिग्गज निवेशक राधाकिशन दमानी ने दांव लगाया है। यह स्टॉक इस साल 12 प्रतिशत तक लुढ़क चुका है। वहीं, बीते एक साल में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 39 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। मार्च तिमाही के दौरान मुकुल अग्रवाल का फोकस एनर्जी सेक्टर की कंपनियों पर टिका रहा। उन्होंने टू कलर में 1.62 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। यह कंपनी डिजिटल टेक्सटाइल प्रींटिंग सेगमेंट में काम करती करती है। मौजूदा समय में यह स्टॉक अपने इश्यू प्राइस से भी नीचे आकर ट्रेड कर रहा है। बता दें, आज सोमवार को टू कलर के शेयरों में बड़ी तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर बीएसई में 179 रुपये के स्तर पर खुले थे। लेकिन कुछ देर के बाद यह 9 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 188.75 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। कई कंपनियों में आशीष कचोलिया ने मार्च तिमाही में निवेश किया है। टेकएरा इंजीनियरिंग, एसजी फिनसर्व, एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज और आशीष कचोलिया ने इनवेस्टमेंट किया है। आज सोमवार को शेयरों में 1 प्रतिशत से अधिक की उछाल देखने को मिली है। मधुसूदन केल ने नया निवेश किया है। उन्होंने अपने पोर्टफोलियो में इन दिग्गज कंपनियों को मार्च तिमाही के दौरान जोड़ा है।

सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-अमेरिका युद्ध के बढ़ते तनाव और पाकिस्तान में हुई बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकलने से आज सुबह के कारोबार में सोने और चांदी की कीमतों पर बिकवाली का दबाव देखने को मिला। एमसीएक्स पर सोने का भाव आज 1,51,547 रुपये प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर पर खुला और कुछ ही मिनटों में 1,51,457 रुपये प्रति 10 ग्राम के को छू गया। जबकि, एमसीएक्स पर चांदी की कीमत 2.5 प्रतिशत गिरकर 2,37,190 रुपये प्रति किलोग्राम पर आग गई। वहीं इंटरनेशनल मार्केट में सोना 4,723.55 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। चांदी भी यहां दो प्रतिशत टूटकर 74.36 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। यूनियन बैंक प्रिवी के एशिया में प्रमुख परास गुप्ता का कहना है कि वीकेंड की घटनाओं ने नाजुक सीजफायर को खतरे में डाल दिया है।

क्यों गिरे सोने-चांदी के भाव

अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध को लेकर महंगाई की चिंताओं ने जोर पकड़ लिया है। हालांकि, इस्लामाबाद में हुई बातचीत के बेनतीजा रहने के बाद स्थिति और गंभीर हो गई। इसमें ईरान के साथ कोई समझौता नहीं हो सका, जिससे मध्य पूर्व में छह सप्ताह से चल रहे युद्ध को रोकने की उम्मीदों को झटका लगा है।

माइक्रोवेव में पिघला बर्तन, पति-पत्नी को आया आइडिया, खड़ा कर दिया करोड़ों का कारोबार

नई दिल्ली एजेंसी। मधुमिता उदय कुमार और जगदीश कुमार चेन्नई से हैं। पति-पत्नी की इस जोड़ी ने एक सफल कारोबार खड़ा कर दिया है। उनके स्टार्टअप का नाम 'द इंडस वैली' है। इसकी नींव दोनों ने साल 2016 में डाली थी। इसका आइडिया उन्हें एक निजी हादसे के बाद आया था। तब माइक्रोवेव में एक प्लास्टिक का बर्तन पिघल गया था। इसने उन्हें हेल्दी कुकवेयर के बारे में सोचने के लिए मजबूर किया। इसका मकसद भारतीय रसोई को रसायनों से मुक्त करने के साथ खाना पकाने के पारंपरिक तरीकों को आधुनिक रूप में वापस लाना है। आज यह ब्रांड रसायनों से मुक्त कुकवेयर का विकल्प दे रहा है। कुछ ही सालों में इस बिजनेस का वैल्यूएशन करोड़ों में पहुंच गया है। आइए, यहां मधुमिता और जगदीश की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। मधुमिता उदय कुमार और जगदीश कुमार चेन्नई के रहने वाले हैं। साल 2016 में उन्होंने अपने स्टार्टअप 'द इंडस वैली' की शुरुआत की थी। इसका विचार एक घरेलू दुर्घटना के बाद आया, जब माइक्रोवेव में प्लास्टिक का बर्तन पिघल गया। मधुमिता ने महसूस किया कि हम रेसिपी और सामग्री पर तो ध्यान देते हैं। लेकिन, जिस बर्तन में खाना बन रहा है, उसकी सेहत को नजरअंदाज करते हैं। बाजार में भरोसेमंद और पारंपरिक विकल्पों (जैसे मिट्टी, लोहा, पीतल के बर्तनों) की कमी को देखकर मियां-बीवी ने इस कमी को पूरा करने का फैसला किया। व्यावसायिक मोर्चे पर कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में शानदार प्रदर्शन किया है। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी का रेवेन्यू 61 प्रतिशत बढ़कर 117 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 72.5 करोड़ रुपये था। मुख्य रूप से कुकवेयर उत्पादों की बिक्री से 114.5 करोड़ रुपये की कमाई हुई। हालांकि, विज्ञापन और परिचालन खर्चों में बढ़ोतरी हुई। लेकिन, कंपनी ने अपनी वित्तीय दक्षता में सुधार किया है। कपल ने दिसंबर 2024 में 23 करोड़ रुपये की फंडिंग जुटाई थी। इसके कंपनी का वैल्यूएशन अब बढ़कर 303 करोड़ रुपये हो गया है। आने वाले 5 सालों में जगदीश और मधुमिता का टारगेट कंपनी को 'चैनल-एग्नोस्टिक' बनाना है। स्टोर्स के जरिए भी हर घर तक अपनी पहुंच बनाने पर है। 'नौकरी वाली मानसिकता' से निकलकर 'उद्यमी मानसिकता' में आना उनके लिए एक बड़ी चुनौती और सीखने वाला अनुभव था।

इंजीनियरिंग का बैकग्राउंड आया काम

जगदीश और मधुमिता आईटी इंजीनियर होने के साथ ही एमबीए हैं। अपना खुद का ब्रांड शुरू करने से पहले मधुमिता ने डेलॉयट जैसी प्रतिष्ठित फर्म में ऑपरेशंस और एचआर क्षेत्र में काम किया। वहीं, जगदीश सेल्स और मार्केटिंग में थे। संस्थापकों ने इसी बैकग्राउंड का इस्तेमाल करके अपने ब्रांड को एक भरोसेमंद नाम बनाया। उन्होंने 200 से अधिक केमिकल फ्री प्रोडक्ट पेश किए। ग्राहकों को इनके इस्तेमाल और रख-रखाव के प्रति जागरूक भी किया। ब्रांड का नाम सिंधु घाटी सभ्यता से प्रेरित है, जो मेटल साइंस और कृषि में अपनी उन्नति के लिए जानी जाती थी।

● भारत ने उठाए ताबड़तोड़ कदम ● संकट से पहले और बाद में आया फर्क

अमेरिका-ईरान सीजफायर अधर में लटका

नई दिल्ली, एजेंसी। पूरी दुनिया की नजर अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर टिकी हुई थी। लेकिन, पाकिस्तान में 21 घंटे की मैराथन बातचीत के बावजूद यह समझौता नहीं हो पाया। इसने दो हफ्ते के लिए लागू सीजफायर के भविष्य को अब अधर में लटका दिया है। दोनों पक्ष वार्ता विफल होने के लिए एक-दूसरे पर तोहमत लगा रहे हैं। इस बीच भारत ने अपने बंदोबस्त बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण ईंधन सप्लाई में आई बाधाओं के बीच भारत ने ताबड़तोड़ कदम उठाए हैं। उसने छोटे पांच किलो के एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई बढ़ा दी है। इसी के साथ पाइप से मुहैया कराई जाने वाली नैचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन का विस्तार भी तेज कर दिया है। यही नहीं, घरेलू एलपीजी उत्पादन को बढ़ाकर 60 फीसदी करने में भी कामयाबी हासिल की है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 23 मार्च से अब तक पांच किलो के 13 लाख से अधिक एलपीजी सिलेंडर बेचे गए हैं। इनकी दैनिक बिक्री एक लाख से अधिक हो गई है। यह कदम प्रवासी श्रमिकों और कम आय वर्ग के उपभोक्ताओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए उठाया गया है। इसी अवधि में 4.24 लाख से अधिक नए पीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं। वहीं, 30,000 से अधिक उपभोक्ताओं ने एलपीजी कनेक्शन वापस कर पीएनजी को अपनाया है। हालांकि, कच्चे तेल की कमी को अन्य स्रोतों से पूरा कर लिया गया है। लेकिन, एलपीजी सप्लाई प्रभावित हुई है। ऐसे में सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी सप्लाई को प्राथमिकता दी है। होटल-रेस्तरां जैसे वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए सप्लाई में कटौती की है।

संकट से पहले फरवरी में जहां रोजाना लगभग 77,000 सिलेंडर बिक रहे थे। वहीं, पिछले दो-तीन सप्ताह में यह संख्या एक लाख से अधिक हो गई है। सरकार के अनुसार, घरेलू एलपीजी सप्लाई कुल मिलाकर स्थिर बनी हुई है। कहीं भी कमी की सूचना नहीं है। 11 अप्रैल को 52 लाख से अधिक सिलेंडर डिस्ट्रीब्यूट किए गए। मांग का लगभग 98 फीसदी हिस्सा ऑनलाइन बुकिंग के जरिए पूरा हो रहा है। वहीं, वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए 93 फीसदी लेनदेन में सत्यापन प्रणाली लागू की गई है। कमर्शियल एलपीजी की उपलब्धता भी अब संकट से पहले के स्तर के करीब 70 फीसदी तक बहाल हो गई है। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड राज्य सरकारों के साथ मिलकर सप्लाई को सुचारु बना रही हैं। सरकार के मुताबिक, रिफाइनरियां ऊंची क्षमता पर काम कर रही हैं। कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। साथ ही, घरेलू एलपीजी उत्पादन भी बढ़ाया गया है। भारत अपने घरेलू एलपीजी उत्पादन को बढ़ाने में भी सफल रहा है। इससे देश की कुल जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा पूरा हो रहा है।

आईपीओ की आहट, 12 प्रतिशत चढ़ा टाटा ग्रुप का स्टॉक, निवेशकों में खरीदने की होड़

मुंबई, एजेंसी। एक तरफ शेयर बाजार में आज सोमवार को भारी बिकवाली देखने को मिल रही है तो वहीं दूसरी टाटा केमिकल्स और टाटा इनवेस्टमेंट के शेयरों को खरीदने की होड़ सी मची हुई है। इस उछाल के पीछे की वजह टाटा संस की लिस्टिंग की संभावना को माना जा रहा है। बता दें, 2024 के बाद टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयरों में एक दिन में अबतक यह सबसे बड़ी तेजी है। वहीं, यह लगातार चौथा कारोबारी दिन है जब टाटा केमिकल्स के शेयरों में उछाल दर्ज की गई है। टाटा केमिकल्स के शेयर आज सोमवार को बीएसई में 688.10 रुपये के स्तर पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 12 प्रतिशत की तेजी के बाद 773.10 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। बता दें, बीते 8 में से 6 कारोबारी दिनों में टाटा केमिकल्स के शेयरों का भाव ऊपर ही चढ़ा है। इस दौरान टाटा की इस कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 32 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

टाटा इनवेस्टमेंट के शेयरों की कीमतों में 8.5 प्रतिशत की तेजी आज सोमवार को देखने को मिली है। टाटा इनवेस्टमेंट का शेयर 650.45 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में यह स्टॉक 722.45 रुपये के इंट्रा-डे हाई तक पहुंच गए। टाटा इनवेस्टमेंट की भी टाटा संस में हिस्सेदारी है। आरबीआई के अपर लेयर एनबीएफसी नियमों में अगर कोई बदलाव नहीं देखने को मिला। तब की स्थिति में मौजूदा नियमों के अनुसार टाटा संस की लिस्टिंग अनिवार्य हो जाएगी। अगर टाटा संस की शेयर बाजार में लिस्टिंग होती है तो यह मौजूदा निवेशकों के लिए काफी अच्छी खबर होगी। टाटा केमिकल्स के 2025 के रिपोर्ट के अनुसार टाटा संस में कंपनी की कुल होल्डिंग्स 10237 सिक्योरिटीज है। तब उसकी कीमत 57 करोड़ रुपये थी। पिछले हफ्ते शापूरजी पालोनजी के चेयरमैन ने टाटा संस की लिस्टिंग की इच्छा को व्यक्त किया था। उन्होंने कहा था कि कंपनी को शेयर बाजार में लिस्ट कर देना चाहिए। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी। बता दें, टाटा संस में शापूरजी पालोनजी ग्रुप की कुल हिस्सेदारी 18 प्रतिशत से थोड़ी अधिक है। टाटा ट्रस्ट के बाद उनके पास ही टाटा संस में सबसे बड़ा हिस्सा है। मार्च 2024 में टाटा संस ने 22000 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाया था। टाटा संस शेयर बाजार में लिस्टिंग नहीं चाहता है। आरबीआई के संशोधित ड्राफ्ट के अनुसार की क्लासिफिकेशन पैरामीट्रिक स्कोरिंग मॉडल को खत्म करने का प्रस्ताव दिया है।

मृणाल ने रणवीर सिंह को लेकर दिया बयान

उनकी वजह से मैं इंडस्ट्री में हूं

फिल्म 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद से ही रणवीर सिंह 'टॉक ऑफ द टाउन' बन गए हैं। मूवी में दमदार एक्टिंग के लिए उनकी जमकर तारीफ हो रही है। इस बीच एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने भी उनको लेकर बड़ा बयान दिया है, जो अब चर्चाओं में है।

रणवीर की वजह से मैं इंडस्ट्री में हूं

हाल ही में मृणाल ठाकुर रणवीर इलाहबादिया के पॉडकास्ट में पहुंची थीं। इस बीच उन्होंने रणवीर की तारीफ करते हुए कहा, 'मेरा दिल बहुत खुश है। वो मेरे लिए लकी चार्म हैं। इसी वजह से मैं इस इंडस्ट्री में हूं। मैंने उनके साथ एक हेयर ब्रांड के लिए ऐड किया था, और जब वो ऐड टीवी पर आया... तभी फिल्ममेकर्स ने मुझे नोटिस करना शुरू किया। मैं इसका पूरा क्रेडिट उन्हें देती हूं। उन्होंने सच में मेरी बहुत मदद की है। वो बहुत पॉजिटिव इंसान हैं और उन्हें हर सफलता मिलनी चाहिए।'

एक्ट्रेस ने की 'धुरंधर' की तारीफ

उन्होंने 'धुरंधर 2' में भी रणवीर की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए कहा, 'उनकी एक्टिंग सिर्फ ऊपर-ऊपर की नहीं थी, उसमें गहराई और कई परतें थीं। मैंने उन्हें रणवीर सिंह के रूप में नहीं देखा, सिर्फ 'हमजा' के किरदार में देखा। वो हीरो से ज्यादा एक किरदार लगे। मुझे उन पर बहुत गर्व है क्योंकि वो बहुत मेहनती हैं। मैं दुआ करती हूं कि वो जो भी करें, वो ब्लॉकबस्टर हो। वो सब कुछ कर सकते हैं।' बता दें कि मृणाल आने वाले दिनों में डकैत फिल्म में नजर आ रही हैं।

बाबिल ने ध्यान को बताया बुनियादी जरूरत

बॉलीवुड के दिवंगत कलाकार इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने हाल ही में मानसिक स्वास्थ्य, माइंडफुलनेस और ध्यान पर बात की है। उन्होंने बताया है कि उन्होंने कैसे इन सबके जरिए अपने आपको जमीन से जुड़ा हुआ रखा। उन्होंने माइंडफुलनेस और अपने अंदर संतुलन खोजने के बारे में एक नया नजरिया पेश किया।

मनी कंट्रोल से बातचीत में बाबिल खान ने कहा कि उनके लिए ध्यान सिर्फ एक आदत से कहीं ज्यादा है। उन्होंने इसे बुनियादी जरूरत बताया है। बाबिल ने इस बात पर भी जोर दिया कि ध्यान को किसी काम की तरह नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे रोजमर्रा की जिंदगी का एक हिस्सा मानना चाहिए। अपने अनुभवों के बारे में बताते हुए बाबिल ने कहा, 'मेडिटेशन कोई 'काम' नहीं होना चाहिए। आपको अपने शरीर के अंदर ही अपनी सोच को इस तरह विकसित करना चाहिए कि यह अपने आप होने लगे और पूरे दिन आपके साथ रहे।'

माइंडफुलनेस से मन शांत रहता है

उन्होंने यह भी बताया कि कैसे एक 'माइंडफुल' (सचेत) नजरिया अपनाने से मन शांत रहता है। उन्होंने बताया कि इससे हम हर पल में मौजूद रहते हैं, भले ही जिंदगी कितनी भी भाग-दौड़ भरी क्यों न हो।

खुद को स्वीकार करना शांति की नीव

उन्होंने आगे कहा 'आपको जानना होगा कि आप कौन हैं। आपको खुद से लड़ना नहीं है। बस अपनी सोच को इस तरह ढालना है कि आप पूरे दिन उसी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। यह असल में खुद से प्यार करना ही है। उस मुकाम तक पहुंचने के लिए, सबसे पहले आपको खुद को स्वीकार करना होगा।' बाबिल ने इस बात पर जोर दिया कि 'खुद को स्वीकार करना' ही सच्ची शांति की नींव है। उनका मानना है कि बिना किसी विरोध या आलोचना के, खुद को वैसे ही अपनाना जैसे आप हैं, अपने आप ही एक संतुलित और अनुशासित जिंदगी की ओर ले जाता है।

बाबिल का वर्कफ्रंट

बाबिल खान हाल ही में सोशल मीडिया से ब्रेक पर थे। उन्होंने डिप्रेशन की वजह से ब्रेक लेने का फैसला किया था। आखिरी बार बाबिल खान शो 'लॉगआउट' में नजर आए थे। बाबिल ने भोपाल में अपने एक नए प्रोजेक्ट की शूटिंग भी फिर से शुरू कर दी है।

भाबीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन में किरदार को नया आयाम देने का मौका मिला

टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' में 'अंगूरी भाभी' का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री शुभांगी अत्रे के लिए फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन' बेहद खास और शानदार अनुभव देने वाला रहा। शुभांगी ने बताया कि फिल्म से उनके किरदार को नया आयाम देने का मौका मिला। अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने अपनी फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन' में अंगूरी भाभी के किरदार को तैयार करने के बारे में खुलकर बात की है। शुभांगी ने बताया कि उन्होंने अपने इस पसंदीदा किरदार को कैसे निभाया और दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए क्या ख्याल रखा।

शुभांगी अत्रे 'भाबीजी घर पर हैं!' टीवी सीरीज में अंगूरी भाभी के रोल के लिए खासा लोकप्रिय हैं। अब इसी किरदार के साथ वे बड़े पर्दे पर भी आ चुकी हैं। फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं! फन ऑन द रन' टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' पर आधारित है, लेकिन इसमें नई कहानी, नई जगहें और नया रोमांच है। जब शुभांगी से पूछा गया कि टीवी शो से फिल्म में आने के बाद उनके अभिनय के तरीके में कोई बदलाव आया या नहीं, तो उन्होंने साफ कहा, 'नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता।' उन्होंने बताया कि किरदार के प्रति पूरी ईमानदारी बनाए रखना सबसे जरूरी था। दर्शक पिछले दस साल से अंगूरी भाभी को जिस तरह पसंद करते आ रहे हैं, उसी तरह उसे निभाना था।

शुभांगी ने कहा, 'लोग आपको इसलिए पसंद करते हैं क्योंकि आप उस किरदार को ठीक उसी तरह निभाते हैं, जैसा वे चाहते हैं। फिर भी फिल्म में नई स्थितियां और नई कहानी के कारण किरदार को थोड़ा नया आयाम मिला है, जिसे एक्सप्लोर करना बहुत रोमांचक रहा।' अभिनेत्री के अनुसार, अंगूरी भाभी की सबसे बड़ी खासियत यही है कि वह बेहद सरल, मासूम और हंसाने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि दस साल तक दर्शकों का इतना प्यार मिलना किसी भी शो के लिए बड़ी बात है। अब वही प्यारे किरदार बड़े पर्दे पर नई कहानी, खूबसूरत लोकेशन्स और शानदार कलाकारों के साथ नजर आ रहे हैं और नए अंदाज में दर्शकों को काफी पसंद भी आ रहे हैं।

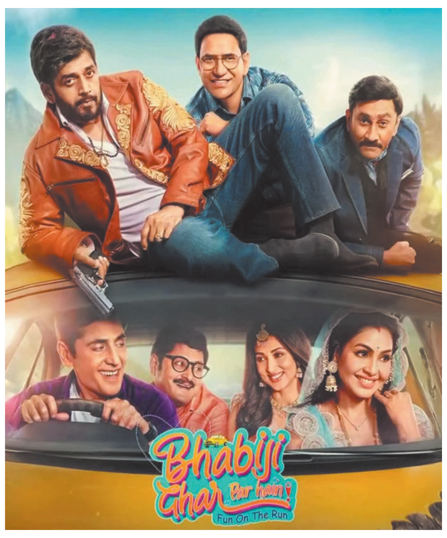

'धुरंधर-2' की सक्सेस के बाद राकेश बेदी के हाथ दो बड़े प्रोजेक्ट

धुरंधर-2 की सक्सेस के बाद फिल्म में राजनेता 'जमील जमाली' का किरदार निभाने वाले राकेश बेदी ने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेता ने अपने किरदार को लेकर की गई तैयारी पर बात की और यह भी साफ किया कि 'धुरंधर-3' नहीं आने वाली है।

धुरंधर-2 की सक्सेस पर बात करते हुए अभिनेता राकेश बेदी ने कहा, 'फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट रही है और कमाई भी अच्छी कर रही है, लेकिन फिल्म का कॉन्सेप्ट और निर्देशन आदित्य धर का है। हमने तो कलाकार के तौर पर काम किया, जो काम हमें करने के लिए कहा गया, लेकिन असल मेहनत आदित्य धर की है।'

फिल्म धुरंधर-2 में 'जमील जमाली' के किरदार के लिए अभिनेता ने बहुत मेहनत की। उन्होंने बताया कि हर किरदार के लिए मेहनत करनी पड़ती है। जैसे हम विराट कोहली को छक्का मारते देखते हैं तो देखने में कितना आसान लगता है, लेकिन असल में ऐसा होता नहीं है। ऐसे ही हर किरदार को निभाने से पहले बहुत कुछ करना होता है। वहीं फिल्म में रणवीर सिंह को असली धुरंधर बताते हुए अभिनेता ने कहा, 'जिस तरीके से किरदार की मांग थी, सभी किरदारों ने वैसा ही रोल प्ले किया। मेरा किरदार रणवीर सिंह को बचाने का था क्योंकि अगर कोई स्पाई दूसरे देश में जा रहा है, तो कोई तो सपोर्ट करने वाला और बचाने वाला होना चाहिए।'

अपने शुरुआती करियर पर बात करते हुए राकेश बेदी ने कहा, 'मेरे पिताजी चाहते थे कि मैं आईआईटी करूं, और मैं एंट्रेंस एग्जाम भी देने पहुंचा था, लेकिन मुझे 35 सवालों में से सिर्फ सवाल नंबर 7 का उत्तर पता था। फिर लगा कि मैं यहां के लिए नहीं बना हूं, और मेरे पिता ने भी किसी तरह का जोर नहीं डाला। यही कारण है कि मैं आईआईटी को छोड़कर अभिनेता बना। मैं अपने बच्चों के साथ भी यही करता हूं, उन्हें जो करना है, वही करने की आजादी देता हूं।'

कॉमेडी से धुरंधर-2 में 'जमील जमाली' के निगेटिव को निभाने के सवाल पर अभिनेता ने कहा, 'आदित्य धर को लगा कि मैं यह किरदार कर सकता हूं, तो मुझे चुना गया। मैं वैसा विलेन नहीं बना, जैसी छवि भारतीय सिनेमा में रही है, टेढ़ी आंखें वाले, एक्शन करते हुए, लेकिन मुझे चालाक और 'मेरा बच्चा है तू' वाला विलेन बनाया गया।

अपने आगामी प्रोजेक्ट्स पर बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि वो दो नए प्रोजेक्ट्स में दिखने वाले हैं। अभिनेता वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' और प्राइम वीडियो पर आने वाली सीरीज 'राख' में दिखने वाले हैं। दोनों की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है और जल्द ही रिलीज की अनाउंसमेंट की जाएगी।

मैं हुमा से अपना गहरे से गहरा राज शेयर कर सकता हूं

साकिब सलीम फिल्म इंडस्ट्री में तकरीबन डेढ़ दशक का वक्त बिता चुके हैं। वह उन अभिनेताओं में से हैं, जिन्हें अपनी जमीन पुख्ता करने में वक्त लगा। हालांकि, 38 साल के इस होनहार ने हार नहीं मानी। साल 2011 में 'मुझसे फ्रेंडशिप करोगे' से डेब्यू करने वाले साकिब अब तक 14 फिल्मों और 5 वेब सीरीज कर चुके हैं। जब आप इनकी फिल्मोग्राफी देखते हैं, तो एक दिलचस्प बात दिखती है।

साकिब ने पर्दे पर हर बार अलग-अलग तरह से कुछ नया करने की कोशिश की है। फिर चाहे रोमांटिक कॉमिडी वाली डेब्यू फिल्म हो, 'मेरे डैड की मारूति' जैसी कॉमेडी-ड्रामा, 'बॉम्बे टॉकीज' में एक गहराई में डूबा किरदार, या फिर 'रेस 3' में एक्शन। '83' में असल जिंदगी से प्रेरित क्रिकेटर बनना हो गया 'काकुडा' जैसी कई फिल्मों और 'रंगबाज', 'सिटाडेल', 'क्राइम बीट' जैसी वेब सीरीज में रहस्य, रोमांच और अपराध की दुनिया। साकिब हर अंदाज में दिखे हैं। वह इन दिनों खबरों में हैं, ओटीटी पर अपनी नई वेब सीरीज 'कप्तान' को लेकर।

मैं और हुमा टिपिकल सिब्लिंग्स थे, मुंबई हमें नजदीक लेकर आई

इंडस्ट्री में अपने किरदारों के लिए जाने जाने वाले साकिब जानी -मानी अभिनेत्री हुमा कुरैशी के भाई भी हैं। भाई -बहन के रूप में इनकी जोड़ी को आदर्श रूप में देखा जाता है। बीते साल में दोनों का रिश्ता कितना इवॉल्व हुआ है? इस पर साकिब कहते हैं, 'हम दोनों काफी इवॉल्व हुए हैं। हम जब दिल्ली से मुंबई आए थे, तब हम बिलकुल भी दोस्त नहीं थे। हम टिपिकल सिब्लिंग्स थे। वो होता है न, ऐसे करेगी तो पापा को बता दूंगा, ऐसे करेगा तो मम्मी को बता दूंगी, टाइप। तब हम साथ भी नहीं रहते थे, मगर मुंबई हमें नजदीक ले आया। फिर हम एक-दूसरे का काम डिस्कस करने लगे। उसके बाद हम साथ काम करने लगे और हमने अपनी प्रोडक्शन कंपनी खोल दी। हम साथ काम इसलिए कर पाते हैं कि मेरी हुमा से जेनुइनली बहुत अच्छी दोस्ती हो गई है अब।'

बहन के बारे में आगे बात करते हुए वह कहते हैं, 'मैं हुमा से एक बहन नहीं, बल्कि दोस्त की तरह बात करता हूं। मैं उनसे किसी भी विषय यानी अपने गहरे राज पर बात कर सकता हूं, क्योंकि मैं जानता हूं कि वो भी मुझे अपने भाई नहीं, बल्कि दोस्त के रूप में लेंगी। अगर हम सिर्फ भाई-बहन बने रहते तो एक-दूसरे के बाल नोच लेते। हम दोस्त होने के नाते परस्पर सम्?मान करते हैं। जहां तक बॉसिंग की बात है, तो मंडे टू वेनस्डे मैं बॉसिंग करता हूं, गुरुवार से शनिवार वो, और संडे को तो मॉम ही बॉस होती हैं। पापा की तो हम घर में चलने ही नहीं देते।'

कभी -कभी सेल्फिश हो जाता हूं

अपनी सीरीज में इंटेंस किरदारों में नजर आने वाले साकिब अपने ग्रे साइड के बारे में भी बात करते हैं, बताते हैं, 'वैसे तो मुझे गुस्सा आता नहीं है, मगर जिन लोगों को मैं अपने दिल के करीब रखता हूं या जिनसे मैं बहुत ज्यादा प्यार करता हूं, वे मुझे इफेक्ट कर सकते हैं। उनकी कही गई कोई भी बात मुझ पर बहुत असर डाल सकती है। मगर ऐसा मेरा कोई स्याह पहलू नहीं है। मैं इविल आदमी नहीं हूं। मस्ती-मजाक मैं जरूर करता हूं, मगर मैं किसी को नुकसान पहुंचाने की नहीं सोच सकता। कभी-कभी मैं सेल्फिश हो जाता हूं और इसे आप मेरा ग्रे साइड कह सकते हैं।'

'कप्तान' में किरदार और असल जिंदगी का साकिब सलीम

अपने नए शो 'कप्तान' में साकिब सलीम एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट का किरदार निभा रहे हैं। उनसे जब पूछा जाता है कि अतीत में कई एनकाउंटर स्पेशलिस्ट विवादों में भी रहे। एनकाउंटर को लेकर उनका क्या नजरिया है? इस पर वे कहते हैं, 'मैं मानता हूं कि क्यों मारना है किसी को? मगर मेरा मानना है कि जो एनकाउंटर स्पेशलिस्ट होता है, वो ऐसे नहीं सोचता। उसके काम की जिम्मेदारी ही यही है कि वो समाज की गंदगी साफ करे। उसका काम होता है कि समाज के अराजक तत्वों का सफाया करे, फिर चाहे वो एनकाउंटर के जरिए हो या जेल में डालकर। मगर जहां तक मेरी अपनी बात है, तो मैं बहुत ही नॉन वायलेंट पर्सन हूं। मुझे याद नहीं आता कि मैंने कभी किसी से हाथापाई भी की हो, मगर मेरा किरदार समरदीप बिना सोचे-समझे बंदूक चला देता है। उसके पीछे ह्यूमन राइट्स वाले भी लगे हैं और वो मानता है कि सिस्टम को बदलने के लिए कई बार ये करना जरूरी होता है।'

कोहली ने बाबर-गेल का रिकॉर्ड तोड़ा

- रोहित ने मुंबई के लिए 6 हजार रन पूरे किए, पाटीदार की आरसीबी के लिए सेकेंड फास्टेस्ट फिफ्टी

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2026 के 20वें मैच में मुंबई इंडियंस को 18 रन से हराया। वानखेड़े स्टेडियम में रविवार को विराट कोहली टी-20 में सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारियां करने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने बाबर आजम और क्रिस गेल को पीछे छोड़ा। मैच में रोहित शर्मा ने भी खास उपलब्धि हासिल की। उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए 6000 रन पूरे किए। रजत पाटीदार ने 17 गेंदों में फिफ्टी लगाकर आरसीबी के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाया और गेल की बराबरी की।

बेंगलुरु ने लगातार चौथी बार 200+ स्कोर बनाया- आरसीबी ने आईपीएल 2026 में लगातार चौथी बार 200+ स्कोर बनाया। लगातार सबसे ज्यादा 200+ स्कोर का रिकॉर्ड सनराइजर्स हैदराबाद (5 बार, 2025-26) के नाम है। पंजाब किंग्स (2023) और बेंगलुरु (2024) ने 4-4 बार यह किया था।

पाटीदार ने क्रिस गेल की बराबरी की- रजत पाटीदार ने 17 गेंदों में फिफ्टी लगाकर आरसीबी के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाया। उन्होंने क्रिस गेल की बराबरी की, जिन्होंने 2013 में 17 गेंदों में फिफ्टी लगाई थी। इस लिस्ट में टॉप पर रोमारियो शेफर्ड हैं, जिन्होंने 2025 में 14 गेंदों में यह किया था।

कोहली ने मुंबई के खिलाफ 7वां 50+ स्कोर बनाया
विराट कोहली ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ सातवां 50+ स्कोर बनाकर सुरेश रैना और डेविड वॉर्नर की बराबरी की। इस लिस्ट में टॉप पर केएल राहुल हैं, जिनके नाम 9 स्कोर हैं। कोहली ने वानखेड़े में अपने टी-20 करियर का 9वां 50+ स्कोर 23 मैचों में पूरा किया।

कोहली ने 47वीं बार शतकीय साझेदारी की
विराट कोहली टी-20 में सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारियां करने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने पहले विकेट के लिए फिल सॉल्ट के साथ 120 रन जोड़े। यह कोहली की 47वीं साझेदारी थी। उन्होंने बाबर आजम और क्रिस गेल (46-46) को पीछे छोड़ा।

रोहित ने मुंबई के लिए 6 हजार रन पूरे किए
रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस के लिए 6000 रन पूरे किए। इस लिस्ट में टॉप पर विराट कोहली हैं, जिन्होंने आरसीबी के लिए 8800+ रन बनाए हैं। तीसरे नंबर पर महेंद्र सिंह धोनी और चौथे पर सुरेश रैना हैं, जिन्होंने चेन्नई के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं।

आशा भोसले को श्रद्धांजलि दी गई

पिट्ठू प्रतियोगिता में छाईं पौड़ी की लड़कियां, रुद्रप्रयाग के लड़के

रोमांचक मुकाबलों के साथ हुआ समापन

देहरादून (एजेंसी)। राजधानी के जीआरडी गर्ल्स डिग्री कॉलेज (प्रेमनगर) में चल रही 'प्रथम राज्य स्तरीय जूनियर बालक-बालिका पिट्ठू प्रतियोगिता' का रविवार को समापन हुआ। देहरादून

- फाइनल मुकाबले में पौड़ी की बालिकाओं ने रुद्रप्रयाग को हराया

पिट्ठू एसोसिएशन की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में पौड़ी की लड़कियों और रुद्रप्रयाग के लड़कों ने अपना दबदबा कायम करते हुए चैंपियन का ताज पहना। वहीं, बालिका वर्ग में उत्तरकाशी और बालक वर्ग में मेजबान देहरादून ने तीसरा स्थान हासिल किया। रविवार को खेले गए

सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने जमकर पसीना बहाया और दर्शकों को कई रोमांचक मैच देखने को मिले।

- **बालक वर्ग में भी टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली-** पहले सेमीफाइनल में रुद्रप्रयाग ने उत्तरकाशी को 80-67 से हराया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में पौड़ी ने देहरादून को 127-48 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। मेजबान देहरादून ने तीसरे मुकाबले में उत्तरकाशी को 58-42 से हराकर तीसरा स्थान सुनिश्चित किया। जबकि खिताबी मुकाबले में रुद्रप्रयाग के खिलाड़ियों ने रणनीति के तहत खेलते हुए पौड़ी को 75-67 से मात दी और चैंपियन बन गए।

बालिका वर्ग के फाइनल में पौड़ी ने रुद्रप्रयाग को 99-63 से हराया

बालिका वर्ग में पौड़ी का एकतरफा दबदबा रहा और खिताबी सफर में टीम ने बेहतरीन खेल दिखाया। दिन के पहले सेमीफाइनल में रुद्रप्रयाग ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में उत्तरकाशी को 49-44 से हराया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में पौड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देहरादून को 133-39 के बड़े अंतर से एकतरफा शिकस्त दी।

तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में उत्तरकाशी ने देहरादून को 56-40 से हराकर बाजी मारी। जबकि खिताबी मुकाबले में पौड़ी की बालिकाओं का दबदबा कायम रहा और उन्होंने रुद्रप्रयाग को 99-63 से हराकर राज्य स्तरीय ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया।

विजेताओं को किया गया सम्मानित

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के प्रतिनिधि राय सिंह नेगी, उत्तराखंड पिट्ठू एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमोद पांडे और सचिव अश्वनी भट्ट ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार वितरित कर उनका हौसला बढ़ाया।
इस मौके पर जीआरडी कॉलेज के निदेशक सिद्धांत चमोली, प्राचार्या प्रियंका सिंह, सुशील चमोली, देहरादून पिट्ठू एसोसिएशन के सचिव विनोद पंवार, शशांक उनियाल, ओम प्रकाश, जितेंद्र लिंगवाल, मुकेश और संध्या थापा समेत कई खेल प्रेमी व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आयुष शेट्टी ने एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में सिल्वर जीता

फाइनल में चीनी खिलाड़ी से हारे, 60 साल बाद कोई भारतीय खिताबी मुकाबला खेल रहा था

झेजियांग (एजेंसी)। भारतीय शटलर आयुष शेट्टी को बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। फाइनल मुकाबले में उन्हें चीन के शी यू की के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

60 सालों के बाद किसी भारतीय ने चैंपियनशिप के मेंस सिंगल्स कैटेगरी के फाइनल में जगह बनाई थी। आयुष से पहले दिनेश खन्ना ने 1965 में मेंस सिंगल्स में गोल्ड जीता था।

रविवार को चीन के झेजियांग में खेले गए फाइनल में आयुष का मुकाबला दुनिया के नंबर-2 खिलाड़ी शी यू की से था। 20 साल के आयुष यह मैच 8-21, 10-21 से सीधे गेम में हार गए।

सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले भारतीय- इस हार के बावजूद आयुष ने अपने करियर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वो बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले भारतीय मेंस शटलर बन गए हैं। इससे पहले 1965 में दिनेश खन्ना ने इस टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीता था। खन्ना के बाद फाइनल तक का सफर तय करने वाले आयुष पहले भारतीय खिलाड़ी हैं।

टूर्नामेंट में भारत का 19वां मेडल

बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप 1962 से खेली जा रही है। टूर्नामेंट में यह भारत का कुल 19वां मेडल है। भारत ने अब तक 2 गोल्ड, 1 सिल्वर (आयुष) और 16 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। 1965 में दिनेश खन्ना ने सिंगल्स में और 2023 में सात्विक-चिराग की जोड़ी ने मेंस डबल्स में गोल्ड जीता था।

सेमीफीइनल में डिफेंडिंग चैंपियन को हराया

इस पूरे टूर्नामेंट में आयुष का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने वर्ल्ड नंबर 1, वर्ल्ड नंबर 4 और वर्ल्ड नंबर 7 जैसे टॉप रैंक वाले खिलाड़ियों को हराया था। शनिवार को हुए सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-25 आयुष ने डिफेंडिंग चैंपियन और नंबर-1 प्लेयर कुन्लावत वितिदसर्न को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी।

रूमर्ड गर्लफ्रेंड समरीन कौर के साथ दिखे अर्शदीप सिंह

वायरल हुआ यह क्यूट वीडियो

मुंबई (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के स्टार खिलाड़ी अर्शदीप सिंह इन दिनों अपनी गेंदबाजी की वजह से नहीं, बल्कि निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। अर्शदीप ने हाल ही में अपनी गर्लफ्रेंड के हाथों में हाथ डालकर फोटो शेयर की थी। उसके बाद से चर्चाओं का बाजार गर्म है कि आखिर अर्शदीप की गर्लफ्रेंड है कौन! इसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस ने दावा किया कि पंजाबी अभिनेत्री और मॉडल समरीन कौर ही अर्शदीप की गर्लफ्रेंड हैं। अब अर्शदीप आईपीएल 2026 के दौरान अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड समरीन के साथ स्पॉट भी हुए हैं। दोनों एक साथ नजर आए और क्यूट पल बिताते दिखे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

अर्शदीप ने साझा की थी तस्वीर- अर्शदीप का हाल ही में स्नैपचैट वीडियो वायरल हुआ था।

टीम ट्रैवल के दौरान का वीडियो

वीडियो आईपीएल के दौरान का ही, क्योंकि अर्शदीप के पीछे पंजाब की टीम बस खड़ी दिख रही है। अर्शदीप भी सामान के साथ हैं, यानी वीडियो टीम ट्रैवल के दौरान की है। अर्शदीप के साथ समरीन खड़ी हैं और अर्शदीप कुछ क्यूट से जेस्चर बनाते हैं और समरीन उस पर हंसने लगती हैं। इसके बाद समरीन से मिलने कोई महिला आती है और समरीन उनसे गले मिलती दिखती हैं।

---

200 मीटर रेस में बोल्ट से भी तेज निकले गाउट

ऑस्ट्रेलिया के 18 वर्षीय गाउट ने रेस 19.67 सेकंड में पूरी कर बोल्ट का इस उम्र का रिकॉर्ड तोड़ा

सिडनी (एजेंसी)। एथलेटिक्स की दुनिया में कल एक ऐसा चमत्कार हुआ, जिसने भविष्य की सुनहरी झलक पेश कर दी। सिडनी ओलिंपिक पार्क एथलेटिक सेंटर में 18 वर्षीय स्प्रिंट सनसनी गाउट गाउट ने 200 मीटर के फाइनल में 19.67 सेकंड का अविश्वसनीय समय निकालकर इतिहास रच दिया। यह समय न केवल महान उसैन बोल्ट के रिकॉर्ड से तेज है, बल्कि इसने ऑस्ट्रेलियाई एथलेटिक्स के एक नए युग का सूत्रपात भी कर दिया है।

खेल इतिहास में तुलनाएं अक्सर की जाती हैं, लेकिन गाउट ने आंकड़ों से अपनी श्रेष्ठता साबित की। साल 2004 में उसैन बोल्ट ने 18 साल की उम्र में 19.93 सेकंड का समय निकाला था। ऑस्ट्रेलियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में गाउट ने उनसे कहीं आगे निकलते हुए 19.67 सेकंड में फिनिश लाइन पार की और गोल्ड मेडल जीता। यह इस साल दुनिया का सबसे तेज समय है। गाउट के लिए यह जीत एक भावनात्मक पल भी थी। पिछले साल उन्होंने 19.84 सेकंड का समय निकाला था, लेकिन वह 'अवैध टेलविंड' के कारण आधिकारिक नहीं हो सका था। इस बार 1.7 मीटर प्रति सेकंड की वैध हवा की गति के साथ उन्होंने रफ्तार पर मुहर लगा दी। रेस की शुरुआत सामान्य थी। उम्मीद थी कि गाउट जल्द ही बढ़त बना लेंगे, लेकिन एडन मर्फी ने गाउट को कदम-कदम पर कड़ी टक्कर दी। मर्फी की इस चुनौती ने गाउट के भीतर के 'एथलेटिक दानव' को जगा दिया। अंतिम मीटरों में गाउट ने अपनी सिग्नेचर टॉप-स्पीड पकड़ी और जब स्कोरबोर्ड पर समय चमका, तो पूरा स्टेडियम स्तब्ध रह गया। इस प्रदर्शन में एडन मर्फी की भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता। मर्फी ने 19.88 सेकंड का समय निकाला और दूसरे स्थान पर रहे। यह पहली बार है, जब एक ही रेस में दो ऑस्ट्रेलियाई धावकों ने 20 सेकंड से कम में रेस पूरी की है। मर्फी ने पीटर नॉर्मन के 1968 के उस रिकॉर्ड को तोड़ने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की, जो दशकों से अभेद्य लग रहा था।

हार्दिक के आउट होने पर क्रुणाल ने आक्रामक तरीके से मनाया जश्न, अटकलों का बाजार गर्म

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के मुकाबले में मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच सिर्फ मैच ही नहीं, बल्कि दो भाइयों की कहानी भी सुर्खियों में रही। हार्दिक पांड्या और क्रुणाल पांड्या के बीच रिश्तों में खटास की अटकलें तेज हो गई हैं। सबसे ज्यादा चर्चा उस पल की हुई जब हार्दिक पांड्या के आउट होने पर क्रुणाल ने काफी आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया। यह दृश्य फैंस के लिए चौंकाने वाला था, क्योंकि दोनों भाई पहले मैदान पर अक्सर एक-दूसरे के साथ मजाक और गर्मजोशी दिखाते थे।

हार्दिक के आउट पर क्रुणाल का जश्न क्यों चर्चा में- मैच के दौरान हार्दिक पांड्या 22 गेंदों में 40 रन बनाकर खेल रहे थे। वह बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में जैकब डफी की गेंद पर आउट हो गए, जहां कैच रोमारियो शेफर्ड ने लपका। जैसे ही विकेट गिरा, क्रुणाल पांड्या तेजी से दौड़ते हुए आए और काफी जोश के साथ जश्न मनाया। उन्होंने अजीब तरीके से सिर को भी घुमाया। यह जश्न इतना आक्रामक था कि सोशल मीडिया पर तुरंत चर्चा शुरू हो गई कि क्या दोनों भाइयों के बीच सब ठीक नहीं है।

मैच के दौरान नहीं दिखी कोई बातचीत- फैंस ने यह भी नोटिस किया कि पूरे मैच के दौरान हार्दिक और क्रुणाल के बीच कोई बातचीत या सामान्य गर्मजोशी नजर नहीं आई। यहां तक कि मैच के बाद भी दोनों ने हाथ मिलाते हुए या हंसते-मुस्कुराते हुए नजर नहीं आए। जब क्रुणाल गेंदबाजी कर रहे थे, तब भी दोनों ने एक-दूसरे को ठीक से नहीं देखा।

सोशल मीडिया से शुरू हुई दरार की चर्चा- दरअसल, सोशल मीडिया पर फैंस दावा कर रहे हैं कि पांड्या ब्रदर्स के बीच दूरी की अटकलें पहले से ही चल रही थीं। फैंस के मुताबिक, टी20 विश्वकप 2026 में हार्दिक के शानदार प्रदर्शन के बावजूद क्रुणाल ने उन्हें सोशल मीडिया पर बधाई नहीं दी। हार्दिक ने इस टूर्नामेंट में 217 रन बनाए और नौ विकेट लिए।

दो ही रास्ते हैं, लगातार तीन हार के बाद हार्दिक का मुंबई पलटन को सख्त संदेश

मुंबई (एजेंसी)। लगातार तीन हार के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टीम को सख्त संदेश देते हुए कहा कि उनके पास दो ही विकल्प हैं, या तो अलग-अलग सोचें या एकजुट होकर समस्याओं का सामना करें। आरसीबी के खिलाफ हार के बाद पांड्या ने गेंदबाजी और रणनीति पर भी सवाल उठाए और टीम में बदलाव के संकेत दिए। आईपीएल 2026 में लगातार तीन हार के बाद मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी तनावपूर्ण नजर आया। हार्दिक पांड्या, जो टीम के कप्तान हैं, बेहद गंभीर और निराश दिखे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में मिली 18 रन की हार ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दीं। इस मैच में मुंबई इंडियंस कभी भी लक्ष्य का पीछा करते हुए नियंत्रण में नहीं दिखी।

या साथ लड़ो, या अलग सोचो

मैच के बाद ड्रेसिंग रूम में हार्दिक पांड्या ने पूरी टीम को संबोधित करते हुए साफ शब्दों में कहा कि अब टीम के पास सिर्फ दो विकल्प बचे हैं। उन्होंने कहा, एमजे (माहेला जयवर्धने) ने जो कहा, उसी को आगे बढ़ाते हुए मैं कहूंगा कि हमारे पास दो ही विकल्प हैं। या तो हम अपने-अपने कमरों में जाएं, खुद को एकाग्र करें और अकेले सोचें। मुझे पता है हारना मुश्किल होता है, लेकिन दूसरा यह है कि हमें सीखना होगा गायब नहीं होना है। यह हमेशा जीतना और सीखना है, हारना नहीं। उन्होंने आगे टीम को एकजुट रहने की सलाह दी, %जब हम होटल वापस जाएं, तो साथ में खाना खाएं। क्रिकेट की बात करें, कुछ और बात करें, लेकिन मिलकर इसका हल निकालें।

आरसीबी के खिलाफ क्यों हारी मुंबई?

इस मुकाबले में आरसीबी के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। विराट कोहली, फिल सॉल्ट और रजत पाटीदार की पारियों की बदौलत टीम ने 240 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। मुंबई के लिए यह लक्ष्य काफी बड़ा साबित हुआ और टीम 222/5 तक ही पहुंच सकी। हालांकि, शेरफेन ने 31 गेंदों में 71 रन की तूफानी पारी खेली, लेकिन वह टीम को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं थी।

गेंदबाजी पर उठे सवाल- मैच के बाद हार्दिक पांड्या ने गेंदबाजी यूनिट पर भी चिंता जताई और माना कि टीम ने जरूरत से ज्यादा रन दिए। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने बहुत ज्यादा रन दे दिए। 241 का लक्ष्य हमेशा मुश्किल रहने वाला था।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के पांडव नगर में घर में चोरी करने वाला शातिर गिरफ्तार, लाखों के सोने के जेवरात बरामद

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। पांडव नगर थाना पुलिस ने घर में चोरी करने वाले एक चोर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपित

के कब्जे से चोरी किए गए सभी सोने के जेवरात भी बरामद कर लिए हैं। मामला मयूर विहार फेज-2 इलाके का है, जहां एक घर से सोने के जेवर चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की, लेकिन शुरुआत में सीसीटीवी से कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने स्थानीय स्तर पर पूछताछ और खुफिया जानकारी के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान पता चला कि घटना के समय परिवार कुछ देर के लिए घर से बाहर गया हुआ था। पुलिस ने 22 वर्षीय सुहैब नाम के आरोपित को गिरफ्तार किया, जो उसी बिल्डिंग में कारपेंटर का काम करता था और नीचे स्टोर रूम में रहता था। पूछताछ में आरोपित ने चोरी की बात कबूल कर ली। उसकी निशानदेही पर सोने की अंगूठियां, चेन, गोल्ड बिस्किट, झुमके और लॉकेट समेत सभी जेवरात बरामद कर लिए गए हैं।

दिल्ली के महरौली में लगेगा नया ट्रांसफार्मर, बिजली ट्रिपिंग से मिलेगी राहत

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। महरौली विधानसभा क्षेत्र स्थित मारुति एन्क्लेव में रविवार को नए ट्रांसफार्मर के बेस कार्य का शुभारंभ पूर्व पार्षद आरती सिंह ने किया। महरौली में जहां एक ओर सड़के और नालियां बनाने का काम किया जा रहा है। वहीं अब बिजली जरूरतों को देखते हुए ट्रांसफार्मर की क्षमता में वृद्धि का भी काम कराया जा रहा है, ताकि मई व जून में बिजली की बढ़ी मांग की पूर्ति अवरोध रहित हो और लोगों को ट्रिपिंग से आजादी मिले। इसी क्रम में वार्ड नंबर आठ स्थित मारुति एन्क्लेव में नया ट्रांसफार्मर लगाया जाएगा। इसके बेस के निर्माण का कार्य पूरा होते ही ट्रांसफार्मर लगाने व सप्लाई से जोड़ने का काम कराया जाएगा। विधायक गजेंद्र यादव ने कहा कि ट्रांसफार्मर निर्माण से न केवल बिजली आपूर्ति सुचारू होगी, बल्कि क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी। आने वाले समय में और भी कई परियोजनाएं शुरू की जाएंगी।

भूमि विवाद के बावजूद हरेरा ने एआईपीएल प्रोजेक्ट को दी हरी झंडी

नया गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (हरेरा) गुरुग्राम ने सेक्टर-103 स्थित एआइपीएल के ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट द रिवेरा एट एआइपीएल लेक सिटी को जमीन विवाद के बावजूद जारी रखने की अनुमति दे दी है। हालांकि प्राधिकरण ने प्रोजेक्ट से जानकारी में कमी पर आपत्ति जताते हुए कुछ शर्तें भी लगाई हैं। क्या है पूरा मामला? यह आदेश 30 मार्च 2026 को ग्लोरी एजुकेशन टेक्नोलाजी प्राइवेट लिमिटेड की शिकायत पर दिया गया। शिकायत में एआइपीएल भारत इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के प्रोजेक्ट का पंजीकरण रद करने की मांग की गई थी। शिकायतकर्ता का कहना था कि जमीन के स्वामित्व को लेकर मामला अदालत में लंबित है और विभाजन संबंधी कार्यवाही भी चल रही है। मामले की सुनवाई के दौरान हरेरा ने माना कि करीब 0.98 एकड़ जमीन अभी विवादित है। इसके बावजूद प्राधिकरण ने प्रोजेक्ट को पूरी तरह रोकने के बजाय कुछ शर्तों के साथ आगे बढ़ने की अनुमति दी। इसमें विवादित हिस्से से जुड़े फ्लैट्स की बिक्री पर रोक और प्रोजेक्ट से संबंधित सभी लंबित मामलों की जानकारी सार्वजनिक करने के निर्देश शामिल हैं।

खरीदारों को हो सकता है जोखिम

इस फैसले के बाद यह सवाल उठने लगे हैं कि जब जमीन को लेकर विवाद पहले से चल रहा था, तो दिसंबर 2025 में प्रोजेक्ट को पंजीकरण कैसे दिया गया।

विरासत से जुड़ने का मौका, महरौली पुरातात्विक पार्क में डीडीए का 'हेरिटेज वीक' शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विकास प्राधिकरण की ओर से महरौली स्थित पुरातात्विक पार्क में 'हेरिटेज वीक' (विरासत सप्ताह) की शुरुआत सोमवार को हुई। इसका उद्देश्य नागरिकों, विशेष रूप से युवा छात्रों के बीच दिल्ली की समृद्ध सांस्कृतिक और स्थापत्य विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। एक सप्ताह चलने वाले उत्सव में छात्रों और आम जनता के लिए कई दिलचस्प गतिविधियां शामिल होंगी, जो विरासत की सराहना और रचनात्मक अभिव्यक्ति में भागीदारी को प्रोत्साहित करेंगी।

डीडीए ने पहली बार पोर्टल के साथ साझेदारी की है। यह भारत सरकार का एक नागरिक जुड़ाव मंच है। इस साझेदारी के तहत एक आनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है, जिसमें पूरे देश भर के प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया है। प्रतिभागी महरौली पुरातत्व पार्क के विरासत स्थलों की सुंदरता को अपने कैमरों में कैद करके पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं। डीडीए ने महरौली क्षेत्र में किए गए संरक्षण प्रयासों की प्रदर्शनी और दस्तावेज़ीकरण के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के साथ भी साझेदारी की है। छात्रों को दिल्ली की समृद्ध विरासत से जोड़ने के लिए, 15 और 16 अप्रैल को कार्यक्रम स्थल पर छात्रों पर केंद्रित कई गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें छात्रों के लिए 'हेरिटेज वॉक', संवाद प्रतियोगिता, कहानी लेखन प्रतियोगिता, और स्केचिंग व चित्रकला प्रतियोगिता शामिल हैं। छात्रों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए डीडीए ने दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय को पत्र लिखकर स्कूलों से अनुरोध किया है कि वे छात्रों को इन गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

बलबन और कुली खान का मकबरा: महरौली आर्कियोलॉजिकल पार्क में मरम्मत किए गए और सुरक्षित रखे गए कई ऐतिहासिक ढांचे हैं, जिनमें बलबन का मकबरा भी शामिल है। यहां मरम्मत किए गए ऐतिहासिक ढांचों के अंदर और आस-पास हरियाली और सुंदर लैंडस्केपिंग की गई है।

कव्वाली नाइट का होगा आयोजन

17 अप्रैल 2026 को, एक 'सार्वजनिक हेरिटेज वॉक' का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से नागरिक पार्क के समृद्ध ऐतिहासिक परिदृश्य को करीब से देख सकेंगे और दिल्ली की स्थापत्य विरासत के बारे में गहरी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। उत्सव का समापन 18 अप्रैल को होगा, जिस दिन 'स्मारकों और स्थलों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस' भी मनाया जाता है। समापन समारोह में पुरस्कार वितरण, चुनी गई कृतियों की प्रदर्शनी और एक 'कव्वाली नाइट' का आयोजन होगा, जो इस एक सप्ताह चलने वाले कार्यक्रम को एक शानदार सांस्कृतिक समापन प्रदान करेगा। महरौली आर्कियोलॉजिकल पार्क में मरम्मत किए गए ऐतिहासिक ढांचों का उद्घाटन अक्टूबर 2023 में किया गया। यह दिल्ली की समृद्ध विरासत और उसकी प्राचीन शान को बचाने के लिए सरकार के मिशन का एक हिस्सा था। पार्क में आने वाले लोगों के लिए यहां आराम से समय बिताने के लिए सभी जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

रन फॉर आंबेडकर

रन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन मैराथन में राहुल गांधी ने भाजपा-आरएसएस पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि बाबा साहेब डा भीमराव आंबेडकर की सोच एवं हिंदुस्तान के संविधान को खत्म करना ही भाजपा-आरएसएस का एकमात्र लक्ष्य है। वे चाहते ही नहीं कि देश के सभी लोगों को एक समान माना

जाए। उन्होंने यह भी कहा कि आज जब संवैधानिक मूल्यों पर प्रहार हो रहे हैं, हमें अन्याय व भेदभाव के खिलाफ बाबासाहेब जैसा संकल्प लेकर मिलकर लड़ना होगा। राहुल रविवार की सुबह मंडी हाउस में ''रन फार आंबेडकर, रन फार कान्स्टिट्यूशन'' उसका शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि यह दौड़ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी के विचारों और भारत के संविधान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन है। इस मैराथन का आयोजन कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग द्वारा ओबीसी विभाग के समन्वय से किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि संविधान के बिना हमारे देश का मौजूदा स्वरूप संभव नहीं होता। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा नेता चाहे आंबेडकर की प्रतिमा के सामने हाथ जोड़ते हों, लेकिन उनका असली मकसद अंबेडकर जी की सोच और संविधान को खत्म करना ही है। कांग्रेस के दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य संविधान की रक्षा करने के साथ उसके संदेश को देश के कोने-कोने तक फैलाना व इसे और अधिक मजबूत करना है। इस दौरान अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेन्द्र पाल गौतम, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अज़हरूद्दीन, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, कांग्रेस नेता के राजू, ममता भूपेश, दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव एवं सांसद दीपेंद्र हुड्डा समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

पेशेवर बदमाशों से दूर रखे जाएंगे पहली बार जेल जाने वाले कैदी, जेलों में नई व्यवस्था लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। *राजधानी दिल्ली की जेलों में नई व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत पहली बार अपराध करने में जेल पहुंचे कैदी पेशेवर और आदतन अपराधियों की बैरक से दूर रखे जाएंगे। ऐसे कैदियों के लिए अलग वार्ड तय किए गए हैं। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नए कैदी पेशेवर अपराधियों के संपर्क में न आएं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम जेल सुधार प्रणाली को मजबूत करने और कैदियों के पुनर्वास में अहम भूमिका निभाएगा। जेल मुख्यालय की जारी गाइडलाइन के अनुसार, अब 'फर्स्ट टाइम ऑफेंडर' की पहचान इस आधार पर की जाएगी कि संबंधित व्यक्ति पहली बार जेल में दाखिल हुआ है। यदि न्यायिक हिरासत के दौरान उसके खिलाफ अन्य मामले भी दर्ज हो जाते हैं, तब भी उसे पहली बार अपराधी की श्रेणी में ही रखा जाएगा। ऐसे कैदियों को तिहाड़ की जेल नंबर-4 और मंडोली की जेल नंबर-12 में रखा जाएगा। इन्हें मुलाहिजा जेल भी कहा जाता है। यह सुविधा आतंकवाद, नक्सलवाद, गैंगस्टर गतिविधियों या गंभीर आपराधिक मामलों में शामिल कैदियों को नहीं दी जाएगी। ऐसे कैदियों को हाई सिक्योरिटी या अन्य निर्धारित जेलों में ही रखा जाएगा। जेल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी हालत में आदतन अपराधियों को मुलाहिजा जेल में स्थानांतरित नहीं किया जाएगा।*

दिल्ली के देवली में सड़क और सीवर की बदहाली पर फूटा निवासियों का गुस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। देवली विधानसभा क्षेत्र स्थित नई बस्ती रोड पर सड़क व सीवर समस्या को लेकर रविवार को स्थानीय निवासियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। लोगों का आरोप है कि जनवरी में देवली बस स्टैंड से जलेबी चौक तक सीवर का काम शुरू हुआ। काम जैसे-तैसे पूरा होने के बाद सड़क को ऊबड़-खबड़ छोड़ दी गई है। मलबा जमा होने से नालियां भी चोक हैं। खराब सड़क पर लोग अक्सर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। शिकायत के बाद भी इस रोड का निर्माण नहीं कराया जा रहा है। लोगों ने पीडब्ल्यूडी, स्थानीय पार्षद अनीता सिंघल, विधायक प्रेम चौहान से लेकर दिल्ली सरकार तक पर क्षेत्र की उपेक्षा का आरोप लगाया। लोगों का कहना है कि अभी हाल ही में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने देवली विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए करोड़ों रुपये की घोषणा की थी। पर धरातल पर सामान्य सी समस्याओं का निदान भी नहीं हो पा रहा है। स्थानीय निवासी मंजू व मधुलिका सिंह के मुताबिक लगता नहीं कि हम लोग दिल्ली में रहते हैं। खराब सड़क और जगह-जगह बजबजाती नालियां

देख अब तो मेहमान भी यहां आने से कतराते हैं। आरडब्ल्यूए जनरल सेक्रेटरी आनंद के मुताबिक क्षेत्र के लिए 10 वर्ष पहले सीवर लाइन पास हुआ था। तब यहां के तत्कालीन विधायक ने काम होने नहीं दिया। लोगों की परेशानियों को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने क्षेत्र पर जोर दिया। आप विधायक प्रेम चौहान के क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए फंड जारी किए। लोगों का आरोप है कि काम मानकों के अनुरूप नहीं हुआ। वहीं सीवर लाइन का काम लगभग 20 दिन पहले पूरा होने के बाद भी सड़क बननी शुरू नहीं हो पायी। सीवर लाइन का काम होने के बाद मिट्टी बैठ जाए इसके लिए कुछ दिन छोड़ना पड़ता है, जिसके बाद ही सड़क बनती है। ऐसा न करने पर सड़क धंस सकती है। बीच में कुछ लोगों ने जबरन काम रुकवाने की कोशिश की। इस वजह से भी थोड़ा विलंब हुआ। क्षेत्र के लोगों की सहूलियत के लिए ही काम कराया जा रहा है। जल्द ही सड़क भी बनाई जाएगी।

ईरान मुद्दे पर पोप लियो की टिप्पणी से भड़के ट्रंप, धर्मगुरु को अपराध और कूटनीति में बताया कमजोर

वाशिंगटन , एजेंसी। ईरान के साथ संघर्ष और पाकिस्तान में आयोजित बातचीत विफल होने के बाद पोप लियो एक्सआइवी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी आलोचना की। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक लंबे सोशल मीडिया पोस्ट में पोप पर तीखा पलटवार किया। ट्रंप ने उन पर अपराध रोकने में ढिलाई बरतने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने विदेश नीति, ईरान और अमेरिका के घरेलू मुद्दों पर पोप के विचारों की कड़ी आलोचना भी की। ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'पोप लियो अपराध के मामले में कमजोर हैं और विदेश नीति के लिए बहुत बुरे हैं।' इससे व्हाइट हाउस और वेटिकन के बीच तनाव फिर से बढ़ गया। पोस्ट में, ट्रंप ने पोप पर आरोप लगाया कि वे कोविड-19 महामारी के दौरान धार्मिक सभाओं पर लगी पिछली पाबंदियों को नजरअंदाज करते हुए अपने सरकार की आलोचना पर ध्यान दे रहे हैं।

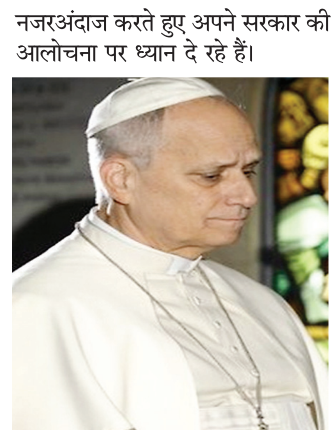

ट्रंप ने लिखा, 'पोप मेरी सरकार के 'डर' की बात तो करते हैं, लेकिन वो उस डर के बारे में कुछ नहीं बोलते जो कोरोना के समय चर्च ने झेला था। उस वक्त चर्च में प्रार्थना सभा आयोजित करने के लिए पादरियों और अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा था। '

राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को लेकर पोप की राय पर भी निशाना साधा और कहा कि वे उस नरमी से सहमत नहीं हैं जिसे उन्होंने (पोप ने) नरमी बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो सोचता हो कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार होना ठीक है। 'ट्रंप ने वेनेजुएला समेत विदेशों में अमेरिका के कामों का बचाव किया और उन्हें अमेरिका में ड्रग्स और अपराध संबंधित चिंताओं से जोड़ा और लिखा, 'मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो सोचता हो कि यह बहुत बुरा है कि अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला किया, एक ऐसा देश जो अमेरिका में भारी मात्रा में ड्रग्स भेज रहा था। वह देश अपनी जेल खाली कर अपराधियों को हमारे देश में भेज रहा था। ' पोप की आलोचना यहीं तक नहीं रूकी। राष्ट्रपति ट्रंप ने व्यक्तिगत तौर पर हमला करते हुए पोप की तुलना उनके भाई से की। उन्होंने कहा, 'मुझे उनका भाई लुइस उनसे ज्यादा पसंद है, क्योंकि लुइस पूरी तरह से एमएजीए (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) के समर्थक हैं। वह इसे समझते हैं और लियो नहीं! ' ट्रंप ने चुनावी जीत, अपराध में कमी और आर्थिक परफॉर्मेंस का हवाला देते हुए अपनी प्रेसीडेंसी का बचाव किया और लिखा, 'मैं ठीक वही कर रहा हूं जिसके लिए मुझे भारी बहुमत से चुना गया था, अपराध में रिकॉर्ड कम नंबर लाना और इतिहास का सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट बनाना। '

एक चौंकाने वाले दावे में, ट्रंप ने कहा कि पोप का चुनाव उनके अपने राष्ट्रपति पद से जुड़ा था। उन्होंने कहा, 'लियो को शुक्रगुजार होना चाहिए क्योंकि वह सबके लिए एक हैरान करने वाला सरप्राइज थे। अगर मैं व्हाइट हाउस में नहीं होता, तो लियो वेटिकन में नहीं होते। '

ट्रंप का विवादित सोशल मीडिया पोस्टः अमेरिकी राष्ट्रपति ने खुद को जीसस की तरह दिखाया, पहले भी कर चुके हैं ऐसा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैथोलिक चर्च के प्रमुख पोप लियो एक्सआइवी पर तीखा हमला बोलते हुए उनके नेतृत्व और विचारों पर सवाल उठाए। फ्लोरिडा से वॉशिंगटन लौटते समय ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट और पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह पोप के काम से संतुष्ट नहीं हैं। ट्रंप ने कहा कि मैं पोप लियो का प्रशंसक नहीं हूं। वह बहुत लिबरल व्यक्ति हैं और अच्छा काम नहीं कर रहे। उन्होंने पोप पर रैडिकल लेफ्ट को खुश करने का आरोप भी लगाया। यह बयान उस समय आया जब पोप लियो ने हाल ही में टिप्पणी की थी कि अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे तनाव में सर्वशक्तिमान होने का भ्रम एक बड़ी वजह बन रहा है। इस बयान को ट्रंप की नीतियों पर अप्रत्यक्ष टिप्पणी के तौर पर देखा जा रहा है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में पोप की आलोचना करते हुए लिखा कि पोप लियो अपराध के मुद्दे पर कमजोर हैं और विदेश नीति के लिए खराब हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह ऐसे पोप को पसंद नहीं करते जो यह मानते हों कि ईरान के पास परमाणु हथियार होना ठीक है। विवाद तब और बढ़ गया जब ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह खुद को यीशु मसीह जैसे रूप में दिखाते नजर आए। इस तस्वीर में वह एक बीमार व्यक्ति को स्पर्श करते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि आसपास मौजूद लोग उन्हें श्रद्धा से देख रहे हैं। ट्रंप के हालिया पोस्ट पर लोगों की प्रतिक्रिया आ रही है, एक यूजर ने आलोचना करते हुए लिखा कि 'तुम लोगों को मारते हो, तुम झूठे भगवान हो'। दरअसल, यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने ऐसा किया है। पिछले दिनों व्हाइट हाउस में आयोजित ईस्टर लंच के दौरान ट्रंप का बयान चर्चा और विवाद का कारण बन गया था।

पूर्वी प्रशांत में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई; ड्रग तस्करी के शक में दो नावें उड़ाईं, पांच लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी दक्षिणी कमान के अनुसार, ये हमले शनिवार को उन समुद्री मार्गों पर किए गए जिन्हें ड्रग तस्करी के लिए इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, सेना ने यह स्पष्ट नहीं किया कि जिन नावों को निशाना बनाया गया, उनमें वास्तव में मादक पदार्थ मौजूद थे या नहीं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी वीडियो में देखा गया कि समुद्र में चल रही छोटी नावें अचानक तेज विस्फोट के साथ नष्ट हो गईं। अमेरिकी कोस्ट गार्ड को जीवित बचे व्यक्ति की तलाश और बचाव अभियान के लिए अलर्ट किया गया है, और उसकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। बताया गया है कि सितंबर की शुरुआत से अब तक ऐसे हमलों में कम से कम 168 लोगों की मौत हो चुकी है। यह अभियान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद तेज हुआ था, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका लैटिन अमेरिकी कार्टेल्स के साथ 'सशस्त्र संघर्ष' की स्थिति में है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि ये हमले अमेरिका में ड्रग्स की आपूर्ति और ओवरडोज़ से होने वाली मौतों को रोकने के लिए जरूरी हैं। हालांकि, इस दावे को लेकर आलोचना भी हो रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका में पहुंचने वाला अधिकांश फेंटानिल मैक्सिको के रास्ते जमीन के जरिए तस्करी होकर आता है, जो चीन और भारत से आए केमिकल्स से तैयार किया जाता है। इन सैन्य कार्रवाइयों की वैधता और प्रभावशीलता पर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि कई मामलों में ठोस सबूत सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने नाकाबंदी वाले दावे को दोहराया; होर्मुज में जहाजों की आवाजाही बाधित

वाशिंगटन, , एजेंसी। भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने कहा कि अमेरिका का ईरान के साथ बातचीत से पीछे हटना सही था। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'ब्लॉकेड प्लान' का समर्थन किया और चेतावनी दी कि तेहरान होर्मुज स्ट्रेट का इस्तेमाल वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाने के लिए कर रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत आगे नहीं बढ़ पाई, दोनों पक्षों के बीच वार्ता बहुत अलग-अलग थी। निक्की हेली ने सीएनएन को एक इंटरव्यू में बताया, 'अमेरिका के पास 15 प्वाइंट का प्लान था। ईरान के पास 10 प्वाइंट का प्लान था। वे सच में मीलों दूर थे। ईरानी अपना न्यूक्लियर प्रोडक्शन और होर्मुज पर अपना कंट्रोल छोड़ने को तैयार नहीं थे।'

उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बातचीत खत्म करने के फैसले का समर्थन करते हुए कहा, 'हम बातचीत जारी नहीं रखेंगे। यह हमारे समय के लायक नहीं है। ट्रंप सरकार अब निश्चित तौर पर आगे बढ़ रहा है। हम ईरान पर वहीं हमला करेंगे जहां उसे चोट पहुंचेगी।' हेली ने इस ब्लॉकेड को ईरान को कमजोर करने की एक बड़ी आर्थिक रणनीति का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'ईरान को असल में घुटनों पर लाने के लिए उस पर आर्थिक रूप से हमला करना होगा। होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखना वैश्विक व्यापार के लिए बहुत जरूरी है।' उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान अमेरिका और उसके साथियों पर दबाव बढ़ाने के लिए अपनी स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, 'ईरान जीत को ट्रंप और खाड़ी के साथियों पर जितना हो सके उतना राजनीतिक और आर्थिक दबाव डालने के तौर पर देखता है। यह एक मुश्किल काम है।'

ट्रंप ने नाकाबंदी वाले दावे को दोहराया: अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने पहले के दावे को दोहराया है कि अमेरिका पूर्वी समयानुसार सुबह 10 बजे (24:00 जीएमटी) से ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी शुरू कर देगा। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखाः 'संयुक्त राज्य अमेरिका 13 अप्रैल को सुबह 10:00 बजे पूर्वी समय पर ईरानी बंदरगाहों में प्रवेश करने या बाहर निकलने वाले जहाजों की नाकाबंदी करेगा।' सेना ने एक बयान में कहा कि 41 वर्षीय अब्बास हसन कासिम को 'सेना कमांडर द्वारा कई पदक और प्रशस्तियां प्राप्त हुई थीं, जिन्होंने उन्हें कई अवसरों पर बधाई दी थी।' बयान में आगे कहा गया है कि कासिम विवाहित थे और उनके तीन बच्चे थे। अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत किसी भी समझौते पर पहुंचने में विफल रही, जिससे वैश्विक वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता बढ़ गई। पाकिस्तान में हुई बातचीत का कोई नतीजा न निकलने के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को घोषणा की कि अमेरिकी नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी शुरू करेगी। इस घोषणा ने भू-राजनीतिक तनाव को और बढ़ा दिया और कच्चे तेल की कीमतों को .100 प्रति बैरल के पार पहुंचा दिया। ब्रेंट क्रूड में लगभग 7.3% की उछाल देखी गई, जो .102 प्रति बैरल तक पहुंच गया। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि के कारण सोमवार को भारतीय शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट देखी गई। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता के विफल होने और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बाद निवेशकों के सेंटिमेंट पर नकारात्मक असर पड़ा, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में भारी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को कारोबार के दौरान, निफ्टी 50 में 1.78% की गिरावट के साथ 23,620 अंक पर और सेंसेक्स में 1.83% की गिरावट के साथ 76,139.90 अंक पर कारोबार कर रहा था। यह गिरावट पिछले सप्ताह की उस तेजी के विपरीत थी।

समाज कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा डीडीसी ने दिए समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश

आंगनबाड़ी केंद्रों को बंद पड़ें विद्यालयों में शिफ्ट करने (को-लोकेशन) का सर्वे कार्य सप्ताह भर में पूर्ण कर जिला को रिपोर्ट करें

पूर्ण आंगनबाड़ी केंद्रों का हैंडओवर कार्य सीडीपीओ के स्तर से हो - डीएसडब्ल्यूओ को सभी एजेंसियों के साथ बैठक कर इसे सुनिश्चित कराने को कहा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) श्रीमती शताब्दी मजूमदार की अध्यक्षता में जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत एवं गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी (डीएसडब्ल्यूओ) डा. सुमन गुप्ता, जिला शिक्षा अधीक्षक श्री अतुल कुमार चौबे, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री रवि कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सभी प्रखंडों के बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। डीडीसी ने योजनाओं के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी, पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आंगनबाड़ी केंद्रों के को-लोकेशन हेतु सर्वे कार्य में तेजी लाने का निर्देश

डीडीसी ने निर्देशित किया कि बंद पड़े विद्यालय भवनों में आंगनबाड़ी केंद्रों को स्थानांतरित (को-लोकेशन) करने की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए। इसके लिए सर्वे कार्य को एक सप्ताह के भीतर पूर्ण कर विस्तृत प्रतिवेदन जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इससे संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा तथा बच्चों को सुरक्षित एवं उपयुक्त वातावरण मिल सकेगा। जानकारी हो कि, 102 आंगनबाड़ी केंद्र का बंद पड़े विद्यालय भवन में स्थानांतरित किया गया है। शेष का कार्य प्रगति पर है।

आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण हेतु भूमि चिन्हितीकरण कार्य

आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए भूमि उपलब्धता को प्रमुख बाधा बताते हुए डीडीसी ने सभी अंचल अधिकारियों एवं सीडीपीओ को आपसी समन्वय स्थापित कर एक सप्ताह के भीतर भूमि चिन्हितीकरण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। जानकारी हो कि, 30 केंद्रों के लिए भूमि चिन्हित कर लिया गया है, शेष कार्य प्रगति पर है। उन्होंने डीएसडब्ल्यूओ को निर्देशित किया कि जिले में कार्यरत विभिन्न निर्माण एजेंसियों द्वारा किए जा रहे कार्यों का विस्तृत ब्योरा तैयार किया जाए, जिसमें यह स्पष्ट हो कि किस एजेंसी द्वारा कितने केंद्रों का निर्माण किया जा रहा है, उनकी वर्तमान स्थिति क्या है तथा किन कारणों से कार्य लंबित है।

निर्मित आंगनबाड़ी केंद्रों का शीघ्र हैंडओवर सुनिश्चित करने का निर्देश

डीडीसी ने कहा कि जो आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण पूर्ण हो चुके हैं, उनका हैंडओवर कार्य अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहना चाहिए। इस हेतु सीडीपीओ स्तर से हैंडओवर की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। डीएसडब्ल्यूओ को निर्देशित किया गया कि सभी संबंधित निर्माण एजेंसियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित कर हैंडओवर प्रक्रिया को सीडीपीओ स्तर से सुनिश्चित कराने को कहा।

पोषण ट्रैकर एप में शत-प्रतिशत एवं अद्यतन प्रविष्टि सुनिश्चित करने पर बल

पोषण ट्रैकर एप में डेटा एंट्री की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए डीडीसी ने सभी सीडीपीओ को निर्देश दिया कि लाभुकों से संबंधित सभी सूचनाएं नियमित एवं अद्यतन रूप से दर्ज की जाएं। उन्होंने कहा कि यह एप पोषण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग का महत्वपूर्ण माध्यम है, अतः इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों में शेष पोषण वाटिका एवं बाला पेंटिंग कार्य पूर्ण कराएं

डीडीसी ने जिले के सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण वाटिका (न्यूट्री गार्डन) के निर्माण एवं शेष बाला पेंटिंग कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इन पहल से बच्चों के समग्र विकास के साथ-साथ केंद्रों का वातावरण भी आकर्षक एवं शिक्षाप्रद बनेगा। उन्होंने केंद्रों को राज्य व जिला स्तर से उपलब्ध आरओ पेयजल एवं एलईडी टीवी एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की केंद्र में उपलब्धता तथा उनके अधिष्ठापन एवं संचालन की वर्तमान स्थिति का समेकित प्रतिवेदन तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा।

विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

बैठक में टीएचआर (टेक होम राशन), आपार आईडी, धरती आबा, आभा आईडी, पोषण पखवारा, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई), शक्ति सदन सहित अन्य प्रमुख योजनाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की। डीडीसी ने निर्देश दिया कि सभी योजनाओं के लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित की जाए तथा पात्र लाभार्थियों को समय पर योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए।

आदर्श उच्च विद्यालय गोमिया में मुख स्वास्थ्य जांच

गोमिया के विभिन्न स्कूलों में कुल 383 बच्चों का मुख स्वास्थ्य की जांच की गई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस के अन्तर्गत चल रहें जन जागरूकता अभियान एवं ओरल स्क्रीनिंग हेतु आज दिनांक 13 अप्रैल, 2026 को सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के निर्देशन में डॉ विनीता कुमारी एवं डॉ अदिति सिंह दन्त चिकित्सा पदाधिकारी गोमिया के द्वारा आदर्श उच्च विद्यालय गोमिया, मध्य विद्यालय गोमिया एवं आंगनबाड़ी गोमिया चौक में कुल 383 लोगो का ओरल स्क्रीनिंग कैम्प लगा कर किया गया।

डॉ विनीता कुमारी के द्वारा कैम्प में बच्चो को अपने दातों और मसूढों का मजबत रखने के लिये निम्न मुख्य बाते ध्यान में रखने हेतु बताया गया-

❖ दिन में दो बार ब्रश करें, ब्रश करने के तरीके के बारे में बताया गया।

❖ मुंह के बदबू और बैकटेरिया को कम करने के लिये जीभ को नियमित रूप से साफ करें।

❖ मीठी चीजे, कोल्ड ड्रिंग्स एवं चिपचिपे खाद्य पदार्थ का उपयोग कम करें।

❖ तम्बाकू उत्पादों का सेवन न करें।

डॉ अदिति सिंह ने अपने सम्बोधन में बच्चो को बताया कि यदि मुंह के अंदर निम्न लक्षण आप सभी को नजर आये तो दन्त चिकित्सा पदाधिकारी से सलाह लें।

❖ मुंह मे सफेद एव लाल धब्बा नजर आये तो कैंसर के शुरूआती लक्षण हो सकते है।

❖ मुंह में ऐसा घाव जो दो तीन सप्ताह से अधिक हो और दर्द न करे या ठीक न हो रहा हो तो डाक्टर से सम्पर्क करें।

❖ मुंह मे सूजन या गांठ हों।

❖ निगलने या बोलने में दिक्कत हो रहा हों तो बिना कोई झिझक आपको अपने नजदीकी दन्त चिकित्सा पदाधिकारी से सम्पर्क करना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान डॉ विनीता कुमारी एवं डॉ अदिति सिंह दन्त चिकित्सा पदाधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोमिया बोकारो, राजेन्द्र कुमार दन्त सहायक के साथ स्कूल के शिक्षक, स्टाफ, एवं बच्चे उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग के साथ दुष्कर्म के प्रयास मामले में दो गिरफ्तार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां नाबालिग के साथ दुष्कर्म के प्रयास के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। 12 अप्रैल 2026 को एक महिला अपनी नाबालिग पुत्री के साथ थाना पहुंची और दो युवकों पर दुष्कर्म के प्रयास का गंभीर आरोप लगाया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बालिडीह थाना पुलिस ने तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया। तकनीकी और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर दोनों आरोपियों- कृष्णा कपर्दार और अमित कुमार मंडल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। फिलहाल दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

खाद, बीज एवं कीटनाशक व्यवसायियों की बैठक

पेटरवार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पेटरवार प्रखंड स्थित खुट्टा बाबा मंदिर परिसर में बोकारो जिला खाद, बीज एवं कीटनाशक व्यवसायियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हीरालाल महतो ने की, जिसमें संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने को लेकर विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।बैठक के दौरान सर्वसम्मति से संगठन के नए पदाधिकारियों का चयन किया गया। अध्यक्ष अजित कुमार लोहानी को सचिव सुरेश महतो तथा नारायण कुमार गोराई को कोषाध्यक्ष चुना गया। सभी सदस्यों ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन को मजबूत बनाने में सहयोग का संकल्प लिया।बैठक का संचालन सुरेश महतो द्वारा किया गया। इस मौके पर हीरालाल महतो, निर्मल महतो, अरुण कुमार महतो, अर्जुन प्रसाद अग्रवाल, विजय महतो, बीनू लाल महतो, श्याम सुंदर नायक, वृंदावन गोराई, जितेंद्र महतो, मुकेश कुमार, पानेशर महतो, भारत भूषण महतो सहित काफी संख्या में खाद बीज भण्डार के व्यवसायिक मौजूद थे।

जीएम कार्यालय के मुख्य गेट पर अज्ञात लोगों ने की फायरिंग

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भौरा में सोमवार को फायरिंग की गई है. यह फायरिंग जीएम कार्यालय के मुख्य गेट पर की गई है. किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है.फायरिंग के बाद दहशत का माहौल बन गया है. जानकारी के अनुसार फायरिंग करने वाले नकाबपोश थे और उन लोगों ने चार राउंड फायरिंग की है. लाठी -डंडे भी चलाये है. घटना के बाद इलाके में सनसनी है. जानकारी के अनुसार एटक के सचिव अपने समर्थकों के साथ ग्रामीण की समस्याओं को लेकर जीएम कार्यालय गए थे. बातचीत के बाद जैसे ही वह बाहर निकले, तभी नकाबपोश अपराधियों ने हमला बोल दिया। हमलावरों ने मौके पर खड़ी एक बाइक को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है.

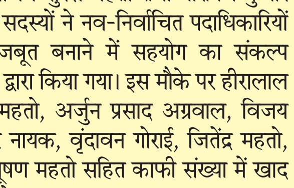

रिटायर्ड वैज्ञानिक की पुत्री लिपिका ने की आत्महत्या

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गोविंदपुर में एक रिटायर्ड वैज्ञानिक के परिवार ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया. वैज्ञानिक के बेटे ने अपनी तलाकशुदा बहन की मौत के बाद घर के बाथरूम में ही उसका 'अंतिम संस्कार' कर दिया. जानकारी के मुताबिक, 3 साल पहले वैज्ञानिक पिता की हुई मौत के बाद से बेटी काफी डिप्रेशन में थी. घटना के चार दिन बाद जब अधजले शव से पूरे मोहल्ले में बदबू आने लगी तो पड़ोसियों ने पुलिस को खबर की. जब पुलिस अंदर गई और नजारा देखा तो सभी हिल गए. वैज्ञानिक संजीत की 2023 में हुई थी मौत जानकारी के अनुसार, रिटायर्ड वैज्ञानिक संजीत कुमार झा की 2023 में मौत हो गई थी. इसके बाद उसकी बेटी लिपिका डिप्रेशन में थी. बताया जा रहा है कि वह तलाकशुदा है और अपने पिता के घर पर रह रही थी. अब जब बेटी लिपिका (उम्र अज्ञात) ने अपने कमरे में खुदकुशी कर ली. इस पर बड़े भाई प्रणव ने न छोटे भाई को खबर दी, न पड़ोसियों को. उसने बहन का शव घर के बाथरूम में ही जला दिया. बड़े भाई से पूछताछ कर रही पुलिस भाई के अनुसार, लिपिका की मौत 7 अप्रैल की रात में हो गई थी, उसने बहन की मौत की खबर किसी को नहीं दी और बहन को उसके बाथरूम मे ही अंतिम संस्कार कर दी. जब कई दिनों बाद अधजले शव से बदबू फैलने लगी तो तब पड़ोसियों ने रविवार रात पुलिस को इसकी सूचना दी और गोविंदपुर पुलिस सभी एंगल से तहकीकात कर रही है.

स्टील प्लांट में क्रेन के नीचे दबने से एक मजदूर घायल, इलाज के दौरान मौत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट में एक दर्दनाक हादसे में 37 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कार्य के दौरान क्रेन से नीचे गिरने की वजह से मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान दिनेश महतो के रूप में हुई है, जो बोकारो स्टील प्लांट के आईएमएफ विभाग में संविदा कर्मी के तौर पर काम करता था। बताया जा रहा है कि वह क्रेन संख्या 3 पर चढ़ने के दौरान अचानक संतुलन खो बैठा और नीचे गिर गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद सहकर्मियों ने उसे तुरंत प्लांट मेडिकल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए बोकारो जनरल अस्पताल रेफर कर दिया गया। लेकिन अस्पताल में इलाज के दौरान दिनेश महतो ने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद मजदूरों में आक्रोश देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि मृतक मजदूर मेसर्स नीरज इंटरप्राइजेज का संविदा कर्मी था। घटना की सूचना मिलते ही मजदूर यूनियन के लोग अस्पताल पहुंचे और प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताई। यूनियन ने मृतक के परिजनों को मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की है। ये पूरी तरह से प्रबंधन की लापरवाही है। सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। हम लोग मांग करते हैं कि परिवार को उचित मुआवजा और एक सदस्य को नौकरी दी जाए।

जेयूजे जिला कमेटी ने गोमिया प्रखंड कमिटी का किया गठन

तेनुघाट/ बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स जिला कमेटी के द्वारा गोमिया प्रखंड में एक अहम बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता आनंत कुमार दास व संचालन संजय कुमार द्वारा किया गया। बैठक में यूनियन के जिला अध्यक्ष कृष्णा चौधरी, कोषाध्यक्ष पंकज सिन्हा तथा प्रदेश कमेटी के सदस्य मिथलेश कुमार व साबिर अंसारी मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक में सम्मेलन को सफल बनाने को लेकर वृहद चर्चा हुई तथा अधिक से अधिक क्षेत्र के पत्रकारों की उपस्थिति सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। बैठक में सर्वसम्मति से प्रखंड कमेटी का गठन किया गया जिसमें राज कुमार स्वर्णकार तथा सचिव आनंत कुमार दास का चयन किया गया। इसके अलावे कमेटी के संरक्षक के रुप में पंकज कुमार पांडेय उर्फ टिल्लू पांडेय तथा कुलदीप कुमार का चयन किया गया। बैठक में खास कर इस बात पर बल दिया गया कि किसी भी किमत पर जिला सम्मेलन की सफलता सुनिश्चित किया जाये जबकि बैठक में जिला कमेटी के सदस्य राहूल कुमार बासू, योगो पूर्ति तथा गोमिया से पत्रकार राज कुमार, अमिताभ सिन्हा, विशाल अग्रवाल, प्रवीण कुमार, दिपक पासवान, जितेंद्र अग्रवाल, रौशन प्रमाणिक, कृष्णा कुमार, जितेंद्र पासवान, संतोष दास, पेटरवार से राज किशोर, बेरमो से अविनाश कुमार, एसपी सकशेना, जगदीश भारती, संदीप सिंह, मुकेश लाल, भुनेश्वर प्रजापति, राजेश मिश्रा आदि दर्जनों प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के लोग शामिल हुए।

स्टील प्लांट में घायल युवक की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के आई एम एफ विभाग मे क्रेन ऑपरेटर गणेश महतो जो ठेका मजदूर में कार्यरत थे, क्रेन से गिरने के कारण सर मे गहरी चोट लगी और उनकी मृत्यु हो गई' जो प्लांट के लिए अपूर्णीय क्षति है बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ इटर के महामंत्री सह, C S S क सदस्य विनोद कुमार ने उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त किया है तथा बोकारो स्टील प्लांट के उच्च प्रबंधन से नियुक्ति की मांग की जिसपर प्रबंधन ने तुरंत कार्रवाई कर आश्रित को नियोजन पत्र दिया। उसके लिए प्रबंधन का आभार ब्यक्त किया है तथा सुरक्षा मे कहां चूक हुई है उसपर प्रबंधन से उच्च स्तरीय जांच की मांग की है' बोकारो स्टील प्लांट में आए दिन हो रही दुर्घटनाएं चिंता का विषय है बोकारो प्रबंधन द्वारा उठाए जा रहे हैं सुरक्षा संबंधी कार्यो में और भी अधिक सुधार की जरूरत है। सुरक्षा में हो रही चूक से लगातार जान माल की क्षति हो रही है। इस पर रोक लगाने की जरूरत है।

आइआरए का राष्ट्रीय इरा अवार्ड : बीसीसीएल के निदेशक मुरली कृष्ण रमय्या सम्मानित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन की ओर से आयोजित एक भव्य समारोह में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (के निदेशक (कार्मिक एवं मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमय्या को राष्ट्रीय ईरा अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उत्कृष्ट प्रशासनिक कार्य, श्रमिकों के हित, एवं सामाजिक हित में किए गए प्रयासों तथा संगठन में बेहतर कार्यसंस्कृति स्थापित करने के लिए प्रदान किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में पत्रकारों एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। इस दौरान आईआरए के पदाधिकारियों ने निर्देशक मुरली कृष्ण रमय्या को शॉल ओढ़ाकर, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह और गरिमा का माहौल बना रहा। इस अवसर पर इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एम अली ने कहा कि मुरली कृष्ण रमय्या जैसे अधिकारी अपने कार्यों से एक मिसाल कायम करते हैं। उन्होंने हमेशा पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया है, जो अन्य अधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत है। झारखंड प्रदेश अध्यक्ष रविकांत बनर्जी ने कहा कि वर्तमान समय में जब प्रशासनिक व्यवस्था पर कई सवाल उठते हैं, ऐसे में मुरली कृष्ण रमय्या का कार्य एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करता है। उन्होंने कर्मचारियों के कल्याण के लिए कई प्रभावी पहल की हैं, जिससे संगठन को मजबूती मिली है। राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद जहांगीर ने कहा कि इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन सदैव उन व्यक्तियों को सम्मानित करता है, जो अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर समाज के विकास में योगदान देते हैं। मुरली कृष्ण रमय्या का योगदान एक सक्षम अधिकारी के साथ-साथ एक संवेदनशील व्यक्तित्व के रूप में भी उल्लेखनीय है।

धनबाद में किन्नर समाज की गरिमा को ठेसः फर्जी किन्नरों पर कार्रवाई की मांग

किन्नर कल्याण बोर्ड झारखण्ड सरकार की सदस्य सुनैना सिंह किन्नर ने एडीआरएम से मिल की कार्रवाई की मांग

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। किन्नर समाज की छवि को धूमिल करने और यात्रियों के साथ हो रही बदसलूकी के मामलों को लेकर किन्नर कल्याण बोर्ड झारखंड सरकार की सदस्य सुनैना सिंह किन्नर ने धनबाद रेल अनुमंडल के एडीआरएम मुकेश कुमार से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में उन्होंने बताया कि इन दिनों रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में कुछ पुरुष किन्नरों का भेष धारण कर अवैध रूप से पैसे वसूल रहे हैं और यात्रियों के साथ अभद्र व्यवहार कर रहे हैं। इस तरह की घटनाएं न केवल यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बन रही हैं, बल्कि असली किन्नर समाज की छवि को भी नुकसान पहुंचा रही हैं। सुनैना सिंह किन्नर ने कहा कि किन्नर समाज सदियों से अपनी एक सामाजिक पहचान और परंपरा के साथ जीता आ रहा है, लेकिन कुछ असामाजिक तत्व इस पहचान का गलत फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि ऐसे फर्जी लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि रेलवे प्रशासन स्टेशन और ट्रेनों में निगरानी बढ़ाए, ताकि इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। साथ ही यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस दौरान एडीआरएम मुकेश कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि रेलवे यात्रियों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है और इस प्रकार की शिकायतों पर सख्त कदम उठाए जाएंगे। स्थानीय लोगों और यात्रियों ने भी इस मुद्दे पर चिंता जताई है और प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

बोकारो स्टील प्लांट द्वारा 13 पंचायतों को क्रिकेट किट वितरित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल के तहत खेल एवं फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आसपास के गांवों की 13 पंचायतों को क्रिकेट स्पोर्ट्स किट का वितरण किया। यह कार्यक्रम सेक्टर-2 स्थित बोकारो हस्तशिल्प केंद्र में आयोजित किया गया। इस अवसर पर हैसाबातू (ईस्ट), हैसाबातू (वेस्ट), तांतरी साउथ, गोराबाली नॉर्थ, नारायणपुर, कांड्रा, चैनपुर, सिजुआ, कनारी, नरकारा, करहरिया पुनर्वास, टांड़ बालीडीह तथा मराफारी पुनर्वास पंचायतों के लिए पूर्ण क्रिकेट किट उपलब्ध कराए गए। वितरण समारोह में संबंधित पंचायतों के मुखिया, खिलाड़ी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में 13 गांवों को क्रिकेट किट सौंपे गए। इस मौके पर पंचायत प्रतिनिधियों में राजू महतो, बबीता देवी, रवि शंकर कुमार, मंजू देवी, शाजहान खातून, बारिक अंसारी, राकेश बाउरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। बीएसएल की ओर से जीएम (सीएसआर) श्री पी.पी. चक्रवर्ती एवं सीएसआर टीम के अन्य सदस्य भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK